आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail: tarunpressraipur@gmail.com tarun_press@yahoo.co.in
Web: www.tarunchhattisgarh.in facebook.TarunChhattisgarh Twitter - Tchhattisgarh36 Instagram -tarunchhattisgarh.raipur

■ रायपुर,गुरुवार 24 अप्रैल 2025 ■ बैसाख कृष्ण पक्ष-12 ■ वर्ष- 41 ■ अंक-026 ■ पृष्ठ-8 ■ डाक संस्करण 25 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 1.00 रु.

phone: 0771-2543112

करेंगुट्टा के जंगल में नक्सलियों के खिलाफ सबसे बड़ा आपरेशन

बीजापुर,24 अप्रैल ■ तरुण छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के बस्तर में नक्सलवादियों पर अब तक का सबसे बड़ा प्रहार किया गया है। यहां 10 हजार सुरक्षाबलों ने करीब एक हजार नक्सलवादियों को घेर लिया है। नक्सलवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ की शुरुआत हो गई है, जो अगले कुछ दिनों तक चल सकती है। खबर लिखे जाने तक करीब आधे दर्जन नक्सली मारे जा चुके हैं और ऑपरेशन खत्म होने तक यह आंकड़ा बहुत बड़ा हो सकता है। छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने कुछ नक्सलियों को मार गिराया है। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले से लगे पड़ोसी राज्य तेलंगाना की सीमा पर नक्सली गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबल के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान के लिए भेजा गया था। अधकारी ने बाया कि यह अभियान बस्तर क्षेत्र में शुरू की गई सबसे बड़ी नक्सल विरोधी कार्रवाई में से एक है। इस अभियान में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), बस्तर फाइटर्स, विशेष कार्य बल (एसटीएफ), राज्य पुलिस की सभी इकाइयों, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और इसकी विशिष्ट इकाई कोबरा सहित विभिन्न इकाइयों के लगभग 10 हजार जवान शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि तेलंगाना पुलिस भी इस अभियान में सहायक भूमिका में है। सूत्रों के हवाले से बताया है कि इलाके में करीब 1 हजार नक्सलियों को घेर लिया गया है। उन्होंने बताया कि माओवादियों के सबसे मजबूत सैन्य संगठन बटालियन नंबर एक के वरिष्ठ कैडरों और माओवादियों की तेलंगाना राज्य समिति की मौजूदगी के बारे में मिली सूचना के आधार पर सोमवार को अभियान शुरू किया गया था। यह अभियान लगातार कुछ दिनों तक चलेगा। अधिकारियों ने बताया कि घने जंगलों और पहाड़ियों से घिरा यह इलाका माओवादियों की बटालियन नंबर एक का आधार क्षेत्र बताया जाता है।

» घिर गए 1000 माओवादी, 10 हजार जवान शामिल

ऑपरेशन जारी है, बड़ी सफलता मिलेगी : साय

रायपुर। मुठभेड़ को लेकर सीएम विष्णु देव साय ने कहा कि पिछले 15 महीनों से लगातार हमारे सुरक्षा बल के जवान मजबूती के साथ नक्सलवाद से लड़ रहे हैं. अभी तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के बॉर्डर पर बड़ा ऑपरेशन चल रहा है. उन्होंने बड़े नक्सली लीडरों के खात्मे को लेकर कहा कि अभी ऑपरेशन जारी है, थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा.. बड़ी सफलता मिलेगी.

इनामी नक्सली दंपती ने किया आत्मसमर्पण

कवर्धा,24 अप्रैल। सुरक्षाबलों की सख्त कार्रवाई और नई और बेहतर पुर्नवास नीति ने बहुत से नक्सली आत्मसमर्पण का रास्ता अख्तियार कर रहे हैं. इसी कड़ी में 5-5 लाख रुपए के इनामी नक्सली रमेश उर्फ आटम गुड्डू और उसकी पत्नी सविता उर्फ लच्छी पोयम ने कबीरधाम पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है. 29 वर्षीय रमेश प्लाटून नंबर 01, एमएमसी जोन, जीआरबी डिवीजन कमेटी का सक्रिय सदस्य था, जबकि उसकी पत्नी 21 वर्ष सविता टांडा एरिया कमेटी में कार्यरत थी. दोनों पिछले 8 वर्षों से एमएमसी क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों में शामिल थे.

संक्षेप

5 नक्सलियों के शव बरामद

बीजापुर,24 अप्रैल। मुठभेड़ में जवानों ने पांच नक्सलियों को मार गिराया है. सूत्रों के मुताबिक, पांचों नक्सलियों का शव और हथियार बरामद कर लिया गया है. मुठभेड़ अभी भी जारी है.सुरक्षा बलों का मानना है कि मोस्ट वांटेड माओवादी नेता हिडमा कर्रेगुट्टालू के एक बंकर में छिपा हुआ है. हिडमा के नेतृत्व में पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) की कंपनी-1 ने अन्य शीर्ष माओवादी नेताओं दामदोदर और आज़ाद के साथ मिलकर इलाके को मजबूत कर दिया है. बारूदी सुरंगों और अन्य जालों की मौजूदगी के संदेह में सुरक्षा बल अत्यधिक सावधानी के साथ आगे बढ़ रहे हैं.

मुठभेड़ में जवान अली शेख शहीद

श्रीनगर,24 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 27 निर्दोश लोगों की हत्या करने के बाद भी आतंकवादी और पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पहलगाम हमले के बाद उधमपुर में आतंकियों संग भारतीय सेना के जवानों की मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में एक जवान के शहीद होने की खबर है। गोलीबारी के दौरान वह घायल हो गए थे और बाद में अस्पताल में उनकी मौत हो गई। इससे पहले सेना ने बारामूला में 2 आतंकवादियों को मार गिराया, जिनके पास से हथियार और आईईडी बरामद हुए। वहीं पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच पिछले 24 घंटे में लगातार तीसरा एनकाउंटर चल रहा है। सुरक्षाबलों ने उधमपुर के डूडू बसंतगढ़ में कुछ आतंकियों को घेर लिया है।

भीषण गर्मी के कारण ट्रांसफार्मर में आग

दुर्ग,24 अप्रैल। छत्तीसगढ़ में अब बढ़ते तापमान के चलते ट्रांसफार्मरों में आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं. शहरों में गर्मी से बचाव के लिए बिजली की खपत बढ़ी है, जिसके चलते विद्युत उपकरणों में आग लग रहे हैं. दुर्ग में भी ऋषभ अपार्टमेंट में लगा ट्रांसफार्मर ज्यादा लोड बढ़ने से ब्लास्ट हो गया और आग करीब स्थित एक घर तक पहुंच गई. घर में रखी सूखी लकड़ियां जलकर खाक हो गईं. घटना के बाद लोगो में अफरा-तफरी मच गई. मौके पर मौजूद लोगों ने फायर ब्रिगड को सूचना दी, जिसके बाद विभागीय टीम वहां पहुंची. फायर ब्रिगेड की टीमों ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और आवासीय घरों की तरफ बढ़ रहे आग को भी बढ़ने से पहले बुझा लिया.

वक्फ कानून के खिलाफ आंदोलन को मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने स्थगित किया

नई दिल्ली,24 अप्रैल। नए वक्फ कानून के खिलाफ चल रहे आंदोलन को ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने फिलहाल स्थगित कर दिया है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने प्रोटेस्ट को तीन दिनों के लिए रोकने का फैसला किया। दरअसल बोर्ड ने यह पैसला जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद किया है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने बयान जारी करते हुए कहा, शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता के प्रतीक के रूप में बोर्ड ने वक्फ अधिनियम में 'विवादास्पद संशोधनों' के खिलाफ अपने अभियान को तीन दिनों के लिए स्थगित कर दिया है।

गौतम गंभीर को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली,24 अप्रैल। गौतम गंभीर को जान से मारने की धमकी मिली है। 'आईएसआईएस कश्मीर' नाम के संगठन ने बुधवार को भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच को जान से मारने की धमकी दी है। यह धमकी उन्हें ईमेल के माध्यम से भेजी गई, जिसमें सिर्फ तीन शब्द लिखे गए थे -I kill You.... पूर्व भाजपा सांसद ने गुरुवार सुबह दिल्ली पुलिस से इस संबंध में शिकायत कर एफआईआर दर्ज करवाई है। साथ ही परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

दुश्मनों ने देश की आत्मा पर हमला किया : मोदी

आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा देंगे

पटना,24 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए वहां मौजूद लोगों से पहलगाम आतंकी हमले में जान गवांने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने की अपील की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने अपने दोनों हाथ जोड़ रखे थे। मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से आतंकवादियों ने मारा है, उससे पूरा देश गुस्से में है। पीड़ित परिवारों के साथ पूरा देश खड़ा है। मोदी ने कहा इस आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने भाई खोया, किसी ने अपना जीवनसाथी खोया है। कोई बांग्ला बोलता था, कोई मराठी था, कोई गुजराती था, कोई ओडिया था, कोई बिहार का लाल था। आज सभी की मृत्यु पर कारगिल से कन्याकुमारी तक दुख और आक्रोश एक जैसा है। उन्होंने कहा कि हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है, देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जिन्होंने यह हमला किया है, उन आतंकवादियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी, सजा मिल कर रहेगी। अब आतंकियों की बची-कुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की इच्छा शक्ति आतंकवादियों की कमर तोड़ कर रहेगी। इसके बाद मोदी ने कहा कि आज पंचायती राज दिवस के मौके पर पूरा देश मिथिला से, बिहार से जुड़ा है। आज यहां देश के, बिहार के विकास से जुड़े हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। बिजली, रेल, इंफ्रास्ट्रक्चर के इन विभिन्न कार्यों से बिहार में रोजगार के नए मौके बनेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार वो धरती है, जहां से पूज्य बापू ने सत्याग्रह के मंत्र का विस्तार किया था। पूज्य बापू के दृढ़ विश्वास था कि जब तक भारत के गांव मजबूत नहीं होंगे, तब तक भारत का तेज विकास नहीं हो पाएगा। देश में पंचायती राज की परिकल्पना के पीछे यही भावना है। उन्होंने कहा कि बीते दशक में पंचायतों को सशक्त करने के लिए एक के बाद एक कदम उठाए गए हैं। टेक्नोलॉजी के माध्यम से भी पंचायतों को मजबूत किया गया है।

पाकिस्तान को सबक सिखाकर रहेगा भारतः साय

रायपुर,24 अप्रैल। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुंबई का कार्यक्रम रद्द कर रायपुर लौट आए हैं. एयरपोर्ट पर सीएम साय ने पहलगाम में आतंकी हमले को लेकर कहा, पाकिस्तान ने जो दुस्साहस किया है, उसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा. कल CCS की बैठक में जो फैसला किया गया है, वो उनके मुंह पर तमाचा है. पाकिस्तान को हमारा देश सबक सिखाकर रहेगा. सीसीएस की बैठक में पाकिस्तान को लेकर लिए गए 5 बड़े फैसलों को लेकर सीएम ने कहा, पिछले समय में भी पाकिस्तान द्वारा अटैक का करार जवाब दिया गया था, फिर भी पाकिस्तान बाज नहीं आया. जो दु:साहस किया है, उसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा.

मिरानिया की अर्थी को सीएम ने दिया कंधा,अंत्येष्टि में हुए शामिल

रायपुर ,24 अप्रैल ■ तरुण छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय दो दिनों का मुंबई दौरा बीच में छोड़कर आज सुबह रायपुर पहुंच गए हैं। मुख्यमंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए रायपुर के श्री दिनेश मिरानिया की अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए अपना मुंबई दौरा रद्द किया है। श्री साय आज सुबह रायपुर आने के बाद श्री मिरानिया की अंत्येष्टि में शामिल होने मारवाड़ी श्मशान घाट पहुचें। मुख्यमंत्री श्री साय कल 23 अप्रैल को मुंबई में निवेशकों को छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति और निवेश आकर्षित करने मुंबई गए थे। उनका आज 24 अप्रैल को भी निवेशकों के साथ बैठक और मुलाकात का कार्यक्रम था। इसी दौरान कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए रायपुर के व्यावसायी श्री दिनेश मिरानिया की आज अंत्येष्टि की सूचना पर वापस रायपुर आ गए। बता दे कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए दिनेश मिरानिया की अंत्येष्टि में शामिल हुए और उनके शव को कंधा दिया।

छत्तीसगढ़- दिनेश का हुआ अंतिम संस्कार-जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मारे गए छत्तीसगढ़ के कारोबारी दिनेश मिरानिया का आज रायपुर में अंतिम संस्कार किया गया। बेटे शौर्य ने दिनेश मिरानिया को मुखाग्नि दी। अंतिम यात्रा में राज्यपाल रामेन डेका, सीएम साय और स्पीकर रमन सिंह भी मौजूद रहे। अंतिम यात्रा निकलने से पहले कारोबारी की पत्नी नेहा बेहोश हो गईं थी, उन्हें परिजन घर के अंदर लेकर गए। अंतिम यात्रा में परिजन और स्थानीय लोग रोते नजर आए।

पाक के झंडे पर थूका-आतंकी हमले को लेकर शहर में आक्रोश है। सड़कों पर पाकिस्तान के झंडे चिपका दिए हैं, आतंकियों की तस्वीरें लगा दी हैं, उसके ऊपर से लोग गुजर रहे हैं, थूक रहे हैं, गाली दे रहे हैं।

नामकरण होगाः मुख्यमंत्री ने कहा है कि राजधानी के किसी एक चौराहे या सड़क का नाम दिनेश मिरानिया के नाम पर किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट का वक्फ बोर्ड में मेंबर की नियुक्ति पर बड़ा फैसला

नई दिल्ली,24 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन कानून से संबंधित मामला चल रहा है, जिसमें अदालत ने एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है. यह निर्णय राज्य वक्फ बोर्ड में सदस्यों की नियुक्ति से जुड़ा हुआ है. देशभर में मुस्लिम समुदाय इस कानून का विरोध कर रहा है, और इसी संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट में मामला विचाराधीन है. हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हाई कोर्ट के एक निर्णय को खारिज करते हुए नया आदेश जारी किया है, जिसके अनुसार यदि कोई वकील राज्य बार काउंसिल में किसी पद पर नहीं है, तो वह राज्य वक्फ बोर्ड का सदस्य नहीं बन सकता. सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और राजेश बिंदल की बेंच ने स्पष्ट किया है कि केवल संसद, राज्य विधानसभा या राज्य बार काउंसिल के सक्रिय सदस्य और मुस्लिम व्यक्ति ही वक्फ बोर्ड के सदस्य बन सकते हैं. कोर्ट ने मणिपुर हाईकोर्ट के उस निर्णय को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि बार काउंसिल का सदस्य न रहने पर भी कोई व्यक्ति वक्फ बोर्ड का सदस्य बना रह सकता है. सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि वक्फ कानून के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति बार काउंसिल से बाहर हो जाता है, तो उसकी वक्फ बोर्ड की सदस्यता भी समाप्त मानी जाएगी. जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की पीठ ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया कि वक्फ बोर्ड का सदस्य बनने के लिए दो आवश्यक शर्तें पूरी करनी अनिवार्य हैं. व्यक्ति मुस्लिम समुदाय से हो. संसद, राज्य विधानसभा या बार काउंसिल के सदस्य के रूप में सक्रिय भूमिका निभाना. सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हाईकोर्ट के उस निर्णय को गलत ठहराया, जिसमें कहा गया था कि कानून में यह स्पष्ट नहीं है कि बार काउंसिल से बाहर होने पर वक्फ बोर्ड की सदस्यता भी समाप्त हो जाएगी.

फरार राजस्व निरीक्षक गिरफ्तार

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही,24 अप्रैल। एंटी करप्शन ब्यूरो ने रिश्वत मामले में फरार चल रहे गौरेला तहसील के फरार राजस्व निरीक्षक घनश्याम भारद्वाज को गिरफ्तार कर लिया है. एसीबी की टीम ने रिश्वतखोर आरोपी घनश्याम भारद्वाज को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है. बता दें कि गौरेला निवासी शिकायतकर्ता रंजीत राठौर से कृषि भूमि का सीमांकन करने के लिए 50 हजार रुपए की मांग की गई थी. मामले में ACB की टीम ने मध्यस्थता कर रहे राजस्व निरीक्षक संतोष कुमार चंद्रसेन को 50 हजार रिश्वत लेते पकड़ा था.

करदाता ने गलती स्वीकार की तो नहीं लगेगा जुर्मानाः हाईकोर्ट

बिलासपुर,24 अप्रैल। हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है. उन्होंने साफ कहा है कि यदि कोई करदाता स्वेच्छा से अपनी त्रुटि को उजागर करता है और उसका कोई दुर्भावनापूर्ण इरादा नहीं होता तो उस पर आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 271 (1) (सी) के तहत जुर्माना नहीं लगाया जा सकता. यह धारा आमतौर पर आय छिपाने या गलत जानकारी देने पर लागू होती है. मामला छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड से जुड़ा है, जो एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी है. कंपनी के कर विवरण की जांच आयकर अधिनियम की धारा 143(2) के तहत की जा रही थी. इस प्रक्रिया में कंपनी ने स्वेच्छा से यह जानकारी दी कि उसके द्वारा बहीखाता लाभ (बुक प्रोफिट) में गणना के दौरान ?35,74,90,033 रुपये के स्थान पर ?26,89,97,367 रुपए की जानकारी दर्ज की गई थी. यह अंतर अनजाने में डेटा फीडिंग की त्रुटि के कारण हुआ था. कर निर्धारण अधिकारी (एओ) ने इसे आय का गलत विवरण मानते हुए आयकर अधिनियम की धारा 271 (1) (सी) के तहत कंपनी पर जुर्माना लगाया. उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी ने जानबूझकर कर से बचने का प्रयास किया है. कर निर्धारण अधिकारी के इस आदेश को चुनौती देते हुए कंपनी ने सीआइटी के समक्ष अपील पेश की. मामले की सुनवाई के बाद अपीलीय अधिकारी ने इसे मानवीय त्रुटि मानते हुए कर निर्धारण अधिकारी द्वारा लगाए गए जुर्माना को खारिज कर दिया.अपीलीय अधिकारी के आदेश को राजस्व विभाग ने चुनौती देते हुए आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण ITAT के समक्ष अपील पेश की. अपील की सुनवाई के बाद अपीलीय न्यायाधिकरण ने अपीलीय अधिकारी के आदेश को रद्द करते हुए बिजली कंपनी को आयकर अधिकारी द्वारा लगाए गए जुर्माने को पटाने का आदेश दिया. ITAT के आदेश को चुनौती देते हुए बिजली कंपनी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से हाई कोर्ट में याचिका दायर की. मामले की सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने अपने आदेश में लिखा है कि जब करदाता स्वयं अपनी गलती स्वीकार करता है और उसमें कोई धोखाधड़ी या छिपाने का इरादा नहीं पाया जाता है तब ऐसी स्थिति में उस पर दंडात्मक कार्रवाई उचित नहीं है. इस महत्वपूर्ण टिप्पणी के साथ कोर्ट ने ITAT के आदेश को खारिज कर दिया है.

ट्रेलर की चपेट में आया युवक, मौत

रतनपुर,24 अप्रैल। थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई है वही सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार रतनपुर थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 30 गलहोत ढाबा के पास गुरुवार सुबह 8.30 बजे के आसपास हाइवे के बीच में लगे पेड़ पौधों में पानी डालने का काम करने वाले ग्राम मेलनाडीह निवासी अनीश ध्रुव पिता स्व. जीवन ध्रुव उम्र 23 वर्ष रोज की भाती आज भी सुबह हाइवे के बीच डिवाइडर में लगे पौधों में पानी डाल रहा था, तभी बिलासपुर तरफ से कोरबा की ओर जा रही तेज रफ्तार ट्रेलर क्रमांक ष्टत्र 10 क्ख्र 3120 ने सामने से उसे अपनी चपेट में ले लिया जिससे अनीश की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वही आसपास के लोगो ने इसकी सूचना रतनपुर पुलिस को दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम में भेज ट्रेलर को घटनास्थल में ही छोड़ मौके से फरार ट्रेलर चालक की पता तलाश में जुट गई है।

सर्व मुस्लिम समाज ने की आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

रायगढ़,24 अप्रैल। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का सर्व मुस्लिम समाज रायगढ़ ने कड़ी निंदा करते हुए, कड़ी कार्रवाई की मांग की है . सर्व मुस्लिम समाज रायगढ़ के सरपरस्त शेख कलीमुल्लाह वारसी सदर हाजी अशरफुद्दीन चिश्ती नायब सदर हाजी शेख मुबस्सीर हुसैन, मोहम्मद जावेद,शब्बीर भाई, भोलू अली जाफरी, सेक्रेटरी अब्दुल कदीर साबरी खजाँची मोहम्मद मतीन कुरैशी .प्रवक्ता सैय्यद शाहबाज रिजवी, इमरान आलम खान ,कानूनी सलाहकार एडवोकेट असलम खान, एडवोकेट डॉ मुशर्रफ अली, संगठन सचिव शब्बीर अहमद साबरी, शमशुल कादरी प्रचार सचिव सैयद असगर साबरी सह सचिव सैय्यद साबीर, मुमताज़ आलम,हिदायत खान फिरोज अली ईरानी आदि ने कहा इस कायराना हमले की जितना निंदा की जाए कम है. आतंकवादियों पर कड़ी कार्रवाई हो. यह सिर्फ देश के दुश्मन नहीं है. बल्कि कश्मीरीयो के भी दुश्मन है. जम्मू कश्मीर राज्य का पर्यटन सबसे बड़ा उद्योग है. इस हमले के बाद पर्यटन उद्योग प्रभावित होगा, आम कश्मीरी को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ेगा. हम मोदी सरकार से मांग करते हैं कि आतंकवादियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जावे ताकि इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति ना हो.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल की सफल योजनाओं में से एक खेलो इंडिया

jasclaudius@gmail.com

इंडोर स्टेडियम में देना होगा सभी खेलों को महत्व

✍ जसवंत क्लाडियस,तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीसवीं सदी तक खेलकूद में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत की उपस्थिति नहीं के बराबर थी। पूरी दुनिया में इस बात को लेकर जब भी चर्चा होती थी तो हमारे देश की जनसंख्या पर आकर चर्चा थम जाती थी। सभी कहते थे जब भारत की जनसंख्या संसार में चीन के बाद सबसे ज्यादा है तो क्या वजह है कि भारतीय खिलाड़ी विश्व स्तर की प्रतियोगिता में सफल नहीं हो पाते? 15 अगस्त 1947 को मिली स्वतंत्रता के पश्चात हमारे देश में अधिकांशतः कांग्रेस की सरकार सत्ता में रही। इस दिशा में शोध करने वाले या अध्ययन करने वालों का मानना है कि जब तक जमीनी स्तर के प्रतिभा सम्पन्न खिलाड़ियों की पहचान नहीं कर ली जाएगी तब तक खेलकूद के क्षेत्र में भारत को स्थापित होने में समय लगेगा। इसी एक मात्र बिन्दु पर ध्यान केंद्रित करते देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 के अपने पहले कार्यकाल से ही खेल को प्राथमिकता में रखा जो इस प्रमाण से सिद्ध होता है कि भारत में पहली बार खेल मंत्री के रूप में 2004 एथेंस आधुनिक ग्रीष्मकालीन खेलों में निशानेबाजी स्पर्धा के रजत पदक विजेता लेफ्टि. कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौर को खेल मंत्रालय का बागडोर सौंपा गया। इसके पश्चात विचार-विमर्श का दौर आरंभ हुआ तब यह तय हुआ कि जब तक ग्रामीण अंचल में प्रतियोगिताओं के माध्यम से खेल प्रतिभाओं की खोजबीन नहीं की जायेगी तथा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण, अत्याधुनिक खेल सामग्री, पोशाक, भरपूर आहार, आवास की व्यवस्था नहीं की जाएगी तब तक हमारे देश के खिलाड़ी अन्य देशों के मुकाबले विजयी नहीं हो सकते। आखिरकार भारत में खेल संस्कृति की जड़ें मजबूत करने खेलो इंडिया कार्यक्रम का आरंभ हुआ। धीरे-धीरे करके परिस्थितियां बदलती जा रही है। आधुनिक ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में 28 खेलों को मुख्य खेल का दर्जा प्राप्त है। खेलो इंडिया कार्यक्रम भारत के बच्चे, किशोर, युवा सभी वर्गों के लिए क्रांतिकारी संदेश लेकर आया है। राष्ट्रीय स्तर की खेलो इंडिया स्पर्धा के अंतर्गत खेलो इंडिया यूथ गेम्स तथा खेलो इंडिया विश्वविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन पिछले पांच-छः वर्षों से निरंतर हो रहा है। इसके साथ ही खेलो इंडिया विंटर गेम्स, खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स, खेलो इंडिया ट्रायबल गेम्स, खेलो इंडिया पैरा गेम्स का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा विभिन्न राज्य सरकारों को वित्तीय तथा भारतीय खेल प्राधिकरण की ओर से उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है जिसका परिणाम धीरे-धीरे सामने आ रहा है। इसी वजह से अब ओलंपिक चैंपियनशिप में शामिल तीरंदाजी, केनोइंग, सायकलिंग, तलवारबाजी, गोल्फ, जिमनास्टिक्स, जूडो, निशानेबाजी, ताइक्वांडो आदि खेलों में महिला व पुरुष दोनों ही वर्गों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के भारतीय खिलाड़ी उभरकर आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के रजत जयंती वर्ष तक यहां के खेल अधोसंरचना का बहुत विकास हुआ है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में केंद्र सरकार के खेल मंत्रालय की मदद से अत्याधुनिक खेल एरेना बनाये जा रहे हैं। केंद्र को राज्य सरकार के खेल विभाग द्वारा खेलकूद के लिए उपयुक्त परिसर बनाये जाने का प्रस्ताव दिया जा रहा है। यह एक अच्छी शुरुआत है लेकिन लगभग सभी जिलों में इंडोर स्टेडियम बनाये जाने या फिर पहले से निर्मित इंडोर स्टेडियम को सुधारने की पहल की जा रही है जिसके लिए केंद्र सरकार से राशि भी आ रही है। अब देखना यह है कि इस राशि का खेल के हित में उपयोग हो रहा है या नहीं? दूसरी बात इंडोर स्टेडियम में सिर्फ बैडमिंटन, टेनिस आदि खेल तो नहीं हो रहे हैं। वास्तव में छत्तीसगढ़ में निर्मित किए जा रहे किसी भी इंडोर स्टेडियम का खेल क्षेत्र 130 फुट लंबा, 130 फुट चौड़ा इससे कम नहीं होना चाहिए तथा इस परिसर में जूडो, ताइक्वांडो, तलवाबाजी, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, कुश्ती, जिमनास्टिक्स आदि खेलों के प्रशिक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। अधोसंरचना के निर्माण के साथ प्रशिक्षक, खान पान विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपिस्ट व सहयोगी खेल स्टाफ बहुत जरूरी है। अतः छत्तीसगढ़ में बनने वाले खेल एरेना में जब तक उपरोक्त सुविधा नहीं होगी सिर्फ इंडोर स्टेडियम या खुला स्टेडियम बना लेने का कोई लाभ नहीं।

एक नजर

आयुक्त ने बेतरतीब चौराहों को व्यवस्थित करने के दिए निर्देश

भिलाई, 24 अप्रैल। नेहरू नगर जोन-01 अंतर्गत स्थित शिवाजी चौक मॉडल टाउन, कोहका अंवती बाई चौक एवं स्मृति नगर जनुवानी पेट्रोल पम्प के पास पूर्व से निर्मित चौक पर ट्रैफिक का दबाव ज्यादा रहता है। अक्सर उस रास्ते से स्कूल बस, कार एवं अन्य छोटी-बड़ी गाड़ियां आते-जाते रहती हैं। स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों की मांग है कि उस चौक को यातायात के नियमों के अनुसार व्यवस्थित किया जाए। निर्मित डिवाइडर का चौहद्दी बहुत ज्यादा होने के कारण चौक का अनावश्यक जगह घेर लिया है। जिससे वाहनों के मुड़ने में समस्या होती है और दुर्घटना होने की संभावना भी बनी रहती है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत एवं अन्य अभियंताओ को लेकर मौके पर पहुंचे एवं स्थल निरीक्षण किया। शिव मंदिर मॉडल टाउन के सदस्यों ने सुझाव दिया कि मॉडल टाउन शिवाजी चौक स्थित नाली के उपर स्लैब डालकर और चौड़ा कर दिया जाये। जिससे यातायात सुगम हो जायेगा, बड़ी गाड़ियों को मुड़ने में तकलीफ होता है। अक्सर मोड़ते समय नाली में लोग गिर जाते हैं, इसलिए हम लोग उसमें सीमेंट का पोल लगा दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आने-जाने वाली गाड़ियां कभी-कभी वहां लगी प्रतिमा को क्षतिग्रस्त भी कर देती हैं। हम सब आपसी सहमति से साइड में करवा लेगें, जो सबके लिए अच्छा होगा। इसी प्रकार अंवती बाई चौक का डिवाइडर बहुत लम्बा हो गया है, उसे भी छोटे रूप में व्यवस्थित किया जा सकता है, जिससे आवागमन सुगम हो। जुनवानी पेट्रोल पम्प के पास भी ट्राएंगल शेप में डिवाइडर लम्बा हो गया है, उसे भी व्यवस्थित करने की आवश्यकता है। आयुक्त ने यातायात विभाग से संपर्क करके यातायात नियमों के अनुसार उसे और सुगम सुविधाजनक बनाने के लिए प्रस्ताव हेतु निर्देशित किए हैं। इसे शीघ्र करवा लिया जावे। यह सबके लिए बहुत ही उपयोगी होगा। वहां पर रूककर कुछ देर तक ट्रैफिक व्यवस्था का सब लोगों ने अवलोकन किया कि किस प्रकार से मोड़ते समय आवागमन बाधित हो रहा है। क्या बेहतर विकल्प रहेगा। निरीक्षण के दौरान उप अभियंता बसंत साहू, चंदन निर्मलकर आदि उपस्थित रहे।

एसपी ने अफसरों की बैठक ली

भिलाई, 24 अप्रैल। दुर्ग एसपी विजय अग्रवाल ने रात 9 बजे पुलिस कण्ट्रोल रूम, सेक्टर-06 में सभी अधिकारियों की औपचारिक परिचय के बाद जिले के राजपत्रित अधिकारियों, थाना /चौकी प्रभारियों की बैठक ली। उन्होंने जिले में बेहतर पुलिसिंग के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गए। थाना में आने वाले आमजनों को किसी भी प्रकार से परेशानी न हो उनकी फरियाद को गंभीरता से सुनकर उनका त्वरित निराकरण करने के लिए निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि वे खुद काम करते हैं और काम लेते भी हैं। काम करने को लेकर सभी तैयार रहे एसपी ने अपराधों पर नियंत्रण बनाये रखने, प्रत्येक लंबित अपराधों की समीक्षा कर निराकरण करने, लंबित चालान, मर्ग, शिकायत आदि का त्वरित निराकरण करने, गुण्डा, निगरानी बदमाशों की गतिविधियों की लगातार चेकिंग करने, इन पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने, नये गुण्डा फाइल, निगरानी हिस्ट्रीशीट खोलने, अभियान के अन्तर्गत जो भी लक्ष्य दिया जाएगा उन पर पूरी सक्रियता से कार्यवाही किए जाने, नए कानून की बारीकियों को समझने, सुशासन तिहार के तहत प्राप्त शिकायतों का समय सीमा में निराकरण किए जाने के लिए निर्देशित किया गया।

चिट्टा हेरोइन सप्लाई,3 गिरफ्तार

भिलाई, 24 अप्रैल। भिलाई पंजाब से चिट्टा हेराइन लाकर दुर्ग में सप्लाई करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 74.34 ग्राम चिट्टा हेरोइन नगदी बिक्री रकम 1230 रुपए एवं 03 नग मोबाइल बरामद किया है आरोपियों के विरूद्ध नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है एएसपीअभिषेक झा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि तीन व्यक्ति शिवनाथ नदी महमरा रोडए नगर पालिक निगम कमरा के पास दुर्ग में नशीला चिट्टा हेरोईन जैसा मादक पदार्थ को बेच रहे हैं। सूचना पर टीम ने घेराबंदी कर उक्त व्यक्तियों को पकड़ा गया एवं कड़ाई से पूछताछ की गई। आरोपियों में विशाल सिंह ;36 वर्षद्ध निवासी रिसाली मैत्रीकुंज एवं वीरेन्द्र पारधी उर्फ बीरा 25 वर्ष निवासी पावर हाउस इंदू टेक्नीकल टी मार्केट छावनी एवं अतुल कुमार 25 वर्ष निवासी संतोषी पारा कैम्प.2 के कब्जे से नशीला चिट्टा हेरोइन जैसा मादक पदार्थ कुल बजनी 74.34 ग्राम कीमती करीब 6.14.240 रूपये एवं बिक्री से प्राप्त नगदी रकम 1.230 रूपये व 03 नग मोबाइल को जब्त कर कब्जा में लिया गया पत्रवार्ता में क्राइम डीएसपी द्ध अजय कुमार सिंहए दुर्ग सीएसपी चिराग जैन, दुर्ग सिटी कोतवाली टीआई विजय यादव उपस्थित थे।

बोड़ला ब्लॉक में क्रेशर बंद होने से सड़क निर्माण पर पड़ा असर

कवर्धा, 24 अप्रैल। बोड़ला ब्लॉक में क्रेशर बंद होने के कारण सड़क निर्माण में प्रतिकूल असर पड़ रहा है । प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण में गिट्टी की कमी के कारण तेज गति से सड़क निर्माण नहीं हो पा रही है । ठेकेदारों के माथे पर भी चिंता की लकीरें दिख रही है । नाम पूछने पर कांट्रेक्टर ने कहा की कृप्या नाम मत लिखे लेकिन गिट्टी की कमी से निर्माण में असर पड़ रहा है । लेकिन अधिकारी और कांट्रेक्टर गुणवत्ता पूर्ण निर्माण पर ध्यान दे रहे है जिसकी तारीफ भी हो रही है ।

निर्दोष नागरिकों पर किया गया कायरतापूर्ण आतंकी हमला निंदनीयः मनीराम

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 24 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में बुधवार को कवर्धा में भाजयुमो के जिलाध्यक्ष मनीराम साहू के नेतृत्व में आतंकवाद का पुतला फूंका गया। उपस्थित जनो को संबोधित करते हुए जिला पंचायत के उपाध्यक्ष कैलाश चन्द्रवंशी व नपा अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चन्द्रवंशी ने संयुक्त रूप से कहा कि जिस तरह केन्द्र की मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर शांति व्यवस्था बहाल की थी वह आतंकियों को पनाह देने वाले पाकिस्तान को रास नहीं आ रहा है यही वजह है कि आतंकियों ने कश्मीर में दहशत फैलाने की मंशा से इस नापाक घटना को अंजाम दिया है। जिला भाजयुमो के अध्यक्ष मनीराम साहू ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आर्तकियों द्वारा निर्दोष नागरिकों पर किया गया कायरतापूर्ण हमला अत्यंत निंदनीय है। यह आतंकवादी हमला न सिर्फ कायरता की पराकाष्ठा है, बल्कि मानवता पर भी गहरा आघात है। किसी का धर्म पूछकर उनकी हत्या करना कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होने कहा कि इस पाकिस्तानी आतंकी हमले में 28 लोगों की जान गई है और कई लोग घायल हुए है। जिला भाजयुमो अध्यक्ष मनीराम साहू ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार इस आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए कटिबद्ध है। घटना की जानकारी मिलते ही देश के गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर गौर पहलगाम पहुंचकर घटना की पूरी जानकारी ली है और सुरक्षा ऐजेंसियों के साथ लगातार बैठकें कर आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब देने की रणनीति बनाई जा रही है। वहीं देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पहलगाम हमले की जानकारी मिलने के बाद अपना सऊदी अरब का दौरा बीच में छोड़कर भारत लौट आए हैं तथा 24 अप्रैल को कानपुर का अपना दौरा भी रद्द कर दिया है। निश्चित रूप से केन्द्र सरकार के यह कदम उनकी संवेदनशीलता को स्पष्ट करता है। पुतला दहन कार्यक्रम को भाजयुमो के अन्य पदाधिकारियों ने भी संबोधित करते हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। इस अवसर जिला भाजपा उपाध्यक्ष नितेश अग्रवाल जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी नगरपालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी भा ज यू मो जिला अध्यक्ष मनीराम साहू पवन जायसवाल भाजयुमो प्रदेश मंत्री पीयूष ठाकुर महामंत्री जिला महामंत्री सचिन गुप्ता योगेश चंद्रवंशी अजय ठाकुर मिथिलेश बंजारे नीतीश चंद्रवंशी राजा टाटिया श्रीकांत उपाध्याय दुर्गेश दुबे अनिल साहू अश्विन साहू डोनेशन ठाकुर दुर्गेश अवस्थी सौरभ सिंह दीपक ठाकुर मुकेश सेन कमलेश दुबे सोनू ठाकुर तुषार साहू राकेश साहू कान्हा गुप्ताबड़ी संख्या में भाजयुमो के कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

एनसीसी कैडेटों ने मनाया विश्व पृथ्वी दिवस

भिलाई, 24 अप्रैल। विश्व पृथ्वी दिवस पर कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी ने एनसीसी कैडेटों को इसकी स्थापनाए दिवस के उद्देश्यए महत्वपूर्ण कार्य की रूपरेखा आदि की जानकारी दी। कैडेट हेमालती पटेल ने बताया कि इसकी स्थापना सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने की थी जिन्हें पृथ्वी दिवस के जनक के रूप में भी जाना जाता है। सार्जेंट सोमदत्त ने कहा कि इस वर्ष पृथ्वी दिवस कार्यक्रम की थीम हमारी धरतीए हमारी शक्ति रखी गईए जो इस वर्ष के पृथ्वी दिवस की आधिकारिक थीम भी है। कैडेट प्रेम दिल्लीवार ने सामान्य दिनचर्या के दौरान हम सजग रहकर कैसे धरती को स्वच्छ व सुरक्षित रख सकते हैं ।

संविधान बचाओ यात्रा के संबंध में पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने दुर्ग ग्रामीण विधानसभा के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ली बैठक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 24 अप्रैल। 25 अप्रैल से प्रारंभ होने वाली संविधान बचाओ यात्रा के उद्घाटन समारोह के लिए मिनाक्षी नगर दुर्ग निवास में प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने दुर्गग्रामीण विधानसभा के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ आवश्यक बैठक लिया गया जिसमें संविधान बचाओ यात्रा के संबन्ध में विस्तार के चर्चा की गई. और सभी पदाधिकारी को जवाबदारी सौपी गई। श्री साहू ने बताया की पिछले दिनों हुये अहमदाबाद में पारित प्रस्ताव न्याय पथ संकल्प, समर्पण, संघर्ष पर चर्चा हुई। उन्होंने ने बताया कि कांग्रेस पार्टी ने देश भर में संविधान बचाओ रैली आयोजित करने का भी फैसला किया है। उन्होंने कहा, ''25 से 30 अप्रैल तक अलग-अलग राज्यों में रैली होगी। जिसकी शुरुवात हमारे राज्य के भिलाई में 25 अप्रैल को किया जायेगा। इसके बाद तीन से 10 मई तक जिला स्तर पर ऐसी सभाएं होंगी और फिर 11 से 17 मई तक विधानसभा स्तर पर रैली का आयोजन होगा। इसके बाद 20 से 30 मई तक ÷संविधान बचाओ अभियान को घर-घर तक ले जाया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, महापौर नगर निगम रिसाली शशि सिन्हा, ब्लाक अध्यक्ष प्रदीप चंद्रकार, उपाध्यक्ष श्रम कल्याण मंडल केशव बंटी हरमुख, महामंत्री जीतेन्द्र साहू,ब्लाक अध्यक्ष मुकुंद भाऊ, महामंत्री चंद्रकांत कोरे,अध्यक्ष हस्त शिल्प बोर्ड नंद कुमार सेन, पूर्व जिला पंचायत सदस्य योगिता चन्द्रकार, लक्ष्मी साहू, पूर्व अध्यक्ष जनपद पंचायत दुर्ग देवेंद्र देशमुख, जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, जनपद सदस्य झमित गायकवाड़, टिकेश्वरी लाल, विक्की मिश्रा, हरेंद्र देव, तुलसी देशमुख, देशमुख,पूर्व मंडी सदस्य तारकेश्वर चन्द्रकार,रुपेश देशमुख, सनीर साहू, सोनिया देवांगन, सहित ब्लाक कांग्रेस के सदस्य, जनप्रतिनिधि, नगर निगम रिसाली के पार्षद गण सहित कांग्रेस के वरिष्ठ गण बड़ी संख्या में मौजूद थे।

आतंकवादियों का निर्दोष लोगों पर किया गया हमला घोर निंदनीय

कवर्धा, 24 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत पर बोड़ला जनपद अध्यक्ष बालका रामकिंकर वर्मा ओर पंडरिया जनपद अध्यक्ष नंदिनी राजकुमार साहू ने कहा की आतंकवादियों द्वारा निर्दोष नागरिकों पर किया गया कायरतापूर्ण हमला अत्यंत निंदनीय है ।

उतई, 24 अप्रैल। एसएमएस सीमित द्वार पाटन ब्लॉक के शस्कीय स्कूलों में वाटर फिल्टर एव कूलिंग यूनिट प्रदान की गई। जिस्से छात्र छात्राओ को स्वच्छ और शीतल जल मिल सके इस अवसर पर ग्राम सेलूद के सरपंच बब्लू मार्कंडे, आरिफ सर, लोचन यादव एवम गणमान्य नागरिक छात्र छात्राये उपस्थित थे।

यज्ञ सम्राट सियाराम दास महाराज का हुआ कवर्धा आगमन

कवर्धा, 24 अप्रैल। यज्ञ सम्राट श्री श्री 1008 श्री सियाराम दास जी महाराज का आगमन धर्मनगरी कवर्धा में प्रताप चंद्रवंशी के निवास में आगमन हुआ ओर भी भारी संख्या में श्रद्धालुगण ने यज्ञ सम्राट श्री श्री 1008 श्री सियाराम दास जी महाराज का पांव छूकर आशीर्वाद लिया और श्रद्धालुओं ने नारियल फल चढ़ाकर ओर दीप प्रज्वलित कर पूजा की । और उनके द्वारा आशीर्वचन दिए । स्कूलों, कालेजों में संस्कार युक्त शिक्षा की आवश्यकता है और नशा मुक्त समाज की कल्पना करनी चाहिए । राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ चंद्रशेखर वर्मा नरेंद्र चंद्रवंशी, विश्व हिंदू परिषद कैलाश शर्मा, प्राइवेट स्कूल जिला अध्यक्ष अश्विनी श्रीवास भीषण चंद्रवंशी, पुष्पांजलि चंद्राकर, प्रदीप चंद्राकर, नीलू शर्मा, श्रीमती छेली सुरेंद्र चंद्रवंशी, मंजू चंद्रवंशी, विद्वान, आर्यवीर, आयुष्मान सहित श्रद्धालु ने यज्ञ सम्राट श्री श्री 1008 श्री सियाराम दास जी महाराज का पांव छूकर ओर फल फुल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया ।

श्रद्धांजलि

गृहमंत्री विजय शर्मा ने स्वर्गीय दिनेश मिरानिया को श्रद्धांजलि दी

कवर्धा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में जान गंवाने वाले रायपुर निवासी दिनेश मिरानिया को श्रद्धांजलि दी।

उपमुख्यमंत्री ने स्वर्गीय मिरानिया के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और अंतिम यात्रा में कंधा देकर उन्हें अंतिम विदाई दी।

बिना अनुज्ञप्ति चल रहे ओयो एवं अन्य से निगम ने वसूला 22200 रु जुर्माना

भिलाई, 23 अप्रैल। ऐसी शिकायत मिल रही थी कि ओयो होटल के विभिन्न शाखाओं में साफ-सफाई एवं खाद्य सामग्री ठीक से उपयोग नहीं किया जा रहा है। नगर निगम भिलाई की टीम आज मौके पर निरीक्षण करने गई, तो पता चला ओयो होटल नेचुरल प्वाइंट द्वारा अनुज्ञप्ति लाईसेंस नहीं लिया गया था, दुसरे के नाम पर होटल संचालित किया जा रहा था। जबकि किसी भी व्यवसाय को करने के लिए अनुज्ञप्ति लाइसेंस लेना अनिवार्य होता है। उसके ऊपर कार्यवाही करते हुए 15000 का अर्थदंड लगाया गया और उसे तत्काल नियमानुसार अनुज्ञप्ति लाइसेंस लेने के लिए निर्देशित किया गया। ओयो होटल ब्लू स्काई, कृष होटल में साफ-सफाई मानक के अनुसार नहीं पाये जाने पर 6000 रुपये का चालानी कार्यवाही की गई। संबंधित को चेतावनी दी गई की जो भी सामान का उपयोग करें, वह ताजा हो। पहले से कटी हुई बासी सब्जी कई दिनो का बना हुआ पेस्ट, आटा, टमाटर, धनिया, मिर्चा, शिमला मिर्च का उपयोग बंद करें।

हर घर पोषण,देश रोशन के संकल्प के साथ पोषण पखवाड़ा का समापन

कवर्धा, 24 अप्रैल । महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 8 से 22 अप्रैल तक आयोजित पोषण पखवाड़ा का समापन समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष, जिला पंचायत ईश्वरी साहू, उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, पार्षद दीपक सिन्हा, श्रीमती मनीषा साहू, श्रीमती किरण सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के सदस्यों की उपस्थिति रही। अध्यक्ष जिला पंचायत ईश्वरी साहू ने अपने संबोधन में कहा कि एक सुपोषित बच्चा ही कल का सशक्त नागरिक होता है। हमें मिलकर कुपोषण के विरुद्ध जन आंदोलन खड़ा करना होगा। उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी ने महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए जनप्रतिनिधियों से योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। पवन जायसवाल, श्रीमती मनीषा साहू व अन्य वक्ताओं ने भी पोषण और जनजागरूकता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। जिला कार्यक्रम अधिकारी आनंद कुमार तिवारी ने बताया कि पूरे पखवाड़े में पोषण रैली, जागरूकता सत्र, स्वास्थ्य जांच शिविर, और पोषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। समारोह में विशिष्ट अतिथियों का सम्मान किया गया तथा पोषण अभियान में योगदान देने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय सहभागियों की प्रशंसा की गई। सुश्री नितिका डडसेना द्वारा उपस्थित जनों को पोषण शपथ दिलाई गई। परियोजना अधिकारी श्रीमती कृतिका सिंह ने समापन भाषण में कहा कि पोषण कोई एक दिन का विषय नहीं है, यह एक सतत प्रयास है जिसे हमें अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। संचालन श्रीमती संगीता साहू (ब्लॉक क्रीड़ा प्रभारी) ने किया। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी दशरंगपुर श्रीमती विवेका हैरिस, जिला बाल संरक्षण अधिकारी सत्यनारायण राठौर, श्रीमती सरोज शर्मा पर्यवेक्षक महिला बाल विकास विभाग कवर्धा, सुश्री नीतिका डड़सेना संरक्षण अधिकारी नवा बिहान, सुश्री क्रांति साहू संरक्षण अधिकारी संस्थागत, राजाराम चंद्रवंशी संरक्षण अधिकारी गैर संस्थागत, महेश निर्मलकर कार्यक्रम समन्वयक चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, श्रीमती मनीषा चंद्रवंशी, श्रीमती राजकुमारी मागरे सुश्री मोनिका दुबे, श्रीमती उषा मिश्रा, श्रीमती शतरूपा सोनी, पर्यवेक्षक श्रीमती परमेश्वरी धुर्वे सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश साहू, सामाजिक कार्यकर्ता, अविनाश ठाकुर परामर्शदाता, रामलाल पटेल, सुश्री आरती यादव, श्रीमती श्याम धुर्वे, श्रीमती सरिता साहू परामर्शदाता, विनय कुमार जंघेल आउटरीच वर्कर, श्रीमती उषा मिश्रा पर्वेक्षक, श्रीमती मधु भट्ट, कवर्धा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं सहायिकाएं साथ ही समापन समारोह में सैकड़ों की संख्या में महिलाएँ, बच्चे, युवा, जनप्रतिनिधि व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आतंकवादियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा : प्रेमप्रकाश

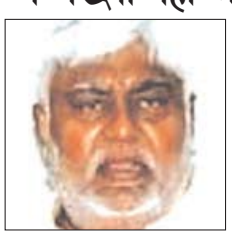

भिलाई, 24 अप्रैल। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने जम्मू.कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। साथ ही उन्होंने कहा कि वहां फंसे छत्तीसगढ़ के 65 पर्यटकों को वे विश्वास दिलाना चाहते हैं कि डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। हमारी सुरक्षा सेनाएँ पूरी मुस्तैदी से मोर्चा संभाल चुकी हैं। घटना में जो क्षति हुई हैए उसकी भरपाई संभव नहींए लेकिन आतंकवादियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पूरे घटनाक्रम की निगरानी की जा रही है और ठोस रणनीति पर काम हो रहा है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और राज्य सरकार लगातार प्रयासरत हैं कि फंसे हुए सभी लोग सकुशल घर लौट सकें। मैं सभी से अपील करता हूँ कि थोड़ा धैर्य और साहस बनाए रखें। पाण्डेय ने कहा कि रायपुर निवासी स्टील कारोबारी दिनेश मिरानीया की दुखद मृत्यु सभी के लिए गहरा आघात है। इस हादसे में शहीद हुए समस्त पर्यटकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित प्रेमप्रकाश पांडेय ने ईश्वर से प्रार्थना किया है कि दिवंगत आत्माओं को शांति मिले और शोकाकुल परिवारों को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्राप्त हो।

सर्व ब्राह्मण समाज ने किया कलेक्टर ऑफिस में विरोध प्रदर्शन

भिलाई, 24 अप्रैल। राष्ट्रीय सर्व ब्राह्मण समाज भिलाई दुर्ग द्वारा मुंबई के फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप द्वारा ब्राह्मण समाज के लिए आपत्ति जनक टिप्पणी को लेकर राष्ट्रीय महासचिव शशिकांत तिवारी के नेतृत्व में कलेक्टर ऑफिस दुर्ग में विरोध प्रदर्शन किया गया एवं एडिशनल कलेक्टर श्रीमती एस थॉमस को एक ज्ञापन देश के गृहमंत्री अमित शाह के नाम का सौंपा गया और कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। सिटी कोतवाली दुर्ग नगर निरीक्षक को भी ज्ञापन सौंपा और एफआई आर दर्ज भी कराया गया। इस अवसर पर सरयूपारीण ब्राम्हण समाजए कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाजए छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाजए गौड़ ब्राह्मण समाजए राजस्थानी ब्राह्मण समाजए पंजाबी ब्राह्मण समाजए मैथिल ब्राह्मण समाजए सनाढ्य ब्राह्मण समाजए ओड़िया ब्राह्मण समाजए बंगाली ब्राह्मण समाजएसहित समस्त ब्राह्मण समाज के सदस्य गण विरोध प्रदर्शन किया और कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। राष्ट्रीय महासचिव शशिकांत तिवारी ने संबोधित करते हुए कहा कि फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप द्वारा जो ब्राह्मण समाज के प्रति आपत्तिजनक बात कही उससे पूरे देश का ब्राह्मण समाज की भावना को लेकर काफी आहत है। ब्राह्मण समाज सदैव सब समाज को साथ लेकर चलने का भाव सदैव रखता है इनका यह बयान यह दर्शाता हे कि ये कितना घृणा रखते हैंए इनका निम्न स्तरीय बयान संपूर्ण सनातनी और ब्राह्मण समाज की भावना को ठेस पहुंचाने वाला है ऐसे गैर जिम्मेदाराना और जातिगत वैमनस्यता फैलाने वाली टिप्पणी अत्यंत निंदनीय है। इस अवसर पर संभागीय अध्यक्ष सुरेंद्र शर्माए राकेश शुक्ला प्रदेश सचिवए संभागीय महासचिव दीपक मिश्राए अजय शर्माए सचिव राजस्थानी ब्राह्मण समाजए भिलाई अध्यक्ष लक्ष्मीकांत तिवारीए विजय शर्माए अध्यक्ष गौड़ ब्राह्मण समाजए विनोद शारदा अध्यक्ष पंजाबी ब्राह्मण समाजए पीयूष मिश्रा पार्षद भिलाई नगर निगमए बृजमोहन तिवारीए राजेश शर्माए मृदुला शुक्ला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठए दिनेश मिश्रए सुभाष चंद्र तिवारीए चंद्र शेखर पांडेएरामफल शर्माए ज्योति शर्माए श्याम कुमार तिवारीए सुमित शर्माए नरेश चौरेए प्रीति राहुल दुबेए रामविलास मिश्रए योगेश ठाकुरए शुभम ओझाए श्रवण शुक्लाए अनिल शुक्लाए मोहन शुक्लाए मयंक शर्माए अजय महाराजए रामेश्वर प्रसाद शर्माए प्रदीप भट्टाचार्यए राकेश शर्माए रवि शर्माए लोकेश शुक्लाए अभिषेक अवस्थीए सुनील मिश्रए लक्ष्मी नारायण दुबेए तुलेश्वर तिवारी, राकेश दुबेए हेमंत तिवारी, संजय बाजपेई, आलोक शुक्ला, शैलकिरण शुक्लाए रूपेश शर्मा, दौलत जोशीए वीणा दुबेए संतोष पांडेए सहित अन्य ब्राह्मण समाज के सदस्य

गौतम सील की चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन

भिलाई, 24 अप्रैल। सेल.भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालितए इंदिरा प्लेसए सिविक सेंटर स्थित नेहरू आर्ट गैलरी में 24 अप्रैल को स्थानीय चित्रकार गौतम सील की चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया है।

निधन

प्रेमवती गुप्ता

भिलाई, 24 अप्रैल। अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार गुप्ता की माताजी श्रीमति प्रेमवती गुप्ता का स्वर्गवास गया है। जिनका अंतिम संस्कार 24 अप्रैल को शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में सुबह 11 बजे किया गया।

एक नजर

25 अप्रैल से 15 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश

राजनांदगांव 24 अप्रैल। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा वर्तमान में प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी एवं लू के कारण छात्रों के स्वास्थ्य पर पडऩे वाले प्रतिकूल प्रभाव की आशंका को दृष्टिगत रखते हुए शासकीय, अनुदान प्राप्त, गैर अनुदान प्राप्त शालाओं हेतु घोषित ग्रीष्मकालीन अवकाश में आंशिक संशोधन करते हुए 25 अप्रैल से 15 जून 2025 तक ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया है।

आवेदकों को मिला श्रम पंजीयन कार्ड

धमतरी 24 अप्रैल। मुख्यमंत्री साय के सुशासन से प्रदेशवासियों का विश्वास मजबूत हुआ है। इसी विश्वास और आस के साथ लोग बड़ी संख्या में सुशासन तिहार में अपनी समस्या-शिकायतों को शासन-प्रशासन के सामने रखा। श्रम पदाधिकारी धमतरी ने आज सुशासन तिहार में अपना आवेदन देने वाले 4 हितग्राहियों श्री लोकेश्वर, रामहीन बाई और दसरी बाई ग्राम रींवागहन, श्री विजय कुमार ग्राम जालमपुर वार्ड द्वारा शासन की महत्वकांक्षी योजनाओं के लाभ प्राप्त किये जाने हेतु श्रम पंजीयन कार्ड बनाये जाने मांग की गयी थी, जिस पर कार्यवाही करते हुए श्रम विभाग द्वारा जाँच कर तत्काल पंजीयन किया गया है। साथ ही उन्हें श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं और पात्रता संबंधी जानकारी भी दी गई, जिससे वे योजनाओं का लाभ ले सकें। श्रम विभाग द्वारा महतारी जतन, छात्रवृत्ति, नोनी सशक्तिकरण, मृत्यु पर परिवार को सहायता, सियान योजना, पेंशन योजना, साइकिल, सिलाई मशीन तथा अन्य उपकरण प्रदान करने से संबंधित अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। श्रमिक पंजीयन कराकर पात्र हितग्राही इनका लाभ ले सकते हैं। सुशासन तिहार के इस आयोजन के लिए वे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहते है कि श्रमिक कार्ड बनने से अब उन्हें श्रम विभाग से

आरडीए के अध्यक्ष ने आवास योजना बोरियाखुर्द में ठेकेदार को सफाई व्यवस्था सुधारने को कहा

रायपुर, 24 अप्रैल। रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री नन्दकुमार साहू ने आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी आवास योजना बोरियाखुर्द के सफाई ठेकेदार विकास शर्मा के प्रतिनिधि पवन बघेल को सफाई व्यवस्था दुरस्त करने के लिए एक माह का समय दिया है। उन्होंने कहा कि यदि एक माह में सफाई व्यवस्था ठीक नहीं होती है तो प्राधिकरण व्दारा सफाई का ठेका कार्य निरस्त कर दूसरी व्यवस्था की जाएगी। श्री साहू प्राधिकरण के अध्यक्ष बनने के बाद आज पहली बार प्राधिकरण की योजनाओं की जानकारी लेने बोरियाखुर्द और इन्द्रप्रस्थ रायपुरा गए थे। अधिकारियों के साथ गए आरडीए अध्यक्ष श्री साहू ने बोरियाखुर्द योजना के डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी आवास योजना पहुंचने पर निवासियों व्दारा सफाई ठेकेदार की शिकायत की और कहा कि सफाई ठेकेदार व्दारा पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मचारियों नहीं भेजने के कारण फ्लैट्स के आसपास कचरा फैला रहता है। इस अवसर पर पार्षद श्रीमती सुषमा साहू पार्षद प्रतिनिधि श्री तिलक साहू उपस्थित थे।

जनजातीय उद्यमी एवं स्टार्टअप सम्मलेलन 25 अप्रैल को छिपली में

धमतरी 24 अप्रैल। आदिवासी युवाओं को उद्यम से जोड़ने और उनके सपनों को पूरा करने में सहयोग करने के लिए जिला प्रशासन की पहल पर एक दिवसीय जनजातीय उद्यमी एवं स्टार्टअप सम्मेलन का आयोजन 25 अप्रैल को किया जा रहा है।सुबह 10 बजे से नगरी ब्लॉक के सुखराम नागे शासकीय महाविद्यालय छिपली में आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओ को प्रेरित करने हेतु जनजातीय उद्यमियों की सफलाता की कहानियां, ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में स्टार्टअप के विचारों, पूंजीकरण प्रक्रिया एवं संस्थागत सहयोग, सरकारी योजनाओं एवं फडिंग, मुख्यमंत्री रोजगार योजना, जनजातीय उद्यमी योजना, पीएमएफएमई, मुद्रा, स्केलिंग अप एवं मार्केट लिंकेज, ई कामर्स, डिजिटल भुगतान, ब्रांडिंग की विस्तृत जानकारी दी जायेगी। साथ ही स्थानीय युवाओं की अपेक्षाएं एवं सुझाव आमंत्रित किये जायेंगे।

1245 करोड़ रुपये की लागत से इस्पात संयंत्र लगाएगा ग्रीनटेक सोल्युशंस

- साय सरकार की नई औद्योगिक नीति ने किया प्रेरित
- 500 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने

रायपुर, 24 अप्रैल। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज मुंबई में ग्रीनटेक सोल्युशंस के निदेशक एम. प्रसाद रेड्डी ने मुलाकात की। इस दौरान श्री रेड्डी ने राज्य में 1245 करोड़ रुपये की लागत से एक एकीकृत इस्पात संयंत्र स्थापित करने की योजना प्रस्तुत की, जिससे 500 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। ग्रीनटेक सोल्युशंस हरित प्रौद्योगिकियों के माध्यम से लागत-प्रभावी और टिकाऊ औद्योगिक समाधान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री रेड्डी ने बताया कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति 2024-30 ने कंपनी को प्रदेश में निवेश के लिए प्रेरित किया है। मुख्यमंत्री साय ने राज्य में निवेशकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं–जैसे सिंगल विंडो क्लीयरेंस, उद्योग अनुकूल अधोसंरचना, और हरित औद्योगिक प्रोत्साहनों–की जानकारी दी और ग्रीनटेक सोल्युशंस के प्रस्ताव का स्वागत किया।

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और गणित का प्रशिक्षण लेने पुणे जाएंगे पीएमश्री स्कूल के शिक्षक

छुरिया, 24 अप्रैल। राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित संस्थानों में शिक्षकों के कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत तृतीय और चतुर्थ चरण में चयनित पीएमश्री विद्यालयों से 132 व्याख्याता भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान पुणे में आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला में सहभागिता देंगे। यह कार्यशाला राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा द्वारा पीएमश्री योजना के अंतर्गत, शिक्षकों की गणित, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी में क्षमता विकास हेतु आयोजित है। कार्यशाला में आशीष गौतम, पीएमश्री समन्वयक छत्तीसगढ़, के नेतृत्व में 132 व्याख्याताओं की टीम 25 अप्रैल को पुणे प्रस्थान करेगी। कार्यशाला में विज्ञान के विभिन्न विषयों पर संस्थान के वैज्ञानिकों व विषय विशेषज्ञों द्वारा चर्चा व क्रियाकलाप संपादित होंगे। कार्यशाला में भाग लेने वाले व्याख्याताओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। दुर्ग संभाग से राजनांदगांव पीएमश्री सेजेस स्कूलों के अलग-अलग विषयों के व्याख्याताओं का चयन स्टेम यानी साइंस प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग एवं गणित विषयों के प्रशिक्षण के लिए किया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित संस्थानों में शिक्षकों के कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत तृतीय व चतुर्थ चरण में चयनित पीएमश्री विद्यालयों से 132 व्याख्याता भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान पुणे में आयोजित 5 दिवसीय कार्यशाला में सहभागिता देंगे। इसमें जिले के 4 व्याख्याताओं का चयन किया गया है। इनमें राजनांदगांव जिला से श्रीमती लेखा साहू व्याख्याता जीव विज्ञान पीएमश्री राजनादगांव, श्रीमती पूजा भार्गव व्याख्याता जीव विज्ञान पीएमश्री डोंगरगढ़ निखिलेश जंबुलकर व्याख्याता रसायन पीएमश्री छुरिया, संदीप कुमार वर्मा व्याख्याता गणित पीएमश्री डोंगरगांव

इन सभी के चयन पर -जिला शिक्षा अधिकारी सह जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा, राजनांदगांव व उनके विद्यालयों के प्राचार्य एवं स्टाफ ने हर्ष व्यक्त किया है.

स्वास्थ्य विभाग ने किया 148 आवेदनों का निराकरण

राजनांदगांव 24 अप्रैल। शासन के निर्देशानुसार जिले में सुशासन तिहार 2025 का क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि सुशासन तिहार अंतर्गत प्रथम चरण में स्वास्थ्य विभाग को मांगों से संबंधित 393 एवं शिकायत से संबंधित 12 आवेदन प्राप्त हुए है। जिसका प्रभावी ढंग से नियमानुसार निराकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न मांगों से संबंधित कुल 148 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। साथ ही शासन द्वारा संचालित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी स्तरों पर व्यापक प्रचार-प्रसार कर हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है।

अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केन्द्र की शुरू, ग्रामीण को मिलेगा लाभ

छुरिया, 24 अप्रैल। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव ग्राम भोलापुर में अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केन्द्र के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव ने कहा कि कहा कि छत्तीसगढ़ की भाजपा नेतृत्व वाली विष्णु देव साय की सरकार ने मोदी की एक और गारंटी को पूरा करते हुए छत्तीसगढ़ में अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केन्द्र की शुरुआत की है। जिससे ग्रामीणों को एक छत के नीचे सभी प्रकार के डिजिटल सुविधा मिलेगी साथ ही नगद अहरण की सहूलियत मिलने वाली है.श्रीमती वैष्णव ने कहा कि अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र% के तहत नकद भुगतान, डिजिटल सेवाएं और अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी. अब लोगों को नकद लेन-देन, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी सेवाओं के लिए ब्लॉक या जिला मुख्यालय नहीं जाना पड़ेगा. राजनांदगांव जिले में यह सुविधा 40 पंचायत को दी जाएगी. इस योजना के तहत ग्रामीण आसानी से अपने खातों से पैसा निकाल सकेंगे अपने और दूसरे के खातों में पैसा जमा कर सकेंगे. बिजली पानी बिल का भुगतान कर सकेंगे. पेंशन और बिमा सुविधाओं के तहत भी पैसे प्राप्त कर सकेंगे. छत्तीसगढ़ की पालनहारी विष्णु देव साय की सरकार हर वर्ग के लिए बेहतर कार्य कर रही है। आज हमारा देश आत्मनिर्भर बन रहा है।उसके साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य भी विकास की ओर अग्रसर है।मैं माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी व पूरे मंत्री मंडल के प्रति आभार व्यक्त करती हूं। छुरिया ब्लॉक के ग्राम डिजिटल पंचायत की सुरुवात एक साथ छुरिया विकास खंड के भोलापुर, आयबांधा, आतरगांव, बम्हनी चारभाठा, चांदो, चिरचारी कला, दामाबंजारी, घोटिया, जोशीलमती हुआ है।

आबकारी अमले ने 3.60 लीटर गोवा, 10 लीटर कच्ची शराब,50 किलो महुआ लाहन किया जब्त

- आबकारी विभाग की कार्रवाई

राजनांदगांव 24 अप्रैल। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे के निर्देशानुसार जिले में अवैध शराब विक्रेताओं, परिवहनकर्ताओं एवं कोचियों के विरूद्ध लगातार धर-पकड़ अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। सहायक आयुक्त आबकारी श्री यदुनंदन राठौर ने बताया कि आबकारी उप निरीक्षक वृत्त डोंगरगढ़ श्री अनिल सिंह, आबकारी मुख्य आरक्षक श्री लाल सिंह राजपूत व श्री भोजराज उइके के दल द्वारा डोंगरगढ़ के पलांदूर मोहारा क्षेत्र में देवानंद वर्मा के कब्जे से 3.600 बल्क लीटर मध्यप्रदेश निर्मित विदेशी मदिरा गोवा जप्त किया गया। आबकारी अधिनियम की धारा के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जमानत पर छोड़ा गया। इसी प्रकार आबकारी उप निरीक्षक वृत्त राजनांदगांव ग्रामीण श्रीमती तुलेश्वरी देवांगन एवं मुख्य आरक्षक श्री मिलाप मण्डावी, श्री किशोरी कोर्राम, श्री दीपक सिन्हा के दल ने पथरा नवागांव नाला के पास अज्ञात 10 बल्क लीटर हाथ भट्ठी कच्ची शराब, लगभग 50 किलोग्राम महुआ लाहन एवं निर्माण सामग्री आबकारी अधिनियम की धारा के तहत जप्त किया गया। अवैध मदिरा विक्रय की रोकथाम हेतु होटल ढाबों एवं मदिरा दुकानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। सहायक आयुक्त आबकारी द्वारा सभी वृत्त प्रभारियों को होटल ढाबों की नियमित जांच और अवैध मदिरा विक्रय के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये है।

शहीद अरुण केशव सप्रे को जयंती पर दी गई श्रध्दांजलि

रायपुर, 24 अप्रैल। आज भारतीय वायुसेना के स्क्वाड्रन लीडर टेस्टिंग पायलट रायपुर निवासी शहीद अरुण केशव सप्रे को उनकी 90वीं जयन्ती पर उन्हें सादर नमन करने रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में जोन क्रमांक 4 के सहयोग से नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के चतुर्थ तल पर स्थित नगर निगम सामान्य सभा सभागार में शहीद के तैल चित्र के समक्ष संक्षिप्त पुष्पांजलि आयोजन रखा गया. राजधानी की प्रथम नागरिक रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चैबे ने रायपुर निवासी शहीद अरुण केशव सप्रे को आज उनकी 90वीं जयन्ती पर समस्त राजधानीवासियों की ओर से सादर नमन कर आदरांजलि अर्पित की.

अविनाश केपिटल होम्स फेस-2 कालोनी में पहलगाम में मारे गए पर्यटकों को दी गई श्रध्दांजलि

भारत के उभरते प्रभावशाली नेतृत्व से कुपित देशों की चाल है पहलगाम कांडः मसन्द

रायपुर, 24 अप्रैल। भारत के उभरते प्रभावशाली नेतृत्व व प्रगति से कुपित देशों की षड्यंत्रकारी चाल है पहलगाम। ये विचार 23 अप्रैल को स्थानीय सड्डू विधानसभा रोड स्थित अविनाश कैपिटल होम्स फेस दो कालोनी में कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा भारत के हिन्दू पर्यटकों की चुन-चुनकर की गई जघन्य हत्या में मृतक लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने आयोजित शोकसभा में कालोनी निवासी परम धर्म संसद 1008 के संगठन मंत्री, मसन्द सेवाश्रम के पीठाधीश प्रख्यात देशभक्त संत साईं जलकुमार मसन्द साहिब ने श्रद्धांजलि सभा के प्रमुख वक्ता के तौर पर व्यक्त किए।

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन फ्लैट समिति की लोकप्रिय उपाध्यक्ष श्रीमती विद्या घोंगड़े एवं पत्रकार व वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता प्रभाकर श्रीवास्तव के संयुक्त संयोजन में किया गया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व सैनिक व कुशल वक्ता मिर्जा शफी अहमद ने किया। कालोनी के फ्लैट व स्वतंत्र आवासों से सम्बंधित समितियों, वरिष्ठ नागरिकों की समिति, मंदिर समिति, ईद मिलन समारोह समिति आदि विभिन्न संगठनों के प्रमुख पदाधिकारियों सहित सैकड़ों की

संख्या में कालोनी के हर समाज के पुरुष व महिला निवासियों ने श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर मृतक लोगों की स्मृति में मोमबत्तियां जलाकर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। साईं मसन्द साहिब ने कहा कि भारत के नागरिकों को अब ऐसी श्रद्धांजलि सभाओं में मृतक लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने मात्र मोमबत्तियां जलाने के कर्तव्य तक सीमित न रहकर भारत के विरुद्ध ऐसे षड्यंत्रों की तह में जाकर उसके निराकरण के स्थायी उपायों पर चर्चा भी करना चाहिए। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि युगों से धन-धान्य से परिपूर्ण सोने की चिड़िया कहलाने वाला भारत सारे संसार का कल्याण करने में समर्थ अपने सनातन ज्ञान के आधार पर विश्वगुरु की भूमिका निभाने के बावजूद आजादी से पहले और आजादी के बाद भी दुनिया के अनेक स्वार्थी देशों की लूट और षड्यंत्रों का शिकार बनता रहा है। इस तारतम्य में उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत के नागरिकों को यह बात कभी नहीं भूलाना चाहिए कि लोकमान्य बालगंगाधर तिलक, महर्षि अरविन्द आदि देश की आजादी के पुरोधाओं द्वारा स्पष्ट किया गया था कि हम भारत को इस लिए आज़ाद कराना चाहते हैं कि हमारा भारत विश्व का कल्याण कर सकने वाली विश्वगुरु की अपनी पूर्ववर्ती भूमिका पुनः निभा सके, जिसे हम एक परतंत्र देश के रूप में नहीं निभा सकते। उन्होंने बताया कि कुछ वर्षों से भारत के पूज्यपाद चारों शंकराचार्यों के नेतृत्व व मार्गदर्शन में दुनिया के 108 देशों में कार्यरत उनका अंतर्राष्ट्रीय संगठन परम धर्म संसद 1008 इस दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

समाचार संक्षेप

वन विभाग के डीएफओ सहित 5 अधिकारियों की शिकायत लोक आयोग में

नगरी, 24 अप्रैल। उदंती सीता नदी टाईगर रिजर्व के अर्सीकन्हार वन परिक्षेत्र में वन कर्मचारियों के लिए बनाए जा रहे 17 नग आवासीय भवन का मामला लोक आयोग पहुंच गया है,इस भवन की स्वीकृति वर्ष 2020.21 में हुई और इसके लिए 95 लाख का बजट मुहैया कराया गया था, लेकिन आज तक भवन का निर्माण पूर्ण नहीं हुआ है, निर्माणाधीन आवासीय भवन विगत चार वर्षों से अधूरा पडा है, पत्रकार उत्तम साहू के द्वारा मामले की शिकायत लोक आयोग में किया गया है जिस पर आयोग ने संज्ञान लेकर वन विभाग के अपर सचिव को पूरे मामले की जांच कर दिनांक 8.5.2025 के पूर्व प्रतिवेदन देने को कहा है।

- आयोग ने अपर सचिव छग शासन को 8 मई तक जांच कर प्रतिवेदन देने कहा
- मामला अर्सीकन्हार परिक्षेत्र में अधूरे पड़े 17 नग आवासीय भवन का

शिकायतकर्ता ने जांच में लीपापोती करने की आंशका जाहिर करते हुए मांग किया है कि जांच के दौरान मेरी भी उपस्थिती सुनिश्चित किया जाए ताकि जांच निष्पक्ष हो सके। नगरी उदन्ती सीतानदी टायगर रिजर्व गरियाबंद के उपनिदेशक वरुण जैन, एसडीओ जगदीश प्रसाद दर्रो, एसडीओ गोपाल कश्यप,अर्सीकन्हार परिक्षेत्र के तत्कालीन रेंजर देवदत्त तारम, उदंती सीता नदी टाईगर रिजर्व के अरसीकन्हार परिक्षेत्र के अंतर्गत कैंपा मद से लगभग 1 करोड की लागत से वन कर्मचारियों के लिए 17 नग आवासीय भवन का निर्माण करना था लेकिन चार वर्ष के बाद भी यह निर्माण कार्य आज तक पूरा नहीं हुआ है। इस कार्य में लगे दर्जन भर से अधिक मजदूरों को आज तक मजदूरी नहीं मिली है, इन अधिकारियों के संरक्षण में जमकर भ्रष्टाचार किया गया है।

पोषण मार्गदर्शिका पर प्रशिक्षण एवं बैठक सह कार्यशाला का हुआ आयोजन

राजनांदगांव 24 अप्रैल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत सभाकक्ष में पोषण मार्गदर्शिका पर प्रशिक्षण एवं आवश्यक जानकारी देने हेतु बैठक सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के समन्वय से ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य तथा पोषण पर विस्तृत जानकारी देने के लिए पोषण मार्गदर्शिका तैयार किया गया है। उन्होंने सामुदायिक संवर्गों, अधिकारी व कर्मचारियों को पोषण मार्गदर्शिका का समुचित उपयोग कर जिले अंतर्गत ग्रामीण गर्भवती महिलाओं, नवविवाहित महिलाओं, माताओं तथा बच्चों के सुपोषण के संबंध में जानकारी लेते हुए सुपोषण हेतु चलाये जा रहे अभियान एवं कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत ने एनआरएलएम तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को पोषण मार्गदर्शिका के सभी अध्यायों पर आवश्यक जानकारी सह प्रशिक्षण प्रदान करने कहा। उन्होंने पोषण मार्गदर्शिका का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में स्वसहायता समूहों तथा ग्राम संगठनों की बैठक एवं पालक व परिवार चौपाल में वाचन कर जानकारी प्रदान करते हुए जागरूक करने के लिए निर्देशित किया। बैठक सह कार्यशाला में न्यूट्रिशन अधिकारी श्री महेंद्र प्रजापति द्वारा विस्तारपूर्वक महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, खान-पान तथा पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदाय की गई। इस दौरान जिला पंचायत राजनांदगांव द्वारा एनआरएलएम के सामुदायिक संवर्गों, आंगनबाड़ी पर्यवेक्षकों को पोषण मार्गदर्शिका का वितरण किया गया। बैठक सह कार्यशाला में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमत गुरप्रीत कौर, यूनिसेफ राज्य कार्यालय रायपुर के न्यूट्रिशन ऑफिसर (पोषण अधिकारी) श्री महेंद्र प्रजापति, एनआरएलएम जिला पंचायत से जिला मिशन प्रबंधक श्री पिनाकी डेसरकार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री देवेंद्र सेन एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दस साल पुरानी किस्मों के स्थान पर नई किस्मों को करें प्रमोटः निगार

धमतरी 24 अप्रैल। कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार ने आज धमतरी कलेक्टोरेट सभाकक्ष में संभाग स्तरीय बैठक में विगत रबी मौसम की उपलब्धियों और आगामी खरीफ मौसम की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बैठक में आगामी खरीफ मौसम में पिछले दस वर्षों से लगाई जा रही फसलों की किस्मों के स्थान पर नई किस्मों को प्रमोट करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने समय पर बीज, खाद, दवा आदि कृषि आदानों के नमूने लेकर उन्हें जांच के लिए भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने अमानक नमूनों की स्थिति में केवल लायसेंस निरस्तीकरण या निलंबन और अमानक सामग्री को बेचने से रोक लगाने के अलावा ऐसे दुकानदारों और निर्माता कम्पनियों के विरूद्ध वस्तु अधिनियम और अन्य नियमों के आधार पर दण्डात्मक कार्रवाई करने के भी निर्देश कृषि विभाग के अधिकारियों को दिए। श्रीमती निगार ने कहा कि अभी सभी समितियों और भण्डारग्रहों में बीज, खाद, दवाई खरीफ में उपयोग के लिए रखी जा रही है। उन्होंने समय पर इनके नमूने लेकर जांच के लिए भेजने के निर्देश दिए, ताकि जांच के परिणाम सामग्रियों का किसानों को वितरण होने से पहले प्राप्त हो जाएं। इस बैठक में रायपुर संभाग के संभाग आयुक्त श्री महादेव कावरे, सभी पांच जिलों-रायपुर, धमतरी, बलौदाबाजार, महासमुंद और गरियाबंद के कलेक्टर, जिला पंचायत के सीईओ, कृषि विभाग के अधिकारियों सहित कृषि, पशु पालन, मछलीपालन, उद्यानिकी और कृषि विश्वविद्यालय के रिसर्च संचालक भी मौजूद रहे। बैठक में राज्य बीज निगम, सहकारी विपणन संघ, जलग्रहण प्रबंधन एजेंसी, कृषि विपणन बोर्ड और उद्यानिकी महाविद्यालय के प्रबंध संचालक भी शामिल हुए। समीक्षा बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त ने जिलेवार आगामी खरीफ कार्यक्रम और कृषि तथा उसके सहयोगी विभागों की योजनाओं की जानकारी कलेक्टरों के माध्यम से ली। उन्होंने आगामी खरीफ में बीज उत्पादन कार्यक्रम के लिए नई फसल किस्मों का चयन करने के निर्देश दिए। एपीसी ने कहा कि एक ही तरह की फसलों को लगातार बोने से कीट व्याधि की समस्या बढ़ जाती है। साथ ही उत्पादन भी कम होता है। इसके साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी कम होती जाती है। एपीसी ने इन समस्याओं से निपटने के लिए ज्यादा से ज्यादा नई किस्मों की खेती कराने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने को कहा।

- अमानक बीज-खाद, दवाई के मामलों में दण्डात्मक कार्रवाई भी की जाए
- सुशासन समाधान शिविरों में शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार और आवेदन लेने की भी हो व्यवस्था

संपादकीय

अपनी असफलता छिपाने का प्रयास है यह तो

सही मायने में नेता तो वही होता है जो अपनी असफलता स्वीकारता है और उसके कारण को जानने का प्रयास करता है और फिर से सफलता के लिए मैदान में उतरता है। जनता उसे तो सही नेता नहीं मानती है जो अपनी असफलता स्वीकार नहीं करता है,वह पूरी बेशर्मी से कहता है कि हमको तो साजिश कर हराया गया है, हम हारने वाले नहीं है, हमको तो हराया जाता है,90 चुनाव हम हारे नहीं हमको हराया गया है। देश के लोग तो जानते हैं कि राहुल गांधी और कांग्रेस चुनाव क्यों हार जाते हैं, जानने को तो राहुल गाांधी व कांग्रेस के नेता भी जानते हैं कि उनकी हार के एक नहीं कई कारण है। लेकिन वह स्वीकारते नही हैं क्योंकि इससे उनका नेतृत्व का राजनीतिक कद छोटा होता है। उसकी असफलता चर्चा का विषय बनती है। हार जितनी बुरी होती है, उतना ही उसे नकारने का प्रयास किया जाता है। कई तरह के सवाल कर चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को कम करने का प्रयास किया जाता है।राहुल गांधी जब भी देश से बाहर विदेश जाते हैं तो वह देश की संवैधानिक संस्थाओं की साख पर सवालिया निशान लगाते हैं, वह कहते हैं कि देश में लोकतंत्र नहीं बचा है आरएसएस ने सभी संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है। सभी संवैधानिक संस्थाओं ने समझौता कर लिया है। वह वैसा ही करती है, जैसा आरएसएस व भाजपा चाहते हैं। इस बार अमरीका के बोस्टन में उन्होंने फिर एक चुनाव आयोग को सवालों के कटघरें में खड़ा करने का प्रयास किया लेकिन बुरी तरह असफल रहे। वह चुनाव आयोग को पक्षपात करने वाला बताना चाहते हैं, गड़बड़ी करने वाला बताना चाहते हैं तो ठोस सबूत तो होने चाहिए। कोई तथ्य तो होना चाहिए कि जिसे जानकर लोगों को लगे कि राहुल गांधी सच कह रहे हैं। बिना तथ्य के राहुल गांधी पुराने आरोप को दोहराते रहते हैं और चाहते हैं कि चुनाव आयोग उसका जवाब दे। लेकिन चुनाव आयोग तो एक बार में कांग्रेस ने जितने सवाल उठाए थे. सबका लिखित जवाब दे दिया है।उसके बाद तो फिर वही सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए। चुनाव आयोग के वेबसाइट में वह सारे आंकड़े हैं जिसके आधार पर कोई भी कह सकता है कि राहुल गांधी ने जो आरोप लगाए हैं, वह सच नहीं है। राहुल गांधी ने विदेश में कहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया और चुनाव प्रणाली में कुछ तो गड़बड़ है। राहुल गांधी का आरोप है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राज्य में जितनी वयस्कों की संख्या है,उससे ज्यादा लोगों ने मतदान किया। उनका कहना है कि चुनाव आयोग ने हमे शाम साढ़े पांच बजे के आंकड़े दिए, उसके बाद साढ़े पांच बजे से साढ़े सात बजे तक के आंकड़े दिए। दिए गए आंकड़ों के मुताबिक 65 लाख मतदाताओं ने मतदान किया, यह संभव नहीं है। एक मतदाता को मतदाता को मतदान करने में तीन मिनट लगते हैं, इसका मतलब है कि मतदाताओं का कतार दो बजे रात तक लगी रहनी चाहिए लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हमने वीडियोग्राफी के कहा तो चुनाव आयोग ने इंकार कर दिया। उन्होंने कानून भी बदल दिया।इससे साफ है कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है, चुनाव प्रणाली में कुछ तो गड़बड़ है।राहुल गांधी के बयान से साफ है कि वह कह तो रहे हैं कि चुनाव प्रणाली में कुछ तो गड़बड़ है लेकिन वह गड़बड़ क्या है उनको पता नहीं है। अगर पता होता तो वह बताते कि यहां पर गड़बड़ी हुई है। जैसे वह कहते हैं कि महाराष्ट्र में जितनी वयस्कों की संख्या है, उससे ज्यादा लोगों के वोट किया। ऐसा हो नहीं सकता, ऐसा तो होना संभव नहीं है क्योंकि हर बूथ में सभी राजनीतिक दलों के नेता व कार्यकर्ता होते हैं, मान लो किसी बूथ में पांच हजार वोटर है, तो वहां पांच हजार से ज्यादा वोट कैसे पड़ सकते हैं। ऐसा तो हो नहीं सकता। जितने वोटर है,अक्सर सभी वोट डालने नहीं आते हैं इसलिए ज्यादातर बूथों में तो जितने वोटर होते हैं उससे कम वोट ही पड़ते है। चुनाव आयोग की वेबसाइट में कोई भी देख सकता है कि महाराष्ट्र में 9 करोड़ वोटर है तथा छह करोड़ लोगों ने वोट डाला है। इस आधार पर राहुल गांधी का पहला आरोप ही गलत साबित होता है,ऐसा लगता है कि उन्होंने जो आंकड़े बताएं है, उसकी सत्यता की पुष्टि उन्होंने नहीं की है। या हमेशा की तरह वह कहना कुछ चाहते थे और कह कुछ और गए हैं। उन्होंने दूसरी बात यह कही कि महाराष्ट्र में तो हमको वोट ज्यादा मिले लेकिन चुनाव बीजेपी जीत गई। कायदे से तो ऐसा भी नहीं हो सकता कि वोट किसी को ज्यादा मिले और चुनाव कोई जीत जाए। इस सच का पता भी चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर बता लगाया जा सकता है। चुनाव आयोग की वेबसाइट के मुताबिक महाराष्ट्र चुनाव में भाजपा को तीन करोड़ कुछ वोट मिले है और कांग्रेस गठबंधन को दो करोड़ु कछ वोट मिले है, आंकड़ों से तो साफ है कि वोट भाजपा गठबंधन को ज्यादा मिले है, इसलि भाजपा जीती है। राहुल गांधी का यह कहना कि लाखों वोट दो घंटे में कैसे पड़ सकते हैं तो इसका जवाब है कि ऐसा तो हर चुनाव में होता है। हर चुनाव आखिरी दो घंटों में लाखों वोट पडते हैं। सुनने में ऐसा लगता है कि यह बहुत ज्यादा वोट हैं लेकिन प्रतिशत में देखा जाए तो दो चार प्रतिशत तो हर चुनाव में आखिरी घंटें में ही पड़ता है। जितने लोग भीतर आ गए होते हैं उन सभी के वोट डालते तक वोटिंग होती है।इस दौरान सभी राजनीतिक दलों के नेता व कार्यकर्ता बूथ में मौजूद रहते हैं। आखिरी में सभी राजनीतिक दलों के नेताओं का पर्ची दी जाती है जिसमें लिखा होता है कि इस बूथ में कुल कितने वोट पड़े। ऐसे में किसी भी तरह की गडबड़ी तो हो नही सकती। जहां तक समय का सवाल है तो चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक तो महाराष्ट्र में ही एक घंटे में 30 लाख से ज्यादा वोट पड़े हैं।इससे साफ है कि राहुल गांधी जो कह रहे हैं, वह गलत है. उनको जिसने भी यह आंकड़ा दिया है, उसे कम से कम चुनाव आयोग से इस बात की पुष्टि तो कर लेनी थी।इसे महाराष्ट्र के कई विधानसभा चुनाव में देखा जा सकता है। राहुल गांधी जब भी कुछ कहते हैं तो उनके पास पक्का कुछ नहीं होता है, उनको कोई बता देता है और वह उसे कह देते हैं। ऐसा कई बार हुआ है। राहुल गांधी खुद को सत्य का साधक कहते हैं लेकिन उनके कई बयान ऐसे है जो उनकों निरंतर झूठ कहने वाला साबित करते हैं। उनका चर्चित बयान आया था कि देश में जितनी मिस इंडिया बनी है,उनमें कोई दलित, पिछड़ा व अल्पसंख्यक नहीं है। बाद में सूची सामने आई तो पता चला राहुल गांधी को सच का पता नहीं था। राहुल गांधी से अक्सर यह गलती होती है कि उनको जो बताया जाता है कहने के लिए वह सच नहीं होता है, कई बार ऐसा भी होता है कि वह कहना कुछ चाहते हैं और कुछ कह जाते हैं। इससे राहुल गांधी जब खुद को सत्य का साधक कहते हैं तो किसी को यकीन नहीं होता है क्योंकि राहुलगांधी और उनकी टीम की कही गई बातें कई बार सत्य तो दूर सत्य के करीब नहीं होती है। इससे राहुलगांधी का छबि खराब होती है, उनकी बातें जनता के लिए भरोसे की नहीं होती हैं।

पहलगाम नरसंहार

सिर्फ मुट्ठी भींचने और बयानबाजी से काम नहीं चलेगा!

मनोज कुमार अग्रवाल

पहलगाम में हिन्दू पर्यटकों की धार्मिक पहचान करने के बाद क्रूरता हैवानियत भरी बर्बरता से नृशंस नरसंहार अक्षम्य है। देश भर में इस वारदात को लेकर आक्रोश है यह हिन्दू समाज की सहिष्णुता है कि इतना दिल दहलाने व उत्तेजित करने वाले साजिश भरे कत्लेआम के बावजूद भावनाओं और आक्रोश को जहर का घूंट मानकर सरकार की ओर जबाबी कार्रवाई की टकटकी लगाए है। ऐसे दर्द और आक्रोश भरे माहौल में सरकार को समझना होगा कि सिर्फ मुठठियां तानने दांत भींचने और बयानबाजी करना पर्याप्त नहीं है इस से पहले कि आक्रोश की परिणिति किसी उग्र प्रदर्शन अराजकता अथवा सांप्रदायिक सौहार्द पर भारी बने सरकार को इस क्रूरतम नरसंहार के जिम्मेदार दरिंदों को सबक सिखाना होगा और भविष्य में इस तरह की वारदात न हो इस के लिए सुरक्षा बलों को सजग और सतर्क रखना होगा।

जम्मू-कश्मीर के सुंदरतम पर्यटन स्थलों में से एक पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हमला सिर्फ कायरतापूर्ण कृत्य नहीं है, बल्कि यह कश्मीर और कश्मीरियों की आत्मा पर हमला है। इस हमले में आतंकवाद का काफी वीभत्स रूप सामने आया है, जिसका पिछले कुछ महीनों से घाटी में कायम शांति और सौहार्द को गहरा आघात पहुंचा है। देश को झकझोर देने वाली इस आतंकी वारदात ने सिर्फ जम्मू और कश्मीर को नहीं, बल्कि पूरे देश को मातम में डुबो दिया है। इस हमले में देश के विभिन्न हिस्सों से गये 28 निर्दोष लोगों की हत्या की गई है, जबकि दो विदेशी पर्यटक मारे गए हैं। किसी मां की गोद सूनी हो गयी है, तो कोई नवविवाहिता विधवा हो गयी है। आतंकवाद का जैसा रुप इस आतंकी हमले में देखने को मिला है, इसके पहले शायद देखने को नहीं मिला था। आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा है। कुछ लोगों से कलमा पढ़ने के लिए कहा गया है और फिर गोली मारी गयी। मासूम बच्चों के सामने ही उनके पिता को मौत का घाट उत्तार दिया गया है, निःसंदेश यह काफी व्यथित करने वाला और हृदयविदारक है, जिसका कल्पना मात्र से ही रूह कांप जाती है। पहलगाम में आम लोगों के नरसंहार की यह घटना 25 साल पहले छत्तीसिंहपुरा नरसंहार की याद ताजा कर रही है। जिस 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरपी) ने पहलगाम नरसंहार की जिम्मेदारी ली है, उसे लश्कर-ए-तैयबा का सहयोगी बताया जा रहा है। जम्मू और कश्मीर में 2024 के आखिर में ही वर्षों के अंतराल के बाद एक लोकतांत्रिक सरकार बनी है, ऐसे समय में यह हमला और भी चिंताजनक है। देखा जाए तो आतंकियों ने काफी सोची-समझी रणनीति के तहत इस हमले के अंजाम दिया है। धर्म पूछकर और मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुरुषों के पैंट उतरवाकर चुन-चुनकर गोलियां मारी, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के आधिकारिक दौरे पर थे। हाल के वर्षों में सऊदी अरब भारत का अनन्य मित्र बनकर उभरा है और कहा जाता है कि आज की तारीख में इस्लामी दुनिया का यह सबसे बड़ा प्रभावशाली मुल्क है। मतलब, पाकिस्तान ने कश्मीर में खून बहाकर एकसाथ सऊदी अरब से लेकर अन्य मुस्लिम देशों को फिर से यह संदेश देने की कोशिश की है कि कश्मीर के मुसलमानों पर भारत जुल्म ढा रहा है। पहलगाम हमले के लिए ऐसी टाइमिंग चुनी गई है, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत यात्रा पर आए हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां अक्सर पाकिस्तान को परेशान करती रही हैं। उनके कार्यकाल में भारत-अमेरिकी दोस्ती में नई मजबूती देखने को मिली है। आतंकवाद को लेकर अमेरिका की मौजूदा सरकार का रुख हमेशा से सख्त रहा है। ऐसे में इस हमले से कहीं न कहीं अमेरिका को भी संदेश

देने की कोशिश की गई है कि कश्मीर अभी भी शांत नहीं हुआ है। पिछले हफ्ते ही पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर ने कश्मीर को लेकर बहुत ही भड़?काऊ टिप्पणियां की हैं। माना जा रहा है कि उनके बयान कहीं न कहीं आतंकवादियों के लिए एक संदेश का काम किया है कि जम्मू-कश्मीर को रक्तरंजित करने के लिए यही माकूल वक्त है। आम नागरिकों को निशाना बनाना इन आतंकियों के लिए बेहद आसान रहता है, क्योंकि साधारण से हथियारों का इस्तेमाल करके ये बड़े नरसंहारों को अंजाम दे देते हैं, जिसकी जांच भी आसान नहीं नहीं होती। एक और बात यह है कि देश के कई हिस्सों में नए वक्फ कानून के खिलाफ एक माहौल बनाया गया है।

देश के कई और हिस्सों में इस कानून के नाम पर माहौल खराब करने की कोशिश की गई है। ऐसे में देश के दुश्मनों को शायद पहलगाम अटैक के लिए यह सबसे सुविधाजनक वक्त दिखा। क्योंकि, बेगुनाहों की मौतों के खिलाफ देश में जो माहौल तैयार हो रहा है, उसमें भारत-विरोधियों को अपना काम चनने की उम्मीद दिख रही है। लेकिन जो सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है, वह पर्यटकों के दिलों में दहशत पैदा करना। दरअसल जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की भूमिका जगजाहिर रही है। माना जाता रहा है कि इसी वजह से आतंकवादी संगठन पर्यटन स्थलों का रुख करने वाले लोगों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते हैं, ताकि वहां पर्यटकों का आना-जाना निर्वाध रहे। अगर देश-दुनिया से वहां घूमने जाने वालों के भीतर डर बैठा, तो वहां की अर्थव्यवस्था पर इसका विपरीत असर पड़ सकता है। लेकिन इस बार पर्यटकों को निशाना बनाकर आतंकियों ने न केवल बाहरी लोगों को डराने, बल्कि वहां की अर्थव्यवस्था की रोड़ पर हमला करने की कोशिश की है। इसके अलावा, जुलाई की शुरूआत में अमरनाथ यात्रा भी शुरू होने वाली है और वहां जाने का रास्ता पहलगाम से होकर गुजरता है। ऐसे में आतंकियों के इस हमले को अमरनाथ यात्रा को प्रभावित करने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है। केंद्र शासित प्रदेश के पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच वर्षों में सात करोड़ से अधिक भारतीय और विदेशी पर्यटक जम्मू और कश्मीर का दौरा कर चुके हैं। आतंकवाद और संघर्ष से लंबे समय से जूझ रहे इस क्षेत्र के लिए ये आंकड़े प्रगति का संकेत देते हैं। यही कारण है कि स्थिरता और आर्थिक गतिविधि में यह पुनरुत्थान, पाकिस्तानी राज्य सहित अलगाववादी और चरमपंथी ताकतों के लक्ष्यों के सीधे विरोध में है। इसलिए इस हमले के पीछे मंशा न केवल सुरक्षा बलों और सरकार को चुनौती पेश करना, बल्कि बाहरी लोगों को डराना है। इससे उन्हें अपना एक मकसद यह भी पूरा होने की उम्मीद है कि वे स्थानीय और बाहरी लोगों के भीतर खाई पैदा कर सकेंगे। हालांकि इसमें वह कामयाब नहीं होंगे, क्योंकि जम्मू कश्मीर के साथ पूरा देश खड़ा है। लेकिन इस हमले से कई सवाल भी खड़े कर दिया है। पहलगाम में हुआ हालिया आतंकी हमला एक बार फिर यह स्पष्ट कर गया कि घाटी में शांति और सामान्य स्थिति लौटने के दावों में अब भी गहरे सुराख हैं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है, जब केंद्र सरकार राज्य में आतंकवाद के खात्मे के दावे कर रही थी। बीते वर्षों में लगातार यह कहा जाता रहा कि आतंकियों की संख्या घट गई है, स्थानीय युवाओं की भर्ती में भारी गिरावट आई है, और आतंकी नेटवर्क लगभग समाप्ति की ओर है। लेकिन यदि यह स्थिति वास्तव में इतनी बेहतर थी, तो पहलगाम जैसे सुरक्षित और संवेदनशील क्षेत्र में आतंकवादी कैसे खुलेआम गोलियां बरसाकर फरार हो गए ? सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों की इतनी मौजूदगी के बावजूद हमले की पूर्व सूचना का न होना, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान न कर पाना और हमलावरों का आसानी से भाग निकलना यह दशार्ता है कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था अब भी सतही सफलता से ऊपर नहीं उठ सकी है। हालांकि उम्मीद यही है कि इस हमले के बाद सरकार जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए अंतिम लड़ाई शुरू करेगी, ताकि फिर से किसी निर्दोष की खून कश्मीर के धरती पर न बहे।

राशिफल

मेष आज का दिन आपके लिए अक्समात धन लाभ दिलाने वाला रहेगा। आप बिजनेस को लेकर कुछ मीटिंग करेंगे, जिससे आप कहीं बाहर भी जा सकते हैं। जीवनसाथी की सेहत में कोई समस्या होने से आपका मन परेशान रहेगा। धन भी अधिक खर्च होगा। आप अपनी संतान को किसी को नए कोर्स में दाखिला दिला सकते हैं। आपकी किसी बात को लेकर परिवार के सदस्यों में मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं।

वृषभ आज का दिन नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। उनकी बॉस से खूब पटेगी और उनके दिए गए सुझाव पर बॉस के खूब कमाएंगे। आपको वाहनों का प्रयोग थोड़ा सावधान रहकर करना होगा। आपकी भावनाओं में बहकर कोई निर्णय लेने से बचना होगा। आप यदि किसी नए मकान के खरीदारी के लिए कोई लोन अप्लाई किया था, तो वह आपको मिल सकता है। आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी, जिनसे आपको काम को लेकर अच्छी सलाह मिलेगी।

मिथुन आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप फलदायक रहने वाला है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से आपके घर पूजा-पाठ का आयोजन हो सकता है। आपको किसी पारिवारिक बिजनेस में यदि कोई समस्या चल रही थी, तो उसके लिए आप अपने भाइयों से मदद ले सकते हैं। यदि आप ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से धन उधार लेंगे, तो वह आपको आसानी से मिल जाएगा, लेकिन आपके खर्च आपकी टेंशन को बढ़ाएंगे, जिन्हें आपको कम करने की कोशिश करनी होगी।

कर्क आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के लिहाज से कमजोर रहने वाला है। आपको अपनी शारीरिक समस्याओं को छोटा नहीं समझना है। आप अपने बिजनेस में भी योजनाओं में कुछ बदलाव करेंगे, जिसे आने वाले समय में आपको अच्छा लाभ अवश्य मिलेगा। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए दिन बेहतर रहेगा। आप दिल खोलकर निवेश कर सकते हैं। आपको अपने पारिवारिक मामलों को घर में रहकर ही निपटना बेहतर रहेगा।

सिंह आज का दिन आपके लिए किसी कानूनी मामले में सफलता दिलाने वाला रहेगा। आपका कोई सरकारी काम यदि रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आपको किसी दूर रह रहे परिजन की याद सता सकती है। परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आपके मन में खुशियां भरपूर रहेंगी, जिससे आप अपने कामों को भी आसानी से कर सकेंगे। आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

कन्या आज का दिन आपके लिए कठिनाइयों से भरा रहने वाला है, क्योंकि आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको निराशा ही हाथ मिलेगी। आप अपने घर के साथ-साथ बाकी कामों में पूरा ध्यान देंगे। शौक मौज के चक्कर में आप अच्छा खासा धन व्यय करेंगे। आपकी कोई बात परिवार में किसी सदस्य को बुरी लग सकती हैं ,लेकिन फिर भी आप उनसे कुछ नहीं कहेंगे। आप अपने बॉस से तालमेल बिठाकर रखें, तभी आपका प्रमोशन आगे के लिए हो सकेगा।

तुला आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको अपने काम को लेकर कुछ बड़े लोगों से मिलने का मौका मिलेगा। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आपकी किसी बात को लेकर बहसबाजी होने की संभावना है। आपका कोई काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तब वह भी पूरा हो सकता है। आपको अपने किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा और उनकी चालों को समझें।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए वाणी व व्यवहार पर संयम बनाए रखने के लिए रहेगा। आप राजनीति में सोच समझकर कदम बढ़ाएं, क्योंकि वहां लोग आपको टिकने नहीं देंगे और आप अपने बिजनेस में कुछ नया करने की कोशिश करेंगे, जिसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आपका धन को लेकर यदि कोई काम रुका हुआ था, तो उसके भी पूरा होने की संभावना है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा।

धनु आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आज कुछ करने की सोचेंगे, लेकिन उसमें आपको सफलता नहीं मिलेगी। आप संतान की फरमाइश पर किसी नए इलेक्ट्रॉनिक आइटम को घर लेकर आ सकते हैं। आपको अपने संपत्ति संबंधित विवाद में किसी अच्छे वकील से सलाह की आवश्यकता होगी, तभी वह सुलझता दिख रहा है। सिंगल लोगों के जीवन में उनके साथी की दस्तक हो सकती है।

मकर आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर व्यस्तता अधिक रहेगी, जिस कारण आप अपने पारिवारिक जिम्मेदारी में ढील दे सकते हैं। माताजी आपसे किसी बात को लेकर नाराज हो सकती हैं। आपकी अपने भाई और बहनों से खूब पटेगी। परिवार में एकजुटता बनी रहेगी, लेकिन आस-पड़ोस में कोई वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न हो, तो आप उसमें चुप रहें। आपको किसी दूर रह रहे परिजन की याद सता सकती है। किसी सरकारी योजना का आपको पूरा लाभ मिलेगा।

कुंभ आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी, लेकिन आप उनसे कोई पुराने गिले शिकवे न उखाड़ें। परिवार में यदि किसी बात को लेकर कलह लंबे समय से पैर पसारे हुए थे, तो वह भी दूर हो सकते हैं। आपको अपनी आय और व्यय को संतुलन में बनाकर चलने की आवश्यकता है। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचना होगा। माता-पिता से आप काम को लेकर बातचीत कर सकते हैं।

मीन आज का दिन आपके लिए ऊजार्वान रहने वाला है। आप अपने कामों को करने के लिए तत्पर रहेंगे और किसी दूसरे पर डिपेंड नहीं रहेंगे। बिजनेस में भी चल रही समस्याएं काफी हद तक दूर होंगी। आपको जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करना होगा और प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा।

पहलगाम की गोलियाँ

धर्म पर नहीं, मानवता पर चली थीं

प्रियंका सौरभ

कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुआ आतंकी हमला सिर्फ एक गोलीबारी नहीं थी—यह एक ऐसा खौफनाक संदेश था जिसमें गोलियों ने धर्म की पहचान पूछकर चलना शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो आतंकियों ने पहले पर्यटकों से उनका धर्म पूछा, फिर उन्हें जबरन कलमा पढ़ने के लिए कहा, और इंकार करने पर गोली मार दी। यह न केवल एक घृणित धार्मिक कट्टरता का प्रदर्शन था, बल्कि एक सुनियोजित राजनीतिक षड्यंत्र भी था, जिसका उद्देश्य कश्मीर में पुनः स्थापित होती शांति और विश्वास को तार-तार करना था।

धर्म के नाम पर किया गया अमानवीय अपराध-जब किसी को गोली मारने से पहले उसका धर्म पूछा जाता है, तो यह न केवल उस व्यक्ति की जान का अपमान है, बल्कि उस पूरे समाज का अपमान है जो 'सर्व धर्म समभाव' की बात करता है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आतंकियों ने पहले 'हिंदू' पहचान की पुष्टि की, फिर 'गोली' को धर्म की रेखा पर खड़ा कर दिया। इससे बड़ा पाखंड क्या होगा कि किसी भी धर्म की आड़ में आतंक फैलाया जाए, जबकि हर धर्म की जड़ में 'मानवता' बसती है। इस हमले ने यह साबित कर दिया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन आतंकवादी अक्सर धर्म को ढाल बनाकर उसे इस्तेमाल करते हैं। जबरन किसी से कलमा पढ़वाना और न मानने पर जान ले लेना, यह इस्लाम के मूल सिद्धांतों के भी खिलाफ है। पैगंबर मोहम्मद ने तो मक्का में भी अपने दुश्मनों को माफ किया था—यहाँ तो बेगुनाह पर्यटकों पर गोली चलाई गई।

साजिश सिर्फ जान लेने की नहीं, छवि बिगाड़ने की भी-यह हमला न केवल मानवता पर था, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी हमला था। पहलगाम, जो 'मिनी स्विटजरलैंड' के नाम से जाना जाता है, वहाँ इस तरह की घटना का होना वैश्विक स्तर पर कश्मीर को फिर एक बार 'संवेदनशील और अस्थिर' क्षेत्र के रूप में प्रस्तुत करता है। पिछले कुछ वर्षों में कश्मीर में पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी—लोगों ने धीरे-धीरे डर के माहौल से बाहर निकलना शुरू किया था। लेकिन यह हमला उस विश्वास को तोड़ने की कोशिश है। पर्यटकों की वापसी का मतलब था स्थानीय लोगों की आजीविका का पुनर्जन्म। कश्मीरी दुकानदार, टैक्सी चालक, होटल कर्मचारी—सभी इस बढ़ते पर्यटन पर निर्भर थे। लेकिन अब, एक बार फिर सैकड़ों पर्यटक कश्मीर छोड़ने लगे हैं। कई बुकिंग्स रद्द हो रही हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा।

राजनीति की परछाईः इस हमले के असली मकसद-'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (TRF), जो कि लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा संगठन माना जाता है, ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। सूत्रों का कहना है कि यह हमला पाकिस्तान से संचालित हो सकता है। यदि यह सच है, तो यह स्पष्ट संकेत है कि यह केवल एक धार्मिक हिंसा नहीं थी, बल्कि भारत की आंतरिक शांति को अस्थिर करने की अंतरराष्ट्रीय साजिश भी थी। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब भारत चुनावों की तैयारी में जुटा है। क्या यह हमला लोकतंत्र में भय और अविश्वास फैलाने की रणनीति नहीं हो सकती? क्या यह आतंकी ताकतों का एक संकेत नहीं है कि वे अब भी धार्मिक भावनाओं को भड़काकर भारत को अस्थिर कर सकते हैं?

पीड़िता की आँखों से देखें—राजनीति नहीं, पीड़ा दिखती है-इस हमले में मारे गए पर्यटक की पत्नी के बयान ने पूरे देश को हिला दिया—मैंने उसे मरते देखा, लेकिन कुछ नहीं कर सकी। यह वाक्य किसी भी भाषण या नारे से कहीं ज्यादा असरदार है। एक महिला की चीख, एक बच्चे का रोना, एक पर्यटक का डर—ये किसी चुनावी भाषण या न्यूज चैनल की बहस से नहीं मिटते। यह हमला न केवल गोली से मारे गए व्यक्ति का अंत था, बल्कि एक पूरे परिवार की स्थिरता का अंत था। यह उस महिला की नींद का अंत था, जो अब शायद जिंदगीभर अपने पति की लाश की छवि नहीं भूल पाएगी। और यह उस भरोसे का अंत था, जो उसने भारत की सुरक्षा पर किया था।

क्या भारत सरकार ने पर्याप्त कदम उठाए?-सरकार की ओर से इस हमले की निंदा की गई और सुरक्षा बलों को सतर्क किया गया। परंतु सवाल यह उठता है कि क्या निंदा पर्याप्त है? क्या हम उस स्तर पर इंटेलिजेंस नेटवर्क खड़ा कर पाए हैं कि ऐसे हमलों को रोका जा सके? कश्मीर में बार-बार ह्यअस्थिरता के बाद स्थिरता और फिर आतंक का यह चक्र कब टूटेगा?

कश्मीरी मुसलमानों की भी चुप्पी नहीं, चिंता दिखी-यह ध्यान देने योग्य है कि कश्मीरी समाज के कई मुसलमानों ने इस घटना की खुलकर निंदा की। कुछ स्थानीय व्यापारियों ने पर्यटकों को सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की। इससे स्पष्ट होता है कि आतंकवाद को समर्थन स्थानीय नहीं, बाहरी है। कट्टरता कश्मीर की मिट्टी से नहीं, बाहर से आयात होती है।

अब आगे क्या?-हम सबको सोचना होगा कि ऐसे मामलों में केवल गुस्सा जाहिर करना काफी नहीं है। हमें नीतियों में बदलाव चाहिए। कश्मीर में स्थायी शांति तभी संभव है जबः धार्मिक शिक्षा में सहिष्णुता को प्राथमिकता दी जाए। स्थानीय युवाओं को रोजगार और भविष्य का भरोसा मिले। कट्टरता के प्रचार पर तकनीकी सेंसरशिप लगे। आतंकी नेटवर्क को सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से अलग-थलग किया जाए।

इस लेख के माध्यम से मैं एक सवाल छोड़ना चाहती हूँ—क्या हम इतने असहाय हो गए हैं कि किसी का धर्म पूछकर उसे मारने वालों को केवल 'आतंकी' कहकर छोड़ दें? यह समय है जब हमें मिलकर कहना होगा कि जो धर्म के नाम पर जान ले, वह किसी धर्म का अनुयायी हो ही नहीं सकता।यह हमला केवल एक पर्यटक की हत्या नहीं है.

दिन विशेष

उफ! यह गर्मी.... ?

तमन्ना मतलानी

प्रकृति अपनी लीला पर कायम है, मौसम अपनी गति से बदलते रहते हैं। वैसे तो प्रकृति के सभी मौसम प्रिय होते है, सबका अपना-अपना महत्व होता है। इन्हीं महत्वपूर्ण मौसमों में से एक गर्मी का मौसम भी होता है। यह तो हम सभी जानते ही हैं कि बिना तपिश के न तो वर्षा हो सकती है और न ही प्रकृति हरी-भरी हो सकती है। मौसम की बात करें तो एक बार पुनः गर्मी की तपिश अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी है। आज के युग में बढ़ती गर्मी एक बड़ी चिंता का विषय बन गई है। हर साल तापमान नए रिकॉर्ड बना रहा है, इस बढ़ते तापमान का असर न सिर्फ इंसानों पर अपितु पशु-पक्षियों, पेड़-पौधों और पूरे पर्यावरण पर भी पड़ रहा है। इस विकट स्थिति के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं परंतु मुख्य रूप से इसकी जिम्मेदारी निर्धारित करने की बात की जाए तो इसके लिए कुछ हद तक मनुष्य स्वंय भी जिम्मेदार है। आज की सबसे बड़ी जरूरत है कि हम सब मिलकर इस विषय पर गंभीरता से सोचें कि आखिर इस बढ़ती गर्मी के प्रमुख कारण क्या हैं। इस परेशानी का मुख्य कारण है पेड़ों की अंधाधुंध कटाई है। हम सभी जानते हैं कि पेड़-पौधे वातावरण में तापमान को संतुलन में रखने का काम करते हैं, वे कार्बन डाइऑक्साइड को सोखकर प्रकृति को ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। आधुनिक और विलासितापूर्ण साधनों में लकड़ी का अत्यधिक उपयोग होने लगा है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के चलते भी जंगलों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है, जिससे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता जा रहा है। इसके अलावा, पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहन, कारखाने और बिजली उत्पादन में कोयले का भारी उपयोग वायुमंडल में कार्बन की मात्रा को बढ़ा रहा है। इससे वातावरण में हानिकारक गैसों का निरंतर और तेजी से स्तर बढ़ता जा रहा है, इस कारण से भी धरती के तापमान में असामान्य रूप से बढ़ोतरी हो रही है। तेजी से फैल रहे नए-नए उद्योग और आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के लिए सड़कों और कांक्रीट के नगरों का निर्माण हो रहा है। सीमेंट से बने ये आधुनिक शहर गर्मी को और बढ़ा रहे हैं और वातावरण को ठंडा रखने में असफल साबित होते हैं। यह सभी बढ़ती गर्मी के प्रमुख कारण है। प्लास्टिक की वस्तुएं और उसके उत्पादन की प्रक्रिया में निकलने वाली रासायनिक गैसें भी वातावरण को नुकसान पहुँचा रही हैं। प्लास्टिक का

अत्यधिक उपयोग और इसके नष्ट न होने के कारण भी पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इसके उत्पादन से निकलने वाली जहरीली गैसें वातावरण को और अधिक गर्म कर रही हैं। इस धरती पर प्राकृतिक संसाधन भरपूर मात्रा में उपलब्ध हैं, लेकिन मनुष्य अपनी जरूरतों से अधिक उनका उपयोग करने की कोशिश कर रहा है। इससे पानी, कोयला, गैस, और अन्य खनिजों का अत्यधिक दोहन हो रहा है, जिससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ता जा रहा है। यह कारण भी बढ़ती गर्मी के लिए जिम्मेदार है। बढ़ती गर्मी के घातक परिणाम हम साफ-साफ देख सकते हैं। इसके कारण ग्लोबल वार्मिंग की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इससे ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और समुद्र तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा भी बढ़ रहा है। वायुमंडल की गर्मी के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ रही हैं जैसेझ्र लू लगना, डिहाइड्रेशन और हृदय संबंधी व अन्य घातक रोगों का तेजी से प्रसार हो रहा है। खेती पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, जिससे फसलों की पैदावार घटती जा रही है। भविष्य में धान जैसी आवश्यक फसलों की पैदावार कम हो सकती है और खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है। बढ़ती गर्मी से पशु-पक्षियों पर भी बुरा असर पड़ रहा है, जिससे कई प्रजातियाँ विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गई हैं।अंत में, हमें यह सोचना जरूरी है कि इस समस्या का समाधान क्या है और इसकी जिम्मेदारी किसकी है? हर व्यक्ति को पेड़ों की रक्षा की जिम्मेदारी समझनी चाहिए और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। हम सभी को निजी वाहनों का उपयोग आवश्यकता के अनुरूप ही करना चाहिए। बड़े शहरों में सार्वजनिक परिवहन का उपयोग अधिक करना चाहिए। सरकार को भी कोयले की जगह जल और पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना चाहिए, ऊर्जा के ये साधन सस्ते और सतत रूप से उपलब्ध हैं। इसके अलावा, प्लास्टिक और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने वाले पदार्थों का उपयोग कम होना चाहिए और सरकार को पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों के लिए कड़े कानून बनाने की जरूरत है।आज के इस लेख के माध्यम से अंत में, मैं बस यही कहना चाहती हूँ कि बढ़ती तपिश के लिए मुख्य रूप से इंसान स्वयं जिम्मेदार है। अगर हम सब मिलकर पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लें, तो हम इस समस्या को नियंत्रित कर सकते हैं। हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और संतुलित पर्यावरण छोड़कर जाना है। आइए, हम सब मिलकर प्रकृति की रक्षा के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाएं, पर्यावरण को स्वच्छ रखें और अपने बच्चों को शुद्ध हवा और स्वच्छ वातावरण देने का संकल्प करें। क्या हम अपने बच्चों एवं आने वाली पीढ़ी के लिए यह कर पाएंगे, मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि हम अपनी इस कोशिश में अवश्य कामयाब होंगे.

एक नजर

लाइसेंस के आवेदनों के निराकरण के लिए परिवहन कार्यालय में शिविर 28 से

जगदलपुर 24 अप्रैल। सुशासन तिहार 2025 के तहत जनसाधारण से लाइसेंस बनाने के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों के निराकरण हेतु क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय जगदलपुर में 28 अप्रैल से 06 मई तक विकासखण्ड के अनुसार शिविर का आयोजन किया गया है। उक्त शिविर में विकासखण्डवार प्राप्त आवेदन पत्र के आधार पर लर्निंग लायसेंस बनाए जाएंगे। जिसके तहत जगदलपुर ब्लॉक के लिए 28 अप्रैल, बस्तर विकासखण्ड हेतु 29 अप्रैल, बकावंड एवं तोकापाल के लिए 01 मई, दरभा हेतु 05 मई और लोहंडीगुड़ा एवं बास्तानार के आवेदकों के लिए 06 मई 2025 को लर्निंग लायसेंस बनाए जाएंगे। परिवहन अधिकारी श्री डीसी बंजारे ने बताया कि सुशासन तिहार में परिवहन विभाग जगदलपुर को कुल 1420 लर्निंग लायसेंस बनाने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए हैं। परिवहन विभाग के वेबसाइट श्वइह्द्ध-1इ्द्धइ्ठ.द्श1.द्वठ में आवेदन करना आवश्यक है, चूंकि सभी कार्यवाही ऑनलाईन किया जाना है, जिसमें आवेदक को एक पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड या पेन कार्ड अथवा मतदाता पहचान पत्र सहित जन्म के संबंध में पेन कार्ड या 5 वीं, 8 वीं अथवा 10 वीं का मार्कशीट तथा शासन द्वारा निर्धारित शुल्क के साथ आवेदन करना अनिवार्य होता है। साथ ही एक छोटी सी परीक्षा ऑनलाईन देना होता है। इन सभी आवेदकों को नियत तिथि के अनुसार क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय आड़ावाल जगदलपुर में उपस्थित होकर लायसेंस बनाने का आग्रह किया गया है।

सूचना का अधिकार पर जनसूचना तथा प्रथम अपीलीय अधिकारियों की कार्यशाला आयोजित

जगदलपुर 24 अप्रैल। सूचना का अधिकार अधिनियम ने प्रत्येक नागरिक को सरकारी संस्थाओं के निर्णयों और कामकाज की जानकारी तक पहुंच प्रदान कर शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित किया है। इस अधिनियम का उद्देश्य शासकीय कामकाज में पारदर्शिता लाने सहित शासन को जवाबदेह बनाना है। इस दिशा में सूचना प्रदान करने के लिए जनसूचना अधिकारियों की जिम्मेदारी के साथ ही प्रथम अपीलीय अधिकारियों का महत्वपूर्ण दायित्व है। जनसूचना अधिकारी जहां आवेदकों के आवेदन पर नियत समय-सीमा में उपलब्ध जानकारी प्रदान करने की कार्यवाही कर सकते हैं, वहीं अपीलीय अधिकारी अपीलार्थी और जनसूचना अधिकारी को सुनवाई का अवसर देकर सूचना प्रदाय में सहयोग प्रदान करते हैं। सूचना प्रदान करने के लिए निरंतर सजगता जरूरी है, ताकि आवेदक को निर्धारित समय-सीमा के भीतर जानकारी उपलब्ध करवाया जा सके। कमिश्नर श्री सिंह बुधवार को कमिश्नर कार्यालय के सभागार में आयोजित सूचना का अधिकार के तहत संभाग स्तरीय जनसूचना अधिकारियों तथा प्रथम अपीलीय अधिकारियों की कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। कमिश्नर ने कार्यशाला में कहा कि जनसूचना अधिकारियों तथा प्रथम अपीलीय अधिकारियों का कार्यशाला और प्रशिक्षण स्वयं को जानकारी से अपडेट करने का अवसर है। जिसमें सूचना का अधिकार अधिनियम के नए एवं संशोधित प्रावधानों को जानने और समझने का मौका मिलता है। साथ ही शंकाओं का भी समाधान होता है। उन्होंने अधिकारियों को अभिलेखों तथा नस्तियों का समुचित संधारण करने सहित सूचना प्रदाय के लिए वरिष्ठ अधिकारियों का सतत रूप से मार्गदर्शन भी प्राप्त करने की समझाइश दी। इस दौरान छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग के मास्टर्स ट्रेनर्स श्री अतुल वर्मा ने कम्प्यूटर पॉवर पाइंट प्रस्तुति के माध्यम से सूचना का अधिकार अधिनियम के संशोधित प्रावधानों सहित ऑनलाइन सूचना प्रदाय, जानकारी उपलब्ध कराने के लिए निर्धारित शुल्क का भुगतान सहित जनसूचना अधिकारियों और प्रथम अपीलीय अधिकारियों के दायित्व इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही अधिनियम के मुख्य प्रावधानों की बारीकीयों से अवगत कराया।

4 परीक्षा केन्द्रों में 27 अप्रैल को होगी व्यापमं की उप अभियंता भर्ती परीक्षा

जगदलपुर 24 अप्रैल। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा 27 अप्रैल 2025 को उप अभियंता सिविल तथा उप अभियंता विद्युत एवं यांत्रिकी भर्ती परीक्षा प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 12.15 बजे तक जगदलपुर के 04 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की जाएगी। जिसके तहत केन्द्र क्रमांक 1701 शासकीय काकतीय पीजी कॉलेज धरमपुरा नम्बर 02 जगदलपुर, केन्द्र क्रमांक 1702 शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय धरमपुरा नम्बर 03 जगदलपुर, केन्द्र क्रमांक 1703 शासकीय दन्तेश्वरी पीजी महिला महाविद्यालय शांति नगर जगदलपुर और केन्द्र क्रमांक 1704 शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल क्रमांक जगदलपुर परीक्षा केन्द्रों पर उक्त भर्ती परीक्षा आयोजित की जाएगी। उपरोक्त परीक्षा में समस्त परीक्षार्थियों को वर्तमान वर्ष का प्रवेश पत्र लेकर आना अनिवार्य है। परीक्षा के सफल संचालन के लिए डिप्टी कलेक्टर श्री मायानन्द चन्द्रा मोबाइल नंबर 99267-59295 को नोडल अधिकारी तथा डिप्टी कलेक्टर श्री सत्येन्द्र कुमार बंजारे मोबाइल नंबर 78984-78891 को सहायक नोडल अधिकारी और प्राचार्य शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धरमपुरा जगदलपुर डॉ. अनिल श्रीवास्तव मोबाइल नंबर 98274-91253 को समन्वयक एवं सहायक प्राध्यापक शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धरमपुरा जगदलपुर डॉ. अजय सिंह ठाकुर मोबाइल नंबर 70009-74126 को सहायक समन्वयक नियुक्त किया गया है।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 6 मई को

जगदलपुर 24 अप्रैल। भारत सरकार के राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा दिए गए निर्देशानुसार मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2025 परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु जिले में तैयारी पूरी कर ली गई है। उक्त निर्देशानुसार बस्तर जिले में नीट (यूजी) 2025 की परीक्षा 04 मई 2025 को जगदलपुर शहर के 04 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित की जाएगी जिसके तहत झाड़ा सिरहा शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय धरमपुरा जगदलपुर, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल जगदलपुर, जगतु माहरा शासकीय बहुउद्देशीय हायर सेकेण्डरी स्कूल जगदलपुर और जवाहर नवोदय विद्यालय धरमपुरा नम्बर-02 जगदलपुर परीक्षा केन्द्रों में उक्त परीक्षा होगी।

डीएमएफ जिला होने के बावजूद लगातार हो रहा पलायन:तुलिका

- पलायन रोकने व मनरेगा मजदूरी दर बढ़ाने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन
- सुलोचना व प्रवीण ने भी जताई नाराजगी, कहा- पलायन रोकने पहल करें

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 24 अप्रैल। जिले में पलायन रोकने व मनरेगा को मजदूरी बढ़ाने आज पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष व जिला पंचायत सदस्य तुलिका कर्मा के नेतृत्व में नवनियुक्त कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि जिले के अतिसंवेदनशील ब्लॉक कटेकल्याण व कुआकोंडा में मनरेगा की मजदूरी दर कम होने के कारण लगभग 20 हजार ग्रामीण पलायन कर चुके हैं। इस मामले में जानकारी देते हुए तुलिका कर्मा ने कहा कि हमारा जिला डीएमएफ जिला है और यही के ग्रामीण पलायन कर रहे हैं यह बड़े शर्म की बात है। ग्रामीणों को जिले में मजदूरी इतनी कम दी जाती है, जिससे उनका गुजारा तक नहीं चल पाता जिससे वह ज्यादा मजदूरी की लालच में अन्य राज्य की ओर पलायन करते हैं। वहीं तुलिका ने कहा कि अभी तक हमारे जिले में तेंदूपत्ता की खरीदी शुरू नहीं की गई है, जिससे ग्रामीणों को काफी नुकसान हो रहा है, जिसे जल्द शुरू कराना बेहद आवश्यक है। ग्रामीणों का जीवन स्तर सुधारने डीएमएफ से विकास कार्यों की शुरुआत होने चाहिए ताकि गांव में ही ग्रामीणों को काम मिले, जिससे वह अपना जीवन यापन करें। इस मामले को लेकर जिला पंचायत सदस्य सुलोचना कर्मा ने कहा कि जिले में पूरी तरह अराजकता का माहौल है। ग्रामीणों को काम मिल रहा है तो समय पर मजदूरी नहीं मिल रही है साथ ही गीदम व दंतेवाड़ा के अंदरूनी इलाकों में ग्रामीणों का जीवन स्तर काफी नीचे गिर चुका है। सुलोचना ने कहा कि पलायन दंतेवाड़ा जिले की आज सबसे बड़ी समस्या है। तेंदूपत्ता तोड़ाई का कार्य क्यों शुरू नहीं हो रहा है इसका जवाब देने वाला भी नहीं है। जिला पंचायत सदस्य प्रवीण राणा ने इस मुद्दे पर कहा कि शुरुआत से ही सरकार ग्रामीणों को बेवकूफ बनाने का कार्य कर रही है। डीएमएफ जिला होने के बावजूद ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। मनरेगा के माध्यम से होने वाले कार्यों की मजदूरी के लिए ग्रामीण आज भी भटक रहे हैं। ज्ञापन सौंपने के दौरान वरिष्ठ जनप्रतिनिधि व विभिन्न गांवों के सरपंचों ने कलेक्टर से मांग रखी कि अगर 10 दिवस के भीतर उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं हुई तो वह आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान जिला महामंत्री विमल सलाम, जनपद उपाध्यक्ष भीमसेन मंडावी,ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार जायसवाल, जनपद सदस्य पुष्पांजलि नाग,सरपंच विरो नाग, हिड़मा कवासी,हड़मा कवासी,राजेंद्र मंडावी, श्यामा पोडियामी,अविनाश सरकार,राजेश वट्टी,जनपद सदस्य राकेश, लखमू राम बघेल,एवं अन्य पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने आतंकी हमले में शहीद पर्यटकों को कैंडल जलाकर अर्पित की श्रद्धांजलि

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 24 अप्रैल। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य जी के नेतृत्व में कल जम्मू कश्मीर के पहलगांव में आतंकी हमले में शहीद पर्यटकों को जगदलपुर शहर के सिरहसार चौंक पर स्थित शहीद स्मारक पर समस्त पर्यटकों को शहर कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं द्वारा कैंडल जलाकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा जम्मू कश्मीर के पहलगांव में आतंकी द्वारा निर्दोषों को निशाना बनाना कायरता की पराकाष्ठा है बेहद अमानवीय घटना व घोर निंदनीय है। शहर जिला कांग्रेस कमेटी देश के प्रधानमंत्री से मांग करती है कि आतंकी राष्ट्र पाकिस्तान को इस हमले का मुंह तोड़ जवाब देना चाहिए साथ ही इस देश की आंतरिक सुरक्षा में हुई चूक को लेकर गंभीर होना चाहिए देश की आंतरिक आईबी, एलआईबी सहित तमाम बड़ी सुरक्षा एजेंसी से कैसे चूक हो जाती है इस पर सोच विचार करना चाहिए साथ ही देश के किसी भी हिस्से में इस प्रकार की घटना न इसके लिए बेहतर कदम उठाने चाहिए....मै ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें एवं शोक संतप्त परिजनों को यह असीम पीड़ा सहन करने की शक्ति दें। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष/पार्षद राजेश चौधरी, उपनेता प्रतिपक्ष कोमल सेना,महिला कांग्रेस अध्यक्ष लता निषाद, महामंत्री सेमिएल नाथ, ब्लॉक अध्यक्ष सहदेव नाग,वरिष्ठ कांग्रेसी एम वेंकट राव,गौरनाथ नाग,मनोज साहनी,कविता साहू, जावेद खान,पार्षद सूर्या पानी,अफरोज बेगम,शुभम यदु,जस्टिन भवानी,ललिता राव,कमलेश पाठक,एस नीला,सायमा अशरफ, सुनीता दास,राजेश साहू,सलीम अली,उत्तम साहू,राजेन्द्र पटवा,मंगलू मरकाम,आदि उपस्थित थे।

जेईई एडवांस परीक्षा में शासकीय विद्यालयों के 31 छात्र क्वालीफाई

कांकेर, 24 अप्रैल। कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के मार्गदर्शन में 'हमर लक्ष्य' के तहत जिले में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। जेईई मेंस प्रथम एवं द्वितीय सेशन के आधार पर भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं में से जिले से 31 छात्रों ने जेईई एडवांस परीक्षा हेतु क्वालीफाई किया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जेईई के पर्सेंटाईल जनरल 93.00 पर्सेंटाइल, ओबीसी 79.44 पर्सेंटाइल, एससी 61.15 एवं एसटी हेतु 47.90 पर्सेंटाइल रहा है। उन्होंने बताया कि जिले में इन 31 छात्रों में से 01 छात्र ओबीसी, 29 एसटी तथा 01 ओबीसी संवर्ग से है, जिनमें जेईई में 14 बालिका एवं 17 बालक कुल 31 छात्र क्वालीफाइड हुए हैं। ये सभी छात्र जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत हैं, जिसमें 08 छात्र प्रयास के और शेष 23 छात्र जिले के शासकीय हायर सेकण्डरी विद्यालयों से हैं। जिले के इन बच्चों के शानदार प्रदर्शन पर कलेक्टर श्री क्षीरसागर ने चयनित विद्यार्थियों के शिक्षकों व पालकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

नगर के घड़ी चौक, 11-बी खदान मार्ग पर स्ट्रीट लाइट नहीं

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरंदुल,24 अप्रैल। नगर के घड़ी चौक से एनएमडीसी की 11बी लौह अयस्क खदान तक जाने वाले मुख्य मार्ग पर रात के समय स्ट्रीट लाइट नहीं होने के कारण क्षेत्र के नागरिकों में भय का माहौल है। यह मार्ग एनएमडीसी परियोजना द्वारा निर्मित है और यही एकमात्र मुख्य रास्ता है जो खदान क्षेत्र के साथ-साथ आसपास की कॉलोनियों के लिए भी आवागमन का प्रमुख साधन है।इस मार्ग पर एनएमडीसी की भारी वाहन जैसे बस, ट्रक, ट्रेलर सहित छोटे वाहन लगातार चलते रहते हैं। लेकिन रात के अंधेरे में रोशनी की व्यवस्था न होने से पैदल चलने वाले राहगीर हमेशा दुर्घटना की आशंका में रहते हैं। कई लोग रात के समय इस मार्ग से गुजरने में डर महसूस करते हैं, जिससे अप्रिय घटनाओं की संभावना बनी रहती है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस रास्ते पर पर्याप्त रोशनी न होने के कारण असामाजिक तत्वों की गतिविधियां बढ़ गई हैं। बीते कुछ दिनों में इस मार्ग पर रात के अंधेरे में हत्या जैसे संगीन अपराध भी हो चुके हैं, जिससे सुरक्षा को लेकर लोगों की चिंता और बढ़ गई है।स्थानीय निवासी श्री रामनारायण साहू ने बताया, रात के समय जब हम काम से लौटते हैं, तो इस रास्ते पर अंधेरा होने के कारण बहुत डर लगता है। कई बार भारी वाहन इतने नजदीक से गुजरते हैं कि जान का खतरा महसूस होता है।ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष श्री राजु रेड्डी जी का अपिल वहीं, ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष श्री राजु रेड्डु ने एनएमडीसी प्रबंधन से समाचार के माध्यम से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इस मार्ग पर जल्द से जल्द स्ट्रीट लाइट लगाई जाए, ताकि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। क्षेत्रवासियों ने भी समाचार पत्रों के माध्यम से एनएमडीसी कंपनी से पुनः अनुरोध किया है कि इस मार्ग पर शीघ्र प्रकाश व्यवस्था की जाए, जिससे आमजन सुरक्षित और निश्चिंत होकर आवागमन कर सकें।

नशे के अवैध कारोबार पर पुलिस ने की कार्रवाई

किरंदुल,24 अप्रैल।जिला द0ब0 दन्तेवाड़ा में अपराध पर अंकुश लगाने तथा कानुन व्यवस्था बनाये रखने हेतु पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा श्री गौरव राय (भा.पु.से), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री स्मृतिक राजनाला (भा.पु.से), श्रीमती पूजा कुमार (भा.पु.से),श्री आर.के.बर्मन (रा.पु.से) द्वारा लगातार अवैध शराब बिक्री के विरूद्ध लगातार कार्यवाही करने निर्देश प्राप्त होने पर पुलिस अनुविभागीयअधिकारी किरन्दुल श्री कपील चन्द्रा (रा.पु.से) के मार्गदशन में थाना प्रभारी किरन्दुल संजय कुमार यादव के नेतृत्व में दिनांक 22/04/2025 को बंगाली कैम्प किरंदुल निवासी सुभाष देबनाथ उर्फ नाटा किरन्दुल द्वारा अवैध नशीला टैबलेट व कैप्शूल बिक्री करने की सूचना पर थाना किरन्दुल की टीम बनाकर गवाहों के साथ आरोपी के घर पर रेड कार्यवाही की गई मौके पर गवाहों के समक्ष तलाशी में आरोपी के घर से 1000 नग अल्प्राजोलम टैबलेट , 144 नग स्पास्मो कैप्सूल एवं बिक्री रक़म 3000/ रखा मिला जिसे विधीवत् कार्यवाही करते हुए उक्त नशीला टैबलेट, कैप्सूल एवं बिक्री रकम को जप्त कर आरोपी सुभाष देवनाथ उर्फ नाटा उम्र 46 वर्ष को को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के विरूद्ध थाना किरंदुल में धारा 21(ष्ट) ह्ष्ठक्कस् एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जाकर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक लीलाराम गंगबेर, सउनि अनिता चौधरी, प्र. आर. नुरेन्द्र भारती, आर. जोगा कुंजाम, मनोज साहू, सुभाष, देवलाल सिदार, विक्रांत साहू, म.आर. सोनिया नेताम, सुरेखा सलाम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

समस्याओं को लेकर शिक्षक संगठन मिले जेडी से

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 24 अप्रैल। बस्तर जिले के विभिन्न शिक्षक संगठनों ने एक साथ मिलकर शिक्षक समस्या को लेकर आवाज उठाई है। सभी प्रमुख शिक्षक संगठनो ने एक साथ मिलकर सर्व शैक्षिक संगठन बनाकर एक मंच से शिक्षकों समस्याओ को लेकर अधिकारियो में मिलकर समाधान करने क़ी मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सर्व शैक्षिक संगठन के द्वारा शिक्षा विभाग के ज्वाइंट डाइरेक्टर (जेडी) संजीव श्रीवास्तव से मिलकर चर्चा क़ी है। जिसमे प्रमुख रूप से बस्तर संभाग में प्रमोशन के लिये सहायक शिक्षक से शिक्षक, शिक्षक से प्रधान पाठक के पदों पर समय सारिणी बनाकर किया जाना, वरिष्ठता सूची को त्रुटि रहित तैयार किया जाना, शिक्षकों क़ी जीपीएफ पासबुक और सेवा पुस्तिका को दुरुस्थ किया जाना, शिक्षकों को निर्वाचन कार्य के अलावा अन्य समस्त प्रकार के गैर शिक्षकीय कार्यों से मुक्त करने, बस्तर संभाग में कई जिलों में शिक्षकों को तेंदुपत्ता संग्रहण कार्य में चौकीदारी ड्यूटी लगा दी गई है, ऐसे आदेशों को तत्काल निरस्त कर जिम्मेदार अधिकारियो पर कार्यवाही करने, सेवा पुस्तिका का सत्यापन कार्य डीडीओ के माध्यम से कराने आदेशित करने, पदोन्नति के लिये अविलम्ब जानकारी उच्च कार्यालय को प्रेषित करने, बस्तर संभाग के समस्त शिक्षकों को 2020 से ग्रीष्मवकाश में मुख्ययालय नहीं छोड़ने के आदेश के तहत नियमानुसार अर्जित अवकाश को सेवा पुस्तिका में इंद्राज करने, सीजी स्कूल पोर्टल में सात दिन का विशेष अर्जित अवकाश को दर्ज करने हेतु डीडीओ को आदेशित करने, समस्त प्रमोशन के रिक्त पदों व स्कूलों क़ी जानकारी सार्वजनिक करने, स्कूल समय सारिणी में राज्य और जिला कार्यालय के आदेशों में एकरूपता लाने सम्बंधित मांगे रखी गई। उक्त समस्त मांगों पर विचार कर समस्या का निराकरण करने क़ी जेडी संजीव श्रीवास्तव के द्वारा सहमति दी गई।इस दौरान प्रवीण श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, शिवसिंह चंदेल, राजेश गुप्ता, गजेंद्र श्रीवास्तव, आर डी तिवारी, देवराज खूंटे, मनीष ठाकुर, नीलमणी साहू सहित संगठन के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत बच्चों ने देखा मेडिकल कॉलेज, एयरपोर्ट व स्टील प्लांट

सुकमा,24 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन तथा मार्गदर्शन में पीएमश्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कोंटा के छात्र-छात्राओं ने समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय आविष्कार अभियान कार्यक्रम के तहत आयोजित शैक्षणिक भ्रमण में जगदलपुर का भ्रमण किया। इस भ्रमण का आयोजन पीएम श्री योजना के अंतर्गत जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मिशन समन्वयक के मार्गदर्शन में किया गया। मंगलवार प्रातः सात बजे पी एम श्री स्वामी आत्मानंद विद्यालय कोंटा के विद्यार्थियों के दल को एक्सपोज़र विजिट के लिए शाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष जी.साईं रेड्डी के द्वारा हरी झंडी दिखाकर यात्रा के लिए रवाना किया गया। इस दौरान पी विजय, पार्षद नगर पंचायत कोंटा, समीर कीर्तनिया, जनप्रतिनिधि श्री पुल्ली गोलू , श्री पांडु एवं प्राचार्य श्री बी एएल औरसा, प्रधान अध्यापक श्री टी श्रीनिवास राव एवं अन्य शिक्षक उपस्थित रहे ।छात्र-छात्राओं ने इस शैक्षणिक यात्रा के दौरान मेडिकल कॉलेज डिमरापाल, मानव विज्ञान संग्रहालय, राजमहल,माई दंतेश्वरी एयरपोर्ट एवं नगरनार स्थित एनएमडीसी स्टील प्लांट का अवलोकन किया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यवहारिक ज्ञान से जोड़ते हुए उनके शैक्षणिक क्षितिज को विस्तृत करना रहा। प्राचार्य श्री श्री बी एल औरसा के नेतृत्व में शिक्षक श्री रामसिंह, श्री विकास विश्वास, श्री महेंद्र पाल, मोनिका शास्त्री, कमला, गीता एवं संजय के साथ बच्चों ने जगदलपुर स्थित विभिन स्थलों का भ्रमण कर जानकारी प्राप्त किया। सुदूर वनाचलों के इन विद्यार्थियों में कई ऐसे विद्यार्थी भी हैं जिन्होंने कभी जगदलपुर और विमान नहीं देखा। विद्यार्थी इस भ्रमण से बेहद उत्साहित और खुश हुए।

भीषण गर्मी के चलते बढ़ी गर्मी की छुट्टियां

सुकमा,24 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और लू की स्थिति को देखते हुए ग्रीष्मकालीन अवकाश की तिथि में संशोधन किया गया है। अब राज्य के सभी शासकीय, अनुदान प्राप्त, गैर अनुदान प्राप्त तथा अशासकीय शालाओं में 25 अप्रैल 2025 से 15 जून 2025 तक ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया है। पूर्व में यह अवकाश 1 मई से शुरू होने वाला था, लेकिन बच्चों के स्वास्थ्य पर गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन ने यह निर्णय लिया है। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर से जारी आदेश के अनुसार, यह अवकाश केवल विद्यार्थियों के लिए रहेगा। शिक्षकों पर यह आदेश लागू नहीं होगा तथा पूर्व में जारी आदेश की अन्य सभी शर्तें पूर्ववत लागू रहेंगी।

पृथ्वी दिवस पर प्रकाश विद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित,पौधे भी लगाए गए

किरंदुल, 24 अप्रैल। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने और समाज में हरियाली का संदेश देने के उद्देश्य से इंडिया द्वारा पृथ्वी दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन प्रकाश विद्यालय किरंदुल में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में चित्रकला प्रतियोगिता और वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ।इस रंगारंग और प्रेरणादायक आयोजन में कुल तीन स्कूलों के 300 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नन्हे कलाकारों ने अपनी कल्पनाओं को रंगों में पिरोते हुए पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी भावनाओं को अपनी कला के माध्यम से प्रस्तुत किया। इन चित्रों में जहां एक ओर धरती माता की करुण पुकार थी, वहीं दूसरी ओर बच्चों की उम्मीद और हरियाली से सजी एक सुंदर दुनिया की कल्पना भी थी।

प्रतियोगिता के विजेताओं कोकिरंदुल के वरिष्ठ प्रबंधन, शिक्षकगण एवं विद्यालय स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति में सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में बच्चों के चेहरों पर खुशी की चमक देखने लायक थी, जिसने इस आयोजन को और भी यादगार बना दिया।कार्यक्रम की सबसे विशेष बात यह रही कि पुरस्कार वितरण के पश्चात विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया, जिसमें स्कूल स्टाफ, शिक्षकगण और रूह्ररू किरंदुल के वरिष्ठ प्रबंधन ने मिलकर भाग लिया। इस दौरान दर्जनों पौधे लगाए गए, जिनके माध्यम से भविष्य की हरियाली की नींव रखी गई। इंडिया ने इस अवसर पर यह संदेश दिया कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन की पहल नहीं, बल्कि यह एक सतत प्रयास है, जिसे समाज के हर वर्ग को अपनाना होगा। बच्चों के माध्यम से यह संदेश समाज तक पहुंचाने की इस कोशिश को अभूतपूर्व सफलता मिली।इस कार्यक्रम ने न सिर्फ विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न की, बल्कि स्थानीय समुदाय को भी यह सोचने पर मजबूर किया कि अब समय आ गया है कि हम सब मिलकर प्रकृति की रक्षा करें।आइए, हम सब संकल्प लें – हर दिन को पृथ्वी दिवस बनाएं, हर कदम को हरियाली की ओर मोड़ें।

नवीन नक्सल पुनर्वास नीति का लाभ दिलाने कांकेर में विशेष शिविर आयोजित

कांकेर 24 अप्रैल । राज्य शासन द्वारा लागू की गई नवीन नक्सल पुनर्वास नीति-2025 के तहत जिले में निवासरत माओवादी पीड़ित एवं प्रभावित परिवारों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार नगर के न्यू कम्युनिटी हॉल में आज विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रभावित परिवारों का मौके पर विभिन्न प्रकार के दस्तावेज तैयार किए गए, साथ ही योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें लाभ लेने का अनुरोध किया गया।नगर पालिका कांकेर के न्यू कम्यूनिटी हॉल में आयोजित प्रथम विशेष शिविर में काफी संख्या में प्रभावित परिवार के लोग पहुंचे, जहां पर विभिन्न विभागों के सहयोग से आवश्यक दस्तावेज तैयार किए गए। इस दौरान खाद्य विभाग, कौशल विकास, श्रम, अग्रणी बैंक, चिप्स, स्वास्थ्य विभाग, कृषि, राजस्व, विद्युत, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, समाज कल्याण, आदिवासी विकास, अंत्यावसायी विकास निगम तथा जिला पंजीयक द्वारा स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को लाभान्वित किया गया। मौके पर ही 06 लोगों ने आधार कार्ड अपडेट कराया तथा एक का नया आधार हेतु पंजीयन कराया गया। इस तरह श्रम विभाग द्वारा 06 आवेदकों का नया पंजीयन किया गया। इसके अलावा एक बच्ची का आयुष्मान कार्ड मौके पर बनाया गया।कलेक्टर ने शिविर स्थल का अवलोकन एवं निरीक्षण कर सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशानुसार पीड़ित एवं प्रभावित परिवारों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए शत-प्रतिशत सैचुरेट करें। उन्होंने कहा कि विभिन्न जरूरी दस्तावेजों के अभाव में कई ऐसे परिवार हैं जो शासन की योजनाओं का लाभ लेने से वंचित रह जाते हैं, ऐसे में उन्हें लाभान्वित करने प्राथमिकता से दस्तावेज बनाया जाना बेहद आवश्यक होता है, इसीलिए विशेष शिविर आयोजित किया गया है। शिविर स्थल में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 24 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवा वितरित की गई। इस दौरान कुल 52 आवेदन प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर श्री जितेन्द्र कुमार कुर्रे तथा एसडीएम कांकेर श्री अरूण वर्मा ने उपस्थित विभागीय अधिकारियों को शीघ्रता से दस्तावेज तैयार करने के निर्देश दिए।

एक नजर

गर्ल्स स्कूल रायगढ़ में इंटर्नशिप प्रमाणपत्र का वितरण

रायगढ़, 24 अप्रैल। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायगढ़ में आज व्यवसायिक शिक्षा के अंतर्गत सूचना प्रोद्योगिकी ट्रेड के विद्यार्थियों को इंटर्नशिप सर्टिफिकेट का वितरण किया गया। भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा छत्तीसगढ़ राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए हर साल इंटर्नशिप कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है इसमें सभी व्यवसायिक शिक्षा में भाग ले रहे विद्यार्थियों को 10 दिवस व्यावसायिक ट्रेड से संबंधित किसी भी संस्थान में अपना इंटर्नशिप कार्य पूर्ण करना अनिवार्य होता है जिससे विद्यार्थी अपने ट्रेड से संबंधित प्रायोगिक ज्ञान को एवं मार्केट में उपस्थित सभी जॉब प्रोफाइल को भली-भांति समझ सके। विद्यालय में अध्यनरत कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवी आईटी ट्रेड में क्रमशः 40 एवं 26 कुल 66 विद्यार्थियों ने 13 से 24 फरवरी 2025 के मध्य नाइस टेक्नोलॉजी कंप्यूटर संस्थान रायगढ़ से अपना इंटर्नशिप पूर्ण कार्य पूर्ण किया। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को कंप्यूटर विषय में रोजगार से संबंधित वेब टेक्नोलॉजी कोडिंग एवं बेसिक डेटा एंट्री ऑपरेटर का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण समापन के बाद संस्था प्रमुख श्री नारायण भोई के द्वारा विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गया। शाला में सर्टिफिकेट्स वितरण समारोह के दौरान संस्था प्रमुख प्राचार्य श्री विजय कुमार तिर्की सहित संस्था के सभी शिक्षकगण तथा आईटी व्यावसायिक प्रशिक्षिका सुश्री भारती दास उपस्थित थी।

रेडी टू ईट एवं फोर्टिफाइड आटा निर्माण व आपूर्ति के लिए 29 अप्रैल तक आवेदन

रायगढ़, 24 अप्रैल। जिले के बाल विकास परियोजना/परियोजनाओं के आंगनबाड़ी केन्द्रों में रेडी टू ईट एवं फोर्टिफाईड आटा का निर्माण एवं आपूर्ति करने के लिए फर्म एवं सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत पंजीकृत सक्षम महिला स्व-सहायता समूहों से आवेदन मंगाए गए है। इच्छुक महिला स्व-सहायता समूह अपना आवेदन 29 अप्रैल 2025 तक कार्यालयीन समय में डाक/कोरियर के माध्यम से कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, रायगढ़ में भेज सकते है।जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री एल.आर.कच्छप ने बताया कि इच्छुक महिला स्व-सहायता समूह इससे संबंधित शर्ते व विस्तृत विवरण एवं आवेदन पत्र का प्रारूप जिला कार्यालय महिला एवं बाल विकास/बाल विकास परियोजना समस्त जिला रायगढ़ के कार्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त कर सकते है अथवा रायगढ़ जिले की वेबसाईड में अवलोकन कर सकते है। इस संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, रायगढ़ में संपर्क कर सकते है।

लू-तापघात से बचाव एवं नियंत्रण के लिए जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित

रायगढ़, 24 अप्रैल। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल के निर्देशन में ग्रीष्मकाल में लू-तापघात से बचाव एवं नियंत्रण हेतु जिला कार्यालय रायगढ़ के कक्ष क्रमांक 19 में जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। जिसका फोन नंबर 07762-223750 है। साथ ही डिप्टी कलेक्टर श्रीमती रेखा चन्द्रा को नोडल अधिकारी एवं नगरीय निकाय एवं सर्व जनपद/ तहसील क्षेत्र हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए है। नियंत्रण कक्ष में आम नागरिकों से प्राप्त होने वाले शिकायत को पंजी में दर्ज करने, आपदा की स्थिति में तत्काल सूचना प्रसारित करने तथा अधिकारियों द्वारा दिए गए आदेश/निर्देश का पालन किए जाने हेतु 24 घंटा फोन अटैण्ड करने के लिए आगामी आदेश पर्यन्त नगर सैनिकों की ड्यूटी लगाई गई है। जिसमें प्रातः 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक नगर सैनिक क्रमांक 202 श्री गजेन्द्र सिंह मोबा.नं.93299-55828 की ड्यूटी लगाई गई है। इसी तरह दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक श्री महेश साहू नगर सैनिक क्रमांक 42 मोबा.नं.90398-65526 तथा रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक श्री हरिशंकर चौहान नगर सैनिक क्रमांक 125 मोबा.नं.95757-04296 की ड्यूटी लगाई गई है।

गिरते भू-जल स्तर पर नियंत्रण के लिए संगम अभियान की शुरुआत

महासमुंद 23 अप्रैल । छत्तीसगढ़ के ग्रामीण विकास विभाग ने राज्य में गिरते भू-जल स्तर को नियंत्रित करने और जल उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से ÷संगम अभियान÷ की शुरुआत की है। यह अभियान जनप्रतिनिधियों, महिला समूहों, पंचायत कर्मियों और विभिन्न विभागों के सहयोग से जनभागीदारी के माध्यम से संचालित किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सामूहिक प्रयासों से भू-जल संरक्षण और संवर्धन सुनिश्चित करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी, खेती और घरेलू उपयोग के लिए जल संकट एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। इसे देखते हुए प्रत्येक ग्राम पंचायत में जीआईएस आधारित जल संचय और आजीविका संवर्धन योजना तैयार की जाएगी, जिसे ग्राम पंचायत विकास योजना में भी शामिल किया जाएगा।इस अभियान में सर्वप्रथम 24 अप्रैल को सभी पंचायत भवनों की दीवारों पर संबंधित ग्राम पंचायत का भूजल स्तर (मीटर में) अंकित किया जाएगा। साथ ही खुले कुओं का जलस्तर वर्ष में दो बार जलदूत ऐप के माध्यम से मापा जाएगा और इसका डाटा अपलोड किया जाएगा। भू-जल रिचार्ज के लिए 'कैच द रेन', 'वाटरशेड' और 'महात्मा गांधी नरेगा' जैसी योजनाओं को एकीकृत कर रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा।

इसके तहत रिचार्ज पिट, सैंड फिल्टर, लूज बोल्डर चेक डैम, कंटूर ट्रेंच, अमृत सरोवर और वृक्षारोपण जैसी गतिविधियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा शासकीय भवनों और ग्रामीण आवासों में वर्षा जल संचयन (रेनवॉटर हार्वेस्टिंग) को प्रोत्साहित किया जाएगा। ग्राम सभाओं में समुदाय को पर्याप्त जल युक्त गांव का संकल्प लेने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा।

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ आक्रोश, सर्व समाज ने की कड़ी कार्रवाई की मांग, कैंडल मार्च निकाला, मृत लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

गरियाबंद,24 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले, जिसमें 28 लोगों की नृशंस हत्या की गई, के विरोध में छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सर्व समाज के लोगों ने तीव्र आक्रोश व्यक्त किया। इस जघन्य और कायरतापूर्ण घटना के खिलाफ सर्व समाज ने तिरंगा चौक पर विशाल प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए और केंद्र सरकार से आतंकवाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए मृतको के लिये 2 मिनट मौन रख उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की

सर्व समाज ने प्रदर्शन कर कैंडल मार्च निकाला

प्रदर्शन के दौरान सर्व समाज के लोग तिरंगा चौक पर एकत्र हुए, जहां उन्होंने आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। इस अवसर पर एक कैंडल मार्च निकाला मृत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर प्रार्थना की। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने और देश की एकता व अखंडता को मजबूत करने का संदेश दिया।

पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाने की मांग

प्रदर्शनकारियों ने इस आतंकी हमले को टारगेट किलिंग करार देते हुए कहा कि यह देश की शांति और एकता को कमजोर करने की साजिश है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि पाकिस्तान को इस कायरतापूर्ण कृत्य का कड़ा जवाब दिया जाए। लोगों ने कहा कि ऐसी घटनाओं के दोषियों को जल्द से जल्द कठोर सजा दी जाए और भविष्य में इस तरह की वारदातों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

जनप्रतिनिधियों ने भी की कड़ी कार्रवाई की अपील

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रिखी यादव ने कहा, ÷यह आतंकी हमला देश की संप्रभुता पर हमला है। अब समय आ गया है कि केंद्र सरकार पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाए। ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। वहीं, विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष प्रकाश निर्मल ने कहा, ÷यह टारगेट किलिंग का मामला है। आतंकवादियों को इसका परिणाम भुगतना होगा। केंद्र सरकार को इस हमले का जबरदस्त जवाब देना चाहिए ताकि भविष्य में कोई आतंकी ऐसी हिमाकत न कर सके।

सर्व समाज का संदेश आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता जरूरी

प्रदर्शन में सर्व समाज के लोगों ने कहा कि इस तरह की कायराना हरकतें देश की शांति और अखंडता को कमजोर नहीं कर सकतीं। उन्होंने सरकार से आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने और सीमा पार से होने वाली ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की अपील की।

पहलगाम हमले का पृष्ठभूमि

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में आतंकवादियों ने पर्यटकों को निशाना बनाया, जिसमें 28 लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। इस हमले को पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठनों द्वारा अंजाम दिए जाने की बात कही है।

कश्मीर से लेकर गरियाबंद तक लोगों ने दिखाई एकजुटता

पहलगाम हमले के विरोध में जहां कश्मीर घाटी में बंद का आह्वान किया गया और स्थानीय लोग कैंडल मार्च निकाल रहे हैं, वहीं गरियाबंद जैसे छोटे शहरों में भी लोग आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं। यह प्रदर्शन न केवल आतंकवाद की निंदा का प्रतीक है, बल्कि देश की एकता और संप्रभुता को मजबूत करने का भी संदेश देता है.गरियाबंद के इस प्रदर्शन ने स्पष्ट कर दिया कि देश का हर नागरिक आतंकवाद के खिलाफ एकजुटी के साथ खड़ा है। लोगों ने सरकार से अपील की है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाए।

पानी की समस्या को लेकर बेलर के किसानों ने सिंचाई विभाग के एसडीओ का घेराव किया

राजिम, 24 अप्रैल। राजिम फिंगेश्वर मुख्यालय से लगे ग्राम बेलर में किसानों ने जल संसाधन अधिकारी को लंबे समय तक घेर रखा सैकड़ो की संख्या में एकत्र किसानों में काफी गुस्सा देखने को मिला आपको बता दें कि रबी सीजन के लिए किसानों को सिकासार बांध से धान के लिए पानी दिया गया है वहीं धान अभी का गभोट अवस्था में है और पानी के अभाव के चलते 400 एकड़ में लगे फसल मुरझाने के कगार पर है जिसको लेकर बेलर, बोड़की, फुलझर के किसान लंबे समय से पानी की मांग करते रहे पर विभाग द्वारा किसी भी तरह से ध्यान नहीं देने से आज किसानों ने सिंचाई विभाग के एसडीओ को बेलर में सिंचाई कॉलोनी में स्थित विभाग की भवन में लंबे समय तक घेर रखा था जिसकी जानकारी लगते ही फिंगेश्वर पुलिस भी मौके पर पहुंच शांति

व्यवस्था कायम करते नजर आए किसानों में काफी आक्रोश देखने को मिल रहें थे कुछ किसान जिले के वरिष्ठ अधिकारियों को स्पाट में बुलाने की मांग कर रहे थे वहीं किसानों के द्वारा नहर में शीघ्र पानी छोड़ने की मांग कर रहे है अगर तत्काल पानी नहीं छोड़ने पर अनशन में बैठने की बात कर रहे हैं किसानों ने अधिकारीयों के ऊपर आरोप लगाया जानबूझ कर नहर को बंद कर रहे हैं जिसके कारण खेतो में लगे फसल मुरझाने लगे हैं बोर वाले किसान खेतों में नहर का पानी पला रहे हैं जिसके कारण नहर पानी में धान लगाया किसानों के खेतों में पानी नहीं पहुंच रहे वही

सिंचाई विभाग पांडुका के एसडीओ एमके पंडोरिया ने बताया कि सिकासर जलाशय में पानी की स्टोरेज के हिसाब से जल उपभोक्ता समिति के प्रस्तावित रकबे से ज्यादा एरिया में फसल लगाया गया है और कुछ किसानों के द्वारा नहरों में पंप लगा कर अपने खेतों में पलाने की वजह से भी यह समस्या आ रहे हैं जिसके वजह से किसानों के खेतों में पानी पहुंचाने में दिक्कत हो रही है । वहीं सिकासार में 25 प्रतिशत से भी कम पानी बचा है जिसमें से 15त्न पानी बचाकर रिजर्व रखना पड़ता है रही बात पानी की तो 300 क्यूसेक पानी अभी सिकासर से दिया जा रहा है जिसे कल हमने 200 क्यूसेक पानी और बढ़ाने का मांग किया था अब टोटल 500 क्यूसेक पानी सिकासार बांध से छोड़ने से पानी की दिक्कतें नहीं होगी फसलों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं इसके लिए किसानों के तरफ से भी सहयोग की जरूरत है।

सशक्तिकरण के लिए दो दिव्यांगजनों को बैटरीचालित ट्राईसायकल प्रदान की

बीजापुर, 24 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर के निर्देश एवं मार्गदर्शन में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में बीजापुर जिले में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। आज दिनांक 23 अप्रैल 2025 को दो अस्थिबाधित दिव्यांगजनों को बैटरी चालित ट्राईसायकल का वितरण किया गया। यह ट्राईसायकल उन दिव्यांगजनों को प्रदान की गई जो आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से 80 प्रतिशत दिव्यांगता की श्रेणी में आ गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहला हितग्राही श्री गुडडू लेकाम, पिता स्वर्गीय श्री बुधराम लेकाम, ग्राम कच्चीलवार, ग्राम पंचायत कैका, जिला बीजापुर के निवासी हैं। वे तेलंगाना के धरमारम क्षेत्र में मिर्ची तोड़ने गए थे और वापसी के दौरान कोरचोली के जंगल में आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आकर दाहिना पैर गंवा बैठे।दूसरे हितग्राही श्री माड़वी नंदा, पिता श्री भीमा माड़वी, ग्राम चुटवाही, ग्राम पंचायत तर्रेम, विकासखंड उसूर, जिला बीजापुर के निवासी हैं। वे आधार कार्ड बनवाने तर्रेम गए थे और वापसी के दौरान जंगल में बाथरूम के लिए रुकने पर हुए ब्लास्ट में दाहिना पैर गंवा बैठे।ट्राईसायकल प्राप्त करने पर दोनों हितग्राहियों ने शासन-प्रशासन का आभार व्यक्त किया और कहा कि अब उन्हें आवागमन में सुविधा मिलेगी जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे।यह वितरण कार्यक्रम जिला पंचायत सदस्य श्री मैथियास कुजूर, उप संचालक समाज कल्याण श्री कमलेश कुमार पटेल तथा अन्य कार्यालयीन कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

रायगढ़ में पुलिस का विशेष अभियान, पहचान छिपाकर रह रहे 37 व्यक्ति गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ,24 अप्रैल । जिले में बाहर से आकर पहचान छिपाकर रह रहे संदिग्ध व्यक्तियों की धरपकड़ के लिए पुलिस अधीक्षक श्री दिव्यांग कुमार पटेल के निर्देश पर जिलेभर में विशेष मुसाफिर जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत पूंजीपथरा और कोतवाली थाना क्षेत्र में 37 व्यक्तियों की पहचान जांचकर उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

अक्सर दूसरे जिलों में अपराध कर अपराधी तत्व रायगढ़ जैसे शांत क्षेत्रों में छिपकर रहते हैं और यहां भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। इसे देखते हुए पुलिस समय-समय पर इनकी छानबीन करती है। बुधवार को थाना प्रभारी पूंजीपथरा निरीक्षक राकेश मिश्रा के नेतृत्व में अलग-अलग क्षेत्रों में रह रहे 19 व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पुलिस कंट्रोल रूम लाया गया। उनके आधार कार्ड व अन्य पहचान पत्रों के साथ फिंगरप्रिंट भारत सरकार के नेफिस और नेटग्रिड सॉफ्टवेयर में अपलोड किए गए, जिससे उनके आपराधिक रिकार्ड की जांच हो सके। इस दौरान यह तथ्य सामने आया कि सभी 19 व्यक्ति रायगढ़ में लंबे समय से पहचान छिपाकर रह रहे थे। इस पर पुलिस ने सभी पर प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए धारा 128 क्लस्स तथा पृथक से धारा 170/126, 135(3) क्लस्स के तहत गिरफ्तार कर एसडीएम न्यायालय में पेश किया। इसी तरह थाना कोतवाली अंतर्गत थाना प्रभारी सुखनंदन पटेल के नेतृत्व में विभिन्न इलाकों में रह रहे 18 ऐसे व्यक्तियों को थाने तलब किया गया जिन्होंने पूर्व में मुसाफिरी दर्ज नहीं कराई थी। जांच में पहचान छिपाकर रहना प्रमाणित होने पर इन्हें भी समान धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया में प्रस्तुत किया गया। कोतवाली और पूंजीपथरा थाने की कार्रवाई में पकड़े गए व्यक्तियों में अधिकांश पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, मालदा जिले के रहने वाले हैं, जो रायगढ़ के चक्रधरनगर, पूंजीपथरा, गेरवानी, उर्दना व भैंसाकोठा जैसे इलाकों में अलग-अलग किराये के मकानों में रह रहे थे।रायगढ़ पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के विशेष जांच अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे ताकि जिले में बाहरी आपराधिक तत्वों की घुसपैठ को रोका जा सके। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी बाहरी व्यक्ति की गतिविधियां संदिग्ध लगें तो तत्काल निकटतम थाना को सूचित करें।

नियद नेल्लानार योजना के तहत सभी चिन्हांकित गांवों का शत-प्रतिशत सैचुरेशन सुनिश्चित करने कलेक्टर के निर्देश

बीजापुर, 24 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला कलेक्टर श्री संबित मिश्रा ने आज साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर विभागों के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित ÷सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री संबित मिश्रा ने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नियद नेल्लानार योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि चिन्हांकित गांवों एवं लाभार्थियों का शत-प्रतिशत सैचुरेशन अनिवार्य रूप से किया जाए। इसके तहत आत्मसमर्पित नक्सली, नक्सल पीड़ित परिवारों एवं ग्रामीणों को आधार कार्ड, पंजीयन, राशन कार्ड, बैंक खाता, आदि मूलभूत दस्तावेजों की सुविधा उपलब्ध कराई जाए, साथ ही केन्द्र व राज्य शासन की सभी योजनाओं का लाभ दिलाकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाया जाए।नियद नेल्लानार योजना का दायरा अब 10 किमी तक विस्तारितनियद नेल्लानार योजना के कार्यान्वयन को और व्यापक करते हुए अब इसका दायरा सुरक्षा शिविरों के आसपास 5 किलोमीटर से बढ़ाकर 10 किलोमीटर तक कर दिया गया है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि इस विस्तारित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी हितग्राहियों को शासन की समस्त योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए।बैठक में अपर कलेक्टर श्री भूपेन्द्र अग्रवाल, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के सीईओ, सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार में कचरा बाई के आवेदन का हुआ शीघ्र निराकरण, गर्मी में नहीं होगी अब पेयजल की समस्या

रायगढ़, 24 अप्रैल। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप रायगढ़ जिले में सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की जनहितैषी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। तीन चरणों में संपन्न होने वाले सुशासन तिहार के दूसरे चरण में विभागों में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के साथ त्वरित निराकरण किया जा रहा है।विकासखंड खरसिया के ग्राम गुरदा निवासी श्रीमती कचरा बाई सारथी ने सुशासन तिहार में अपने मोहल्ले के खराब हो चुके हैण्डपंप के सुधार के लिए आवेदन किया था। जिसका लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग द्वारा त्वरित निराकरण करते हुए हैण्ड पंप का मरम्मत किया गया। श्रीमती कचरा बाई सारथी ने बताया कि इस हैण्डपंप से 10 से 15 परिवार पेयजल का उपयोग करते है, लेकिन हैण्डपंप में खराब होने के कारण दूर से पानी लाना पड़ता था, जिससे मोहल्लेवासियों को काफी दिक्कतें हो रही थी। लेकिन सुशासन तिहार में आवेदन के पश्चात पेयजल की समस्या को दूर किया गया। उन्होंने सुशासन तिहार के आयोजन के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा है कि अब गर्मी में पेयजल की समस्या नहीं होगी। इसी तरह जनपद पंचायत पुसौर के ग्राम पंचायत लोहाखान निवासी निवासी श्री सुदर्शन प्रधान ने अपनी मानसिक रूप से दिव्यांग बिटिया के यूडीआईडी कार्ड बनवाने के लिए आवेदन किया था। श्री प्रधान के आवेदन का समाज कल्याण विभाग ने शीघ्र निराकरण करते हुए 12 वर्षीय डिंपल प्रधान का यूडीआईडी कार्ड बनाकर प्रदान किया। डिंपल के पिताजी श्री सुदर्शन प्रधान मूलतः किसान है, उनके दो बच्चे में से डिंपल छोटी है डिंपल को यूडीआईडी कार्ड जारी करने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि सुशासन तिहार लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए एक अच्छी पहल है। डिंपल का यूडीआईडी कार्ड जारी होने से खाद्य, दिव्यांग पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, विशेष विद्यालय, सहायक उपकरण जैसी विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ अब मिल पाएगा।उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सुशासन तिहार से आमजन के लिए संवाद से समाधान की पहल की है। सुशासन तिहार के दूसरे चरण में लोगों से मिले आवेदनों का तेजी से निराकरण किया जा रहा है। सुशासन तिहार-2025 एक ऐसी पहल है जिसका उद्देश्य शासन प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसहभागिता को प्रोत्साहित करना है। यह त्योहार न केवल सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह नागरिकों और सरकार के बीच विश्वास की मजबूत नींव भी रखता है। डिजिटल तकनीकों के माध्यम से सेवा वितरण को सरल, त्वरित और प्रभावशाली बनाना है।

चाइल्ड हेल्प लाइन के रिक्त पदों पर 25 अप्रैल तक दावा-आपत्ति

रायगढ़, 24 अप्रैल। महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत चाईल्ड हेल्प लाईन (1098) के तहत रिक्त संविदा 8 पदों की भर्ती हेतु प्रारंभिक सूची रायगढ़ जिले के वेबसाईट www.raigarh.gov.in तथा कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के सूचना पटल में चस्पा किया गया है। उक्त सूची के संबंध में किसी भी अभ्यर्थी को कोई आपत्ति हो तो वे 25 अप्रैल 2025 तक कार्यालयीन समय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा स्पीड पोस्ट या पंजीकृत डाक के माध्यम से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

प्राइवेट हॉस्पिटल की मनमानी से मरीज परेशान, साहू ने डिप्टी कलेक्टर को कार्रवाई करने ज्ञापन सौंपा

महासमुंद, 24 अप्रैल। भारत सरकार कई शानदार योजनाओं का संचालन कर रही है। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को किसी प्रकार की ऑपरेशन होने पर उनकी सारी जमा पूंजी इलाज में ही खर्च हो जाती है। इस कारण उनकी आर्थिक स्थिति और भी ज्यादा खराब हो जाती है। इसी समस्या को देखते हुए कुछ सालों पहले भारत सरकार ने एक बेहद ही खास योजना की शुरुआत की थी।आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत भारत सरकार देश के गरीब लोगों को पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान कर रही है।प्राइवेट हॉस्पिटल कर रहे मनमानी राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, इलाज करने से सख्त मना किया जा रहा है, महासमुंद अकाल पूरक प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट अमेरिका निषाद के परिजन ने बताया कि बड़े ऑपरेशन में लड़की का जन्म हुआ, आज छुट्टी करने गया तो हॉस्पिटल वाले बोले हमारे यहां कोई राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड नहीं चलता, कैश 45000 रुपए जमा करो तभी डिस्चार्ज होगा, आर्थिक रूप से कमजोर गरीब परिवार पैसा देने में असमर्थ रहातब जाकर सारी समस्या को भाजपा किसान नेता अशवंत तुषार साहू को बताया जिसकी कार्रवाई के लिए डिप्टी कलेक्टर सृष्टि चंद्राकर को ज्ञापन देकर कार्रवाई करने का मांग किया महासमुंद जिले व शहर के सभी हॉस्पिटलों में आयुष्मान कार्ड राशन कार्ड से इलाज करने का निर्देशित, सी. एम. एच. ओ को कॉल करके कहा ।

आरक्षक मनमोहन मरकाम 11 जनवरी से लापता, पुलिस ने की जनता से सहयोग की अपील

बीजापुर, 24 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। थाना तारलागुड़ा अंतर्गत 13वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 'ए' कंपनी, तारूड में पदस्थ आरक्षक क्रमांक 211 श्री मनमोहन मरकाम दिनांक 11 जनवरी 2025 से लापता हैं। प्रधान आरक्षक विमल किंडो ने इस संबंध में थाना तारलागुड़ा में गुम इंसान रिपोर्ट क्रमांक 01/2025 दर्ज कराई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, 11 जनवरी को लगभग दोपहर 12:35 बजे कैंप परिसर में चेकिंग के दौरान आरक्षक मनमोहन मरकाम अनुपस्थित पाए गए। आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन करने और स्थानीय लोगों से पूछताछ करने के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया। इसके चलते 16 जनवरी 2025 को उनके लापता होने का जिला स्तर पर इस्तहार जारी किया गया।

गुम इंसान का विवरण इस प्रकार है

रंग-सांवला ऊंचाई - 5 फीट 6 इंच बाल -काले चेहरा : गोल शरीर - दुबला-पतला भाषा - हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी पहनावा - पेंट और शर्ट। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को भी आरक्षक मनमोहन मरकाम के संबंध में कोई जानकारी प्राप्त हो, तो तुरंत नीचे दिए गए संपर्क नंबरों पर सूचित करें।

संपर्क सूत्र- 1. पुलिस नियंत्रण कक्ष - 62615-60040

2. थाना प्रभारी, तारलागुड़ा - 94791-94419 लापता आरक्षक की तस्वीर भी संबंधित थाने और सार्वजनिक स्थलों पर चस्पा की जा चुकी है। आमजन से आग्रह है कि किसी भी प्रकार की सूचना देने में सहयोग करें।

डीडब्ल्यूपीएस की टीम ने राष्ट्रीय रिबाउंडर बॉल स्पर्धा में बजाया विजय का डंका

अब थाईलैंड में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का करेगी प्रतिनिधित्व

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा, 24 अप्रैल। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल भाटापारा (डीडब्ल्यूपीएस) की जांबाज़ टीम ने छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए -11 और -14 श्रेणियों में अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। 11 मिनी कटेगरी में सेक नोमान, श्रीवांश आर्या, अथर्व दत्त पाठक, अनम बघेल, प्रांजल जांगड़े, धरुन तिवारी, दिव्यांश पाण्डेय, अक्षय मंधान तथा -14 सब जूनियर कटेगरी में अमन शर्मा, पीयूष कुमार पटेल, कान्हा दवानी, पार्थ सिंह बैस, नमन धैंग, तन्मय साहू, नभ्य थारानी, अक्षत साहू और हर्ष साहू सम्मिलित थे।

18 से 20 अप्रैल 2025 तक आयोजित इस भव्य राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, असम, मेघालय, हैदराबाद और गुजरात सहित देश के विभिन्न राज्यों की प्रतिभाशाली टीमों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। किंतु अपने

अद्वितीय कौशल, मजबूत इच्छाशक्ति और अनुशासन के बलबूते डीडब्ल्यूपीएस की टीम ने एक-एक मुकाबले में विजय दर्ज करते हुए यह चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही डीडब्ल्यूपीएस की टीम ने अंतर्राष्ट्रीय खेल मंच पर भी कदम रख दिया है। अब यह विजेता टीम भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए थाईलैंड में आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय रिबाउंडर बॉल चैंपियनशिप में हिस्सा लेगी। यह न केवल विद्यालय बल्कि छत्तीसगढ़ राज्य और पूरे देश के लिए अत्यंत गौरव का अवसर है।

टीम के कोच दिलीप यादव के कुशल मार्गदर्शन में इन खिलाड़ियों ने निरंतर अभ्यास कर अपनी खेल प्रतिभा को इस मुकाम तक पहुँचाया। कोच यादव ने कहा- ÷हमारे खिलाड़ियों ने अथक परिश्रम और अनुशासन से यह सिद्ध कर दिखाया है कि कोई भी मंज़िल मुश्किल नहीं। अब वे भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी देश का नाम रोशन करेंगे। मुझे उन पर गर्व है। इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधक अश्विनी शर्मा, संदीप गोयल तथा प्रधानाचार्य योगेश पोपट ने टीम को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रबंधक शर्मा ने कहा- ÷विद्यालय के लिए यह अत्यंत गर्व का क्षण है कि हमारे विद्यार्थी अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं। यह न केवल विद्यालय बल्कि छत्तीसगढ़ और भारत के लिए भी विशेष उपलब्धि है। हमें पूरा विश्वास है कि हमारी टीम थाईलैंड में भी अपने जौहर का लोहा मनवाएगी।

समाचार संक्षेप

हत्या के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 24 अप्रैल। 21 अप्रैल को थाना प्रभारी छुरा को सूचना मिला कि बिसनी मारकण्डे नामक महिला की उसके पति गोपीराम मारकण्डे के द्वारा चाकू से वार कर निर्मम हत्या कर दी गई। मृतिका बिसनी मारकण्डे का विवाह लगभग 15 वर्ष पूर्व महासमुंद निवासी गोपीराम मारकण्डे के साथ हुआ था। पारिवारिक विवादों के चलते, वह दो वर्ष पूर्व अपने पति का घर छोड़कर अपनी मां सरोज बाई आडिल के साथ छुरा स्थित अपने मायके में रह रही थीं। उनके दो बच्चे अपने पिता के साथ महासमुंद में रहते थे, जो स्कूल की छुट्टियां होने के कारण आठ-दस दिन पूर्व अपनी मां के पास छुरा आए हुए थे।

मृतिका बिसनी बाई मारकण्डे दिनांक 20 अप्रैल को रायपुर से केटरिंग का काम कर वापस अपने घर छुरा आई थी। दिनांक 21 अप्रैल को सुबह लगभग 11.00 बजे मृतिका के भाई को उनके पड़ोसी ने फोन कर घटना की सूचना दिए की आरोपी गोपीराम द्वारा बिसनी बाई को चाकू मारकर भाग गया है। सूचना मिलते ही मृतका के भाई द्वारा छुरा आकर अपने घर में देखा कि पीड़ित महिला की हल्की कराहने की आवाज आ रहा था। जिसे सुनकर तत्काल एम्बुलेंस और पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस के पहुंचने पर बिसनी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, छुरा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में यह पाया गया है कि आरोपी गोपीराम मारकण्डे अपनी पत्नी बिसनी को अपने साथ महासमुंद ले जाना चाहता था, जिसका बिसनी ने विरोध किया। इसी बात से नाराज होकर गोपीराम ने जान से मारने की नीयत से चाकू से हमला कर उनकी हत्या कर दी। आरोपी का उक्त गुप्त कृत्य अपराध धारा 103(1) हत्या का मामला पाए जाने से अपराध पंजी मत कर विवेचना में दिया गया। आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त सबूत पाए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्याय हिरासत में भेजा गया।

गिरफ्तार आरोपी का नाम गोपी मारकंडे पिता हेमलाल मारकंडे उम्र 36 वर्ष निवासी महासमुंद थाना सिटी कोतवाली महासमुंद जिला महासमुंद है।

एक नजर

शैल साहू बनी रायपुर जिपं की सभापति

सिमगा, 24 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। शैल महेंद्र साहू को ज़िला पंचायत

रायपुर के सभापति महिला बाल विकास विभाग बनाए जाने पर उनके कार्यकर्ताओं व क्षेत्र के जनता में हर्ष व्याप्त है उन्हें बधाई और शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए उनके नए दायित्व के लिए आशीर्वाद दिया जिनमें प्रमुख रूप से पवनकुमार साहू, गौतम साहू, महेंद्र जेठी, जनपद सदस्य शत्रुघ्न यदु, जनपद सदस्य देवेंद्र वर्मा, सुखदेव साहू, तखत साहू, संपत साहू, रोमलाल साहू, राजू साहू, ज्योतिष कुमार सरपंच प्रतिनिधि, चंद्रप्रकाश चौबे, लोकेश कश्यप, दिलीप साहू, नेतराम साहू, पोषण मढ़रिया, पोषण वर्मा, डा. शोभित वर्मा, हिमांशु निषाद सावन नायक, कन्हैया कुमार साहू, सुधीर नायक, पंकज साहू, इंद्रकुमार साहू, मनहरण लाल साहू, विश्राम साहू, शरद कुमार राजपुत, तिलेश निर्मलकर, मोरज़ वर्मा, पप्पू यदु, डा. जनकलाल साहू, जगदीश साहू, राजेश सोनवानी, मुकेश साहू, आनंद वर्मा, कपिल वर्मा, माखन साहू, धर्मेंद्र दास, अमीतोष धीरज, प्रदीप जांगड़े, रजत वर्मा, बँटी सेन, मनोज साहू, डा. जितेश्वर साहू, डा. जगराशन साहू, साथ ही भारी संख्या में कार्यकर्ता शुभकामनाएँ देने पहुँचे।

उचित मूल्य की अतिरिक्त दुकान खोले जाने की प्रक्रिया शुरू

भाटापारा, 24 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के सुचारू रूप से संचालन हेतु शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु आवेदन पत्र मंगाये गये है अनुविभाग भाटापारा अंतर्गत सार्वजनिक वितरण प्रणाली के सुचारू एवं निर्बाध क्रियान्वयन हेतु नगर पालिका परिषद अंतर्गत 1. पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड एवं 2. दाऊ कृष्ण कुमार वार्ड व विकासखंड भाटापारा अंतर्गत ग्राम पंचायत तरेंगा में एक अतिरिक्त उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु आवेदन आमंत्रित कि गए हैं। संचालन हेतु इच्छुक संस्थाएं - महिला स्व सहायता समूह, सहकारी संस्थाएं, खाद्य एवं पोषण समिति एवं अन्य पंजीकृत संस्थाए 8 मई 2025 को सायं 5.30 बजे तक कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) भाटापारा मे निर्धारित प्रारुप में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं नियत समयावधि पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नही किया जावेगा। इस संबंध मे सहायक खाद्य अधिकारी लक्ष्मण कश्यप ने बताया, नगर पालिका परिषद अंतर्गत 2 व ग्राम पंचायत तरेंगा मे एक अतिरिक्त उचित मूल्य दुकान संचालित करने हेतु आवेदन मंगाए गए हैं आवेदन पत्र के प्रारूप एवं अधिक जानकारी हेतु कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

नवनियुक्त कलेक्टर ने संभाला पदभार

बालोद, 24 अप्रैल (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बालोद जिले के नवपदस्थ कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने आज अपरान्ह संयुक्त जिला कार्यालय में पहुँचकर पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर मिश्रा के संयुक्त जिला कार्यालय पहुँचने पर अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। इस दौरान अपर कलेक्टर नूतन कंवर, एसडीएम बालोद सुरेश साहू, एसडीएम गुण्डरदेही प्रतिभा ठाकरे झा, एसडीएम डौण्डीलोहारा शिवनाथ बघेल, एसडीएम गुरूर रामकुमार सोनकर सहित डिप्टी कलेक्टर प्राची ठाकुर, जिला कोषालय अधिकारी मुकुंद भारद्वाज, जिला जनसंपर्क अधिकारी चंद्रेश ठाकुर सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

घर के बाहर आंगन में खेल रहे चार साल के मासूम पर तेंदुआ ने कर दिया हमला

दादा ने जान की बाजी लगाकर छुड़ाया, मासूम का इलाज जारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 24 अप्रैल। गरियाबंद जिले में फिर एक बार दिल दहला देने वाली खबर निकल कर सामने आ रही है चार साल साल के मासूम बच्चे पर तेंदुआ ने किया हमला घर के बाहर आंगन मे खेल रहा था तभी बच्चे पर हमला कर तेंदुआ बच्चे को उठाकर जंगल की तरफले जा रहा था जिसे दादा ने अपनी जान की बाजी लगा कर तेंदुआ से छुड़ाया फ्लिहाल बच्चे का इलाज छुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे जारी है घटना के वक़्त बच्चे के माँ बाप काम करके वापस नहीं आये थे घर मे सिर्फ दादा और पोता मौजूद थे

घटना सोमवार की शाम 7 बजे के आसपास की बताई जा रही छुरा विकासखंड के ग्राम कोठीगांव निवासी दर्शन नेताम का चार वर्षीय पुत्र प्रदीप नेताम शाम को घर के आंगन मे खेल रहा था तभी जंगली तेंदुआ ने बच्चे पर हमला कर उठा कर जंगल की तरफ भागने लगा तभी बच्चे की चीख सुनकर बच्चे के दादा ने देखा तो मासूम बच्चे को जंगली तेंदुआ मुँह से उठा कर जंगल की तरफभाग रहा था तब बच्चे के दादा ने अपने जान पर खेल कर बचाया जिसके बाद घायल बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छुरा लाया गया बच्चे के गले मे चोट आई है जिसका इलाज किया गया दादा के साहस से एक मासूम बच्चे की जान बच गई जिसकी चर्चा क्षेत्र मे जमकर हो रही है वन विभाग द्वारा घायल बच्चे के इलाज के लिये तत्काल 1000 रूपये की सहायता राशि दिया गया।

घटना के बाद से गांव मे दहशत का माहौल है ग्रामीणों का कहना है की अभी भी आदमखोर तेंदुआ गांव के आसपास ही मंडरा रहा है जिसको लेकर ग्रामीणों मे काफी दहशत बना हुआ है।

गर्भवतियों की गोद भराई के साथ मनाया गया पोषण पखवाड़ा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कसडोल/सोनाखान, 24 अप्रैल। महिला बाल विकास विभाग बलौदाबाजार जिला कसडोल परियोजना के टुंडरा सेक्टर में पोषण पखवाड़ा का आयोजन 8 अप्रैल से 22 अप्रैल 2025 तक किया गया ! इस दौरान सेक्टर सुपरवाइजर शीला धृतलहरे नें बतलाया कि कुपोषण से मुक्ति दिलाने और सुपोषित छत्तीसगढ़ राज्य बनाने के लिए महिलाओं और बच्चों में होने वाली एनीमिया, बौनापान, शिशु मृत्यु दर, बाल मृत्यु दर को कम करने के लिए आंगनबाड़ियों में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था जो कि लगातार 15 दिनों तक चला।

उन्होंने पहले 1000 दिवस में बच्चों को क्या खिलाना चाहिए और क्या नहीं खिलाना चाहिए ? जिससे उनका शारीरिक विकास हो और वह स्वस्थ रहें। इसके लिए शासन द्वारा मिलने वाले रेडी टू ईट के उपयोग और उससे होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी गई।

महिला सुपरवाइजर शीला धृतलहरे ने उपस्थित महिलाओं को सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और महतारी बंधन योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी और इन योजनाओं से मिलने वाले लाभों को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को पौष्टिक आहार और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व को भी समझाया गया।

इस पहल का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाना व सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदो तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में गांव की महिलाओं के साथ, आंगनबाड़ी केंद्र की कार्यकर्ताएं और सहायिकाए उपस्थित रहीं।

छात्र-छात्राओं ने किया पुलिस थाने का शैक्षणिक भ्रमण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

छुरा, 24 अप्रैल। 23 अप्रैल को थाना छुरा क्षेत्र के एकलव्य स्कूल कोसमबुडा के शिक्षकगण की उपस्थिति में विद्यार्थियों का थाना का भ्रमण कराया। समस्त बच्चों ने थाना के मोहर्रिर कक्ष, विवेचक कक्ष, मालखाना, महिला एवम् बाल कक्ष, डे एवम् नाईट अधिकारी, सस्त्रागार, cctns कक्ष एवं थाना प्रभारी कक्ष का भ्रमण किया। थाना प्रभारी द्वारा पुलिस कार्यवाही, दिनचर्या एवम् क्रियाकलाप की जानकारी के साथ साथ गुड टच, बेड टच सायबर अपराध एवम् बचाव यातायात नियमो की जानकारी दी गई। बालकों को रिपोर्ट लिखवाने और उस पर पुलिस कार्यवाही की जानकारी दी गई। पुलिस को रक्षक एवं विश्वनीय समझने एवम् भरोसा कायम रखने राय दी गयी है। पुलिस की स्थापना व उद्देश्य से अवगत कराया गया। पुलिस पदक्रम की जानकारी दी गई।

आम सूचना

डोंगरगढ़ बेलगांव प.ह.न. 16 रा.नि.म. बेलगांव, तहसील डोंगरगढ़ राजनांदगांव (छ.ग.) काश्तकारी भूमि स्थित हैं जिसका खसरा नंबर 1198/1 का रकबा 2.41 एकड़/0.976 हेक्टेयर हैं।

भूमि स्वामी अनिल सिन्हा आत्मज रामसहाय सिन्हा विक्रेता, संतोषी बाई साहू पति विष्णु साहू क्रेता,

उपरोक्त भूमि के पंजीयन संबंध में जिस किसी को भी दावा आपत्ति हो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से सूचना प्रकाशित होने के 15 दिवस के अंदर प्रस्तुत कर सकते हैं। समयावधि बीत जाने के बाद दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

भवदीय
संतोषी बाई साहू

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं जाहीद हसन पुत्र मोहम्मद ताहिर हसन म.नं. 24/54 बंजारी मार्ग, गोलबाजार रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. का निवासी हूं।

मैंने अपना पुराना नाम जाहीद हसन पुत्र मोहम्मद ताहिर हसन बदल लिया है, इसलिए भविष्य में मुझे सभी सरकारी और अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम जाहीद हसन पुत्र मोहम्मद ताहिर हसन से पहचाना एवं जाना जाए।

जाहीद हसन

अवैध शराब के साथ ढाबा संचालक पिता-पुत्र गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा, 24 अप्रैल। ढाबा संचालक पिता पुत्र को एवं अन्य ढाबा संचालकों व कोचियों को बोरी बोरी अवैध शराब की लगातार सप्लाई की जा रही है किन्तु आबकारी एवं पुलिस विभाग की मिलीभगत और संरक्षण के चलते शासकीय शराब दुकान के गुर्गों का हौसला बुलंद है उनके विरुद्ध किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की जाती है, और न ही आबकारी एवं पुलिस प्रशासन द्वारा इस बात की जांच नहीं की जाती कि नगर के ढाबा संचालकों एवं कोचियों को भारी तादाद में अवैध शराब की सप्लाई कहां से और किस तरीके से हो रहा है। सिमगा जिसे अवैध शराब बिक्री का प्रमुख केन्द्र माना जाता है। इससे पूर्व सिमगा पुलिस द्वारा एक शासकीय शराब दुकान मैनेजर के विरुद्ध ढाबा संचालकों एवं कोचियों को अवैध शराब सप्लाई करने के कारण जेल की सलाखों में बंद कर दिया गया था। अतः छत्तीसगढ़ शासन के डी, जी, पी, से नागरिकों ने शासकीय शराब दुकान मैनेजर के खिलाफठोस कार्रवाई की मांग की है।

वहीं पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना 20 अप्रैल की प्रातः 06, बजे आरोपी प्रवीण पिता दिनेश उर्फ़दिनू निषाद उम्र 22, साल एवं दिनेश उर्फ़ दिनू निषाद पिता संतोष निषाद निवासी शंकर नगर सिमगा जो ग्राम दरचुरा में दिनू ढाबा संचालित करता है वहीं पर अवैध रुप से शराब बिक्री करने हेतु दो सफेद बोरी में 25-25, देशी मसाला शराब प्रत्येक में 180, एम, एल, कुल 09, लिटर कीमती पांच हजार जब्त कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां से न्यायिक रिमांड में बलौदाबाजार जेल भेज दिया गया।

भाटापारा ने बढ़ाया स्वच्छता की ओर एक और कदम

नपा अध्यक्ष ने किया नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा, 24 अप्रैल। नगर पालिका परिषद भाटापारा में नवनिर्वाचित नपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा और नई कार्यकारिणी शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं विकसित बनाने की दिशा में लागतार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में मंगलवार 22 अप्रैल को नगर के बलभद्र वार्ड में नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।

गौरतलब है कि नपा अध्यक्ष के रूप में अश्वनी शर्मा लगातार सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। ऐसे में नगरवासियों की मांग और आवश्यकता को ध्यान में रखकर विकास कार्य शुरू किए जा रहे हैं। नगर में स्वच्छता और विकास की कड़ी में एक कदम आगे बढ़ाते हुए बलभद्र वार्ड में नाली निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन किया गया।

इस दौरान नपा अध्यक्ष शर्मा ने नगरवासियों से नगर की स्वच्छता में सामूहिक सहभागिता की अपील की। इस अवसर पर उपाध्यक्ष दिलीप छाबड़िया, सभापति गोविंद पटेल, पार्षद उमाकांत वर्मा, देवेंद्र साहू, कीर्तन जायसवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मोहन बांधे, सुनंद मिश्रा तथा वार्डवासी अजीत सिंह राजपूत, एस.पी. तिवारी, सुरेश दाण्डेकर, सूरजमल साहू, बिरजू बंजारे, शिव वर्मा, सहदेव ढिमर, ईश्वर जासवाल, सुखदेव साहू, ऋषि सिंह, संतोष बंजारे, हुलास साहू, लक्ष्मण गेन्ड्रे, भूपेश भट्ट उपस्थित रहे।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद

Phone No. :- 07749-222370, Email Id:- ee-res.balod@gov.in

(E-Tender) सूचना प्रथम बार

क्रमांक/02/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2025-26 बालोद, दिनांक 23.04.2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में 'डी' वर्ग एवं उच्च श्रेणी में ठेकेदारों पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र-'अ' पर दर्शित कार्य हेतु प्रतिशत दर प्राप्त करने ऑनलाईन ई-निविदा दिनांक 09.05.2025 तक आमंत्रित की जाती है।

कार्य पूर्ण करने की अवधि 06 माह वर्षा ऋतु सहित

क्रमांक	कार्य का नाम एवं स्थल	ठेके की अनुमानित लागत लाख रू. में	धरोहर राशि रू. में
1	2	3	4
1	शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में 04 नग अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य ग्राम एवं ग्राम पंचायत ईरागुड़ा विकासखण्ड गुण्डरदेही जिला बालोद (विद्युतीकरण कार्य को छोड़कर) टेण्डर नं. 167333	26.73	26750/-

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 23.04.2025 से देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला-बालोद (छ.ग.)

जी-252600442/4

एक नजर

कबीर संत समागम में शामिल हुए तिवारी

रायपुर, 24 अप्रैल। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बसनी में दो दिवसीय सदगुरु कबीर संत समागम समारोह एवं कबीर कुटी आश्रम निशान पूजा और लोकार्पण कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में सर्व हिन्दू सनातन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भाजपा किसान नेता योगेश तिवारी विशेष रूप से उपस्थित हुए। उन्होंने सुलछना देवी माता जी के कथा प्रवचन में भाग लेकर क्षेत्र की जनता के लिए आशीवांद मांगा। माता जी के प्रवचनों में संत कबीर के जीवन, विचारधारा और समाज में समरसता के संदेशों को अत्यंत सरल एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

अवंती विहार व्यापारी संघ ने मिरानिया को दी श्रृद्धांजलि

रायपुर, 24 अप्रैल। कारोबारी दिनेश मिरानिया के पहलगाम में आतंकी हमले में हुई हत्या के विरोध में आज अवंती विहार व्यापारी संघ द्वारा बुधवार शाम अटल चौक पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, उक्त जानकारी देते हुए संघ के अध्यक्ष राजकुमार राठी ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि आतंकवादियों की इस कायराना करतूत से व्यापारी समाज में घोर आक्रोश व्याप्त है। इस दौरान संघ के पदाधिकारियों ने स्वर्गीय श्री मिरानिया की तस्वीर के समक्ष कैंडल जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शांति एवं सौहाद्र का संदेश दिया गया।

युवा संस्था में भारत रत्न बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती मनाई गई

रायपुर, 24 अप्रैल। शैक्षणिक और सामाजिक संस्था ÷युवा÷ में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री बिम्बिसार नागार्जुन, प्रभारी, आम्बेडकर सार्वजनिक समारोह समिति व अधीक्षण अभियंता, छग राज्य विद्युत मंडल थे।

देवेंद्र नगर में पाक विरोधी प्रदर्शन, कई दुकानें बंद

रायपुर, 24 अप्रैल। पहलगाम आतंकी हमले का देश के साथ राजधानी और पूरे प्रदेश में विरोध हो रहा है। हर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आक्रोश भरे मेसेज चल रहे है और लोग भीषण गर्मी की परवाह किए बिना अपने अपने तरीके से विरोध जता रहे हैं। इस घटना में राजधानी के दिनेश मिरयानी की भी मृत्यु हुई है। वे अपनी शादी की वर्षगांठ मनाने परिवार के साथ गए हुए थे । शहर के नागरिक संगठन देवेंद्र नगर स्थित सरदार पटेल प्रतिमा स्थल पर पाक विरोधी प्रदर्शन किया। रात 9 बजे जयस्तंभ चौक में भी श्रध्दांजलि सभा कर आक्रोश जताएंगे। आप पार्टी रायपुर जिला अध्यक्ष पुनारद ने आज संध्या 7 बजे अंबेडकर में चौक में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया है। अधिक से अधिक संख्या में आमंत्रित किया है। संध्या 7 से 8 के बीच जय स्तंभ चौक में रायपुर मुस्लिम समाजनके द्वारा भी कैंडल मार्च में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है।

राज्यपाल रमेन डेका ने मिरानिया को दी श्रद्धांजलि

रायपुर, 24 अप्रैल। राज्यपाल रमेन डेका ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले रायपुर निवासी दिनेश मिरानिया को श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल डेका आज सुबह मिरानिया के घर पहंचें और उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया तथा उनकी सद्गति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त कर उन्हें ढ़ाढ़स बंधाया।

सड़कों पर बिना अनुमति पंडाल, कोर्ट ने मांगा मुख्य सचिव और निगम आयुक्त से शपथ पत्र

रायपुर, 24 अप्रैल। सड़कों पर और सड़कों के किनारे त्यौहारी सीजन में सैकड़ों की संख्या में पंडाल और स्वागत द्वार लगाने से आमजन को हो रही दिक्कतों को लेकर दायर की गई जनहित याचिका की सुनवाई में आज मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार वर्मा की युगलपीठ ने मुख्य सचिव और रायपुर नगर निगम के कमिश्नर से शपथ पत्र मांगा है। शासन की तरफ से बताया गया कि सभी कार्यवाहियां म्युनिसिपल कारपोरेशन द्वारा की जाती हैं। अगली सुनवाई 16 जून को होगी।

छत्तीसगढ़ शासन गृह (पुलिस) विभाग मंत्रालय ने 22 अप्रैल 2022 को सभी कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के नाम से जारी आदेश में कहा है कि पूर्व में विविध, निजी, सार्वजनिक, धार्मिक, राजनीतिक, अन्य संगठनों अथवा संस्थाओं के द्वारा विभिन्न आयोजनों यथा धरना, जुलूस, रैली, प्रदर्शन, भूख हड़ताल, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक आदि आयोजनों, जिसमें भीड़ आती हो, उसके लिए अनुमति ली जाती थी। परंतु विभिन्न संस्थाओं, संगठनों के द्वारा उपरोक्त आयोजन अब जिला प्रशासन की पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना ही आयोजित किया जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में एक ओर आम नागरिक के दैनिक कार्यों में बाधा पहुंचती है एवं व्यवसायिक गतिविधियां भी प्रभावित होती है वहीं दूसरी ओर कानून व्यवस्था बिगड़ जाने की प्रबल संभावना रहती है। इसलिए शासन ने अनुमति लेना अनिवार्य कर अनुमति की शर्तें निर्धारित की थी।

याचिकाकर्ता रायपुर निवासी नितिन सिंघवी की तरफ से कोर्ट को बताया गया की 2022 से लेकर 2024 तक गणेश और दुर्गा त्योहारों के दौरान ना तो कलेक्टर ने ना ही नगर पालिक निगम के दसों जोन ने कोई भी अनुमति सड़क पर या सड़क के किनारे पंडाल लगाने के लिए दी है फिर भी सैकड़ो की संख्या में पंडाल सड़कों पर लगे। याचिका की तरफ से कोर्ट में 100 से ज्यादा फोटोग्राफ प्रस्तुत किए गए।

सिंघवी ने चर्चा में प्रेस को बताया की छत्तीसगढ़ निर्माण के पश्चात राजधानी की कुछ ही सड़कें चौड़ी की गई हैं। परंतु चौड़ी की गई सड़कें और दूसरी सड़कें चौड़ी नहीं सकरी इसलिए हो गई हैं क्यों कि सड़कों के दोनों तरफ वाहन पार्किंग होने लगी है। छत्तीसगढ़ निर्माण के समय प्रदेश में एक लाख से कम वाहन थे जो अब 80 लाख हो गए हैं। लोगों के पास दुकानों और घरों में वाहनों को पार्क करने के लिए भी जगह नहीं है। ऐसे में मुख्य सड़क, कॉलोनी, मोहल्लो में पंडाल और स्वागत द्वार लगाने से आमजन को बहुत दिक्कतें पैदा होती है। पूरे वर्ष विभिन्न आयोजनों के लिए सड़कों पर कहीं पर भी पंडाल और स्वागत द्वार लगा कर लगाकर ट्रैफिक जाम किया जाता है। उन्होंने कहा कि रायपुर में ट्रैफिक इतना बढ़ गया है कि सड़कें पंडाल का दबाव नहीं सह सकती पंडाल खुले स्थान या सार्वजनिक मैदानों में ही लगाए जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

रायपुर सहित जिलों में जल्द दौड़ेंगी 100 ई-सिटी बसें

रायपुर, 24 अप्रैल। राजधानी रायपुर और इसके पड़ोसी जिलों में 100 नई ई-सिटी बसों का संचालन जल्द शुरू होने जा रहा है। इन बसों के लिए एजेंसी तय करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है, जिसके बाद प्रस्तावित रूटों पर इनका संचालन शुरू किया जाएगा। फिलहाल 46 सिटी बसें ही चालू हालत में हैं, जबकि अधिकांश बसें खराब होने के कारण सीमित रूटों पर ही सेवाएं दी जा रही हैं। परिवहन विभाग द्वारा पहले से चिन्हित 16 प्रमुख मार्गों पर ही ई-बसों को चलाने की योजना बनाई गई है। राज्य परिवहन प्राधिकरण द्वारा परमिट की सुनवाई और दावे-आपत्तियों का निपटारा कर परमिट जारी किए जाएंगे। स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से दुर्ग रेलवे स्टेशन के बीच वातानुकूलित बस सेवा एक बार फिर शुरू होगी। पहले नवंबर 2022 में इस मार्ग पर 5 एसी सिटी बसें चलाई गई थीं, लेकिन अचानक बंद कर दी गई थीं। अब दोबारा परमिट जारी कर इस रूट पर सेवा बहाल की जा रही है। बसें मिलने के बाद इन्हें चरणबद्ध तरीके से विभिन्न रूटों पर चलाया जाएगा। 9 से 12 मीटर लंबी इन बसों की क्षमता 120 से 200 किलोमीटर प्रति चार्ज तक होगी। टाटीबंध चौक के पास हीरापुर में 5 एकड़ भूमि पर चार्जिंग प्वाइंट और डिपो बनाया जाएगा, जिस पर 14.33 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। बस संचालन के लिए अहमदाबाद की चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड कंपनी को 62.20 रुपए प्रति किलोमीटर की दर पर ठेका दिया गया है। कार्यपालन अभियंता प्रदीप यादव ने बताया कि ई-सिटी बसों के संचालन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। बसें मिलते ही इन्हें तय मार्गों पर चलाया जाएगा और शहरवासियों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिल सकेगी।

दादाबाड़ी में लहराई अमर ध्वजा

रायपुर, 24 अप्रैल। समस्त भैरव सोसाइटी व आस पास के जैन समुदाय में अपूर्व उत्साह उमंग व ध्वजारोहण महोत्सव में शामिल होने का पवित्र संकल्प लिए प्रातः से ही श्रावक श्राविकाओं व भक्तजनों के आवागमन का अविरल प्रवाह निरन्तर गतिशील था , पूरे मंदिर परिसर सभा मंडप भगवान के गर्भ गृह को सुगंधित फूलो से सजाया गया था निर्धारित मुहूर्त प्रातः 9 बजे ध्वजा महोत्सव आचार्य भगवंत जिनमणिप्रभ सूरीश्वर जी म. सा . के शुभ आशीर्वाद से उपाध्याय प्रवर , आध्यात्म योगी महेन्द्र सागर एवं उपाध्याय मनीष सागर जी के सुशिष्य श्री ऋजुप्रज्ञसागर जी व श्री प्रसम सागर जी आदि ठाणा के पावन सानिध्य में आरम्भ हुआ। सुप्रसिद्ध विधिकारक श्री विमल गोलछा ने ध्वजारोहण निमिते सत्तर भेदी पूजा का आगाज किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय खरतरगच्छ प्रतिनिधि महासभा के अध्यक्ष प्रकाश सुराना , ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष विजय कांकरिया कुंथुनाथ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष चन्द्रेश शाह , राजेश सिंघी , मनोज कोठारी , नीलेश गोलछा , टीकम जैन , निकेश बरड़िया , जय सांखला , प्रसिद्ध उधोगपति बी एल जैन , ललित लुनिया , राजेश गोलछा , तरुण कोचर , डॉ योगेश बंगानी , सरला बैद , ममता नाहर , मयूरी गोलछा , दीप्ती बैद , पदम गोलछा , आदित्य बैद , मनोज झाबक ,संजय धाड़ीवाल , संतोष झाबक , प्रणय बुरड़ आदि उपस्थित थे ।

सकल संघ को बधाई

खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणि प्रभ सूरीश्वर जी द्वारा प्रतिष्ठित श्री सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व श्री जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी में मुनि भगवंत श्री ऋजुप्रज्ञ सागर जी व प्रसम सागर जी ने महाविदेह क्षेत्र में विचरण कर रहे तीर्थंकर सीमंधर स्वामी के जन्म का वांचन किया।

रायपुर में गर्मी ने दस साल का तोड़ा रिकॉर्ड

रायपुर, 24 अप्रैल। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी पड़ रही है, जिससे लोगों का दिनचर्या प्रभावित हो रही है. मौसम विभाग ने आगामी कुछ दिनों तक राहत मिलने की संभावना न के बराबर जताई है. मंगलवार को रायपुर का तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो पिछले 10 सालों का सबसे अधिक तापमान रिकॉर्ड किया गया है. प्रदेश के अधिकांश इलाकों में तेज धूप के कारण लोग घरों में कैद होकर रहने को मजबूर हैं.

मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटे के लिए प्रदेश के कई जिलों में ग्रीष्म लहर (हीट वेव) चलने की संभावना जताई है. खासकर गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, बिलासपुर, रायगढ़, सारंगढ़ बिलाईगढ़, सक्ती, कोरबा, जांजगीर-चांपा, रायपुर, बलौदा बाज़ार, दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, राजनांदगांव और मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिलों में एक या दो स्थानों पर लू की स्थिति बन सकती है. छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, बिलासपुर, रायगढ़, सारंगढ़ बिलाईगढ़, सक्ती, कोरबा, जांजगीर चांपा, रायपुर, बलौदा बाजार, दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, राजनांदगांव और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिलों के एक दो हिस्सों में ग्रीष्म लहर चलने की संभावना है. मौसम विभाग के अनुसार, रायपुर में तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक है. बिलासपुर, दुर्ग और अन्य प्रमुख शहरों में भी तापमान 43 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया है.

राजधानी एक्सप्रेस से रायपुर लौटेंगे छत्तीसगढ़ के पर्यटक

रायपुर, 24 अप्रैल। पहलगाम आतंकी हमले के बाद श्रीनगर में फंसे छत्तीसगढ़ के पर्यटक सकुशल वापस आ रहे हैं. श्रीनगर में छत्तीसगढ़ के 64 पर्यटक फंसे थे. सभी को श्रीनगर के होटल में ठहराया गया था. इन पर्यटकों की सुरक्षित वापसी को लेकर राज्य सरकार की ओर से सतत प्रयास किया जा रहा. दिल्ली से सभी राजधानी एक्सप्रेस से रायपुर लौटेंगे. पर्यटकों ने बताया, मंगलवार को पहलगाम जा रहे थे कि इसी बीच आतंकी हमले की जानकारी आई और उन्हें बीच में ही रोक लिया गया और कहा गया कि वहां मत जाइए. हम सभी को वापस श्रीनगर भेजा गया. अब सभी वापस छत्तीसगढ़ लौट रहे हैं. पहलगाम आतंकी हमले के वक्त छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार रामअवतार श्रीनगर में मौजूद थे. उन्होंने बताया कि श्रीनगर में अब हालात सामान्य है. पर्यटकों की श्रीनगर से सड़क मार्ग से वापसी जारी है.

सीएम विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के लोगों से बातचीत की है. डिप्टी सीएम व गृहमंत्री विजय शर्मा भी लगातार छत्तीसगढ़ के पर्यटकों से संपर्क में है. जम्मू कश्मीर में फंसे छत्तीसगढ़ के पर्यटकों को लेकर विजय शर्मा ने कहा है कि सभी पर्यटकों से बातचीत चल रही है. उनके वापसी के लिए व्यवस्थाएं दुरुस्त की गई है. कुछ लोग दिल्ली में रुकना चाह रहे हैं तो कुछ जल्द से जल्द वापस आना चाहते हैं. पर्यटकों को जल्द से जल्द सही सलामत उन्हें वापस लाया जाएगा.

25 अप्रैल को भिलाई के बौद्ध भूमि में संविधान बचाओ रैली

रायपुर, 24 अप्रैल। दुर्ग के भिलाई में होने वाली संविधान बचाओ रैली को सफल बनाने के लिये दुर्ग संभाग के कांग्रेस नेताओं की बैठक पूर्व मुख्यमंत्री एवं एआईसीसी के महासचिव भूपेश बघेल के भिलाई 3 निवास पर आयोजित की गई। बैठक में सभी नेताओं ने निर्णय लिया की 25 अप्रैल को शाम 6 बजे दुर्ग के कोसानाला बौद्ध भूमि में रैली का आयोजन किया जायेगा। यह रैली ऐतिहासिक होगी जिसमें दुर्ग संभाग से बड़ी संख्या में आमजन को शामिल करने की योजना बनाई गई। बैठक को संबोधित करते हुये पूर्व मुख्यमंत्री एवं एआईसीसी के महासचिव भूपेश बघेल ने कहा कि कांग्रेस ने पूरे देश में 40 दिनों तक संविधान बचाओ अभियान चलाने का निर्णय लिया है। प्रदेश के इस कार्यक्रम की शुरूआत दुर्ग से हो रही है। दुर्ग संभाग के कांग्रेस जनो के लिये यह सौभाग्य का विषय है कि प्रदेश में इसकी शुरुआत यहां से हो रही है। संविधान बचाओ मुहिम चलाने की आज के समय में सबसे ज्यादा जरूरत है। संविधान बचाओ अभियान का उद्देश्य मोदी सरकार द्वारा संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर किये जा रहे लगातार हमलों, प्रतिशोध की राजनीति, आर्थिक कुप्रबंधन और सामाजिक न्याय के प्रणालीगत हनन का मुकाबला करना है। यह अभियान आम नागरिक की आवाज को बुलंद करेगा, जमीनी स्तर की चिंताओं को उजागर करेगा और हमारे संविधान में निहित मूल्यो पर फिर से जोर देगा। अभियान के माध्यम से हम संविधान की रक्षा करने स्वतंत्रता, समानता और न्याय के मूल्यों को बनाये रखने और हम भारतीय के अधिकारों, सम्मान और भविष्य के लिये लड़ने के लिये एकजुट है।

श्रद्धांजलि...

रायपुर, 24 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए रायपुर निवासी श्री दिनेश मिरानिया जी के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ परिवार की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

नक्सलवाद की तरह आतंकवादियों का भी खात्मा कर देना चाहिए: सिंहदेव

रायपुर, 24 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने बड़ा बयान दिया है उन्होंने अपने बिलासपुर प्रवास के दौरान मीडिया से कहा कि केंद्र सरकार ने जिस तरह छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को समाप्त करने का टारगेट रखा है. सरकार को उसी तरह देश से आंतकवाद को खत्म करने का भी टारगेट देना चाहिए. उन्होंने आगे कहा कि पहलगांव में हुई घटना अत्यंत अमानवीय, वीभत्स और निंदनीय है. आतंकियों द्वारा प्रदेश और देश में अस्थिरता का वातावरण पैदा करने, आपसी भाईचारा को तोड़ने के लिए यह कुत्सित प्रयास किया गया है. इस मौके पर हम सब, पूरा देश सेना और सरकार के साथ खड़ा है. बड़े से बड़ा जवाब दिया जाए और आतंकवाद को समूल जड़ से समाप्त किया जाए. पूर्वी डिप्टी सीएम सिंहदेव ने आगे कहा कि सीमा पर आतंकवादी संगठन इसी तरह की घटना को अंजाम देते रहे हैं. बीते वर्षों में इसमें कमी देखी गई है. आंकड़ों, घटनाओं में कमी आ रही है, लेकिन सिलसिला थम नहीं रहा है.

विद्युत उपभोक्ताओं को लगेगा स्मार्ट मीटर का झटका

रायपुर, 24 अप्रैल। सुविधा के नाम पर घरों-दफ्तरों में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर अब ग्राहक पर भारी पड़ने वाले हैं. दरअसल, पावर वितरण कंपनी ने हाल ही में स्मार्ट मीटर सरचार्ज के नाम पर 367 करोड़ रुपए की मांग करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग में याचिका लगाई है. इस याचिका पर आयोग नए टैरिफ के निर्धारण के दौरान निर्णय लेगा. प्रदेश में घरेलू कनेक्शनों में पुराने इलेक्ट्रॉनिक मीटर के बदले स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से चल रहा है. अब तक साढ़े 11 लाख से अधिक घरेलू कनेक्शनों में स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं. वर्तमान में स्मार्ट मीटर लगाने पर उपभोक्ताओं से किसी भी प्रकार का चार्ज नहीं लिया जा रहा है. बताया गया कि यह निःशुल्क लगेगा, परंतु पिछले दरवाजे से उपभोक्ताओं पर स्मार्ट मीटर लगाने का सरचार्ज वसूलने की तैयारी हो रही है. हाल ही में वितरण कंपनी प्रबंधन की ओर से विद्युत नियामक आयोग में रिवाइज पिटिशन दाखिल किया गया है. इसमें स्मार्ट मीटर के नाम पर 367 करोड़ रुपए की मांग करते हुए नए टैरिफ में जोड़ने की बात कही गई है. प्रबंधन ने पूर्व में 4559 करोड़ रुपए का घाटा बताते हुए उसकी भरपाई टैरिफ से करने का आग्रह आयोग से किया था. अब 367 करोड़ रुपए जोड़ने के बाद 4926 करोड़ रुपए का अंतर आ गया है. इसकी भरवाई के लिए बिजली दर बढ़ाने पर सीधा भार उपभोक्ताओं पर आएगा. जानकार बताते हैं कि वितरण कंपनी की याचिका पर सुनवाई करते हुए आयोग सीधे स्मार्ट मीटर के नाम से उपभोक्ताओं से भले ही सीधा पैसा नहीं ले, लेकिन सरचार्ज के नाम से यह वसूली हो सकती है. याने सांप भी मर जाएगा, और लाठी भी नहीं टूटेगी. हालांकि, अभी नए टैरिफ के लागू होने में समय है. आयोग में रिक्त दो सदस्यों के पदों पर नियुक्ति के बाद नए टैरिफ को लेकर जनसुनवाई और फिर टैरिफ की घोषणा जून तक होने की संभावना है.

कौन मानता है ऐसी चेतावनियों को एसएसपी साहब

- वाहन चालकों में न खौफ न परवाह
- करोड़ों के राजस्व का नुकसान

रायपुर, 24 अप्रैल। राजधानी की सड़कों पर हर रोज-हर पल यातायात नियमों का उल्लंघन। वह भी यातायात पुलिस जवानों की आंखों के सामने। सड़कों पर जगह-जगह चेतावनी वाले फलक (बोर्ड) लगे हैं। उनमें जुर्माना का भी उल्लेख है। पुलिस विभाग के लिए चिंतन और शोध का विषय है कि आखिर यातायात नियमों को सरेराह तोड़ने वालों को न तो जुर्माना का डर है और न ही उन पर चेतावनी का असर और न ही पुलिस की कार्रवाई की परवाह है। हर चौक-चौराहों पर ट्रैफिक कानून की खिल्ली उड़ते-उड़ाते देखा जा सकता है। कुछ नियम तोड़ने वाले नजारों की बात करते हैं। लालबत्ती जल रही है, ट्रैफिक थमी हुई है। चिलचिलाती धूप में कई वाहन चालक संकेतक के हरी होने का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच कुछ दोपहिया वाहन चालक और कार वाले भी ट्रैफिक सिग्नल यानी लालबत्ती को जंप करके आगे निकल जाते हैं। ऐसे वाहनों को कैमरे की निगाह से पकड़कर चालकों पर कार्रवाई तो बाद में होगी। तत्काल में हरी बत्ती की ओर से आने वाले वाहनों के टकराने की आशंका तुरंत बनी रहती है। कई बार वाहनों में टक्कर भी हुई है। ये रोज की बात है। कानफोडू सायलेंसर आज भी न केवल कान के पर्दे फाड़ रहे हैं, बीपी के मरीजों के लिए परेशानी भी खड़ी कर रहे हैं। तेज रफ्तार वाहन चलाने वालों तथा स्टंटबाजों पर उस रफ्तार से कार्रवाई नहीं हो रही है जिस रफ्तार से गाड़ियां चलाई जाती है। इससे सड़क हादसे के कई मामले सामने आए है। तीन सवारी गाड़ी चलाना तो आम बात हो गई है। चौराहों पर सबसे ज्यादा परेशानी उन वाहन चालकों को होती है जिन्हें लेफ्ट दिशा में टर्न होना होता है। लेफ्ट वाला हिस्सा कभी खाली रहता ही नहीं है। यहां गाड़ियां बत्ती के हरी होने के इंतजार में खड़ी रहती हैं। ऐसे वाहन चालकों पर तत्काल जुर्माना होना चाहिए। जुर्माना न पटा पाने की स्थिति में गाड़ियां जब्त की जानी चाहिए। चौराहों पर कार व दोपहिया पार्क करने का नया फैशन बन गया है। चौराहों पर सवारी बैठाना व उतारना आटो चालकों को मानो संवैधानिक अधिकार मिल गया है। ये राजधानी है भई। यहां ही यदि नियमों का सख्ती से पालन नहीं कराया गया तो प्रदेश के दूसरे शहरों की स्थिति क्या खाक सुधरेगी। उन वाहन चालकों के बारे में सोचिए जो संकेतक के हरी होने के इंतजार में खड़े रहते हैं। जब कुछ लोग नियम तोड़कर फर्राटे से निकल जाते हैं न, तब नियमों का पालन करने वाले लोग खुद को ठगा सा महसूस करते हैं। उन्हें लगता है कि हम ही बेवकूफ हैं जो खड़े हैं। लोग तीस-चालीस सेकंड भी रुकना गवारा नहीं समझते हैं। स्टाप लाइन के पहले तो कोई रुकता ही नहीं है। जेब्रा क्रासिंग में गाड़ियां खड़ी रहती है। इससे पैदल सड़क पार करने वालों को दिक्कत होती है। इन पर किसी तरह की कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जा रही है। सब कुछ सीसीटीवी कैमरे के भरोसे है। वीवीआईपी, वीआईपी तथा रोज-रोज धरना, रैली व प्रदर्शन के कारण यातायात पुलिस जवान चौराहों से गायब रहते हैं। होना यह चाहिए कि यातायात नियमों का उल्लंघन कर भागने वालों को अगले चौराहे पर हर हाल में पकड़कर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। पुलिस के आला अधिकारियों को भी बिना ताम-झाम के चौक-चौराहों पर खड़े होकर व्यवस्था का जायजा लेना चाहिए। इससे जवानों का मनोबल भी बढ़ेगा। स्टाप लाइन क्रास करने पर तीन सौ रुपए अर्थदंड का प्रावधान है किंतु स्टाप लाइन क्रास करने वालों से अर्थदंड नहीं वसूला जाता है। बड़ी संख्या में वाहन स्टाप लाइन क्रास कर न केवल खड़े रहते हैं बल्कि लाल बत्ती जंप कर आगे निकल जाते हैं। उन्हें पकड़ने वाला कोई नहीं होता है। नो पार्किंग के बोर्ड के सामने गाड़ियां खड़ी रहती है। उल्टी दिशा में वाहनों का आना-जाना लगा रहता है। जुर्माना नहीं वसूलने के कारण पुलिस विभाग को करोड़ों के राजस्व का नुकसान हो रहा है वहीं ट्रैफिक का सत्यानाश हो रहा है।

कांग्रेस का भाजपा पर वैमनस्य फैलाने का आरोप

रायपुर, 24 अप्रैल। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले की निंदा करते हुए कांग्रेस ने आज नई दिल्ली में प्रस्ताव पारित करते हुए कहा कि अत्यंत चौंकाने वाली बात है कि भारतीय जनता पार्टी इस गंभीर त्रासदी का दुरुपयोग अपने आधिकारिक और परोक्ष सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से और अधिक वैमनस्य, अविश्वास, ध्रुवीकरण और विभाजन फैलाने के लिए कर रही है, जबकि इस समय सबसे अधिक आवश्यकता एकता और एकजुटता की है। कांग्रेस कार्य समिति शांति की अपील करती है और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ता और एकता के साथ लड़ने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कांग्रेस कार्य समिति स्थानीय पोनी वाले और पर्यटक गाइडों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करती है, जिनमें से एक पर्यटकों की रक्षा करते हुए शहीद हो गए। इन्होंने भारत की विचारधारा को जीवंत रखा। उनका बलिदान उस भारत की भावना को दर्शाता है, जहां निस्वार्थ सेवा और मानवता सर्वोपरि है। राष्ट्र की सामूहिक इच्छा शक्ति को अभिव्यक्त करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 22 अप्रैल की रात को ही माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया था। यह बैठक आज के लिए निर्धारित की गई है। यह ध्यान देने योग्य है कि पहलगाम एक अत्यंत सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है, जहां त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू है।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26